हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

14 नवम्बर, 1973

खण्ड 2, अंक 3

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, 14 नवम्बर, 1973

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3)1
बीर सुनारवाला के हरिजनों की बेदखली सम्बन्धी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संख्या 2 पर राजस्व मंत्री का वक्तव्य	(3)21
कार्य मन्त्रण समिति का द्वितीय प्रतिवेदन	(3)24
ऐप्रोप्रिशन (नं0 3) बिल, 1973	(3)25
दी हरियाणा लैंड होल्डिग्ज टैक्स (अमैंडमैंट) बिल, 1973	(3)51
दी पंजाब शूगरकेन (रैगूलेशन आफ परचेज ऐंड सप्लाई) हरियाणा अमैडमैंड बिल, 1973	(3)62
दी पंजाब ऐन्टरटेनमैंट्स टैक्स (सिनेमैंटोग्राफ शोज) हरियाणा अमैडमैंट बिल, 173	(3)70
दी हरियाणा मिनरल्ज (वैस्टिंग आफ राईट्स) बिल, 1973	(3)72
दी पंजाब लैंड रैवेन्यू (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1973	(3)74

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 14 नवम्बर, 1973

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री बनारसी दास गुप्ता) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, प्रश्न काल।

Government Girls Higher Secondary School N.I.T. Faridabad

***437. Sh. K.N. Gulati:** Will the Minister for Education be pleased to state:-

(a) the total number of student of the Government Girls Higher Secondary School, N.I.T. Faridabad; and

(b) the total strength of staff in the said School?

शिक्षा एवं परिवहन राज्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) 1760

(ख) 62

श्री के0एन0 गुलाटी: क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगी कि किस रेशो से टीचर्ज मिलते हैं ? क्या इस रेशा से इस स्कूल में स्टाफ कम हैं या ठीक है ?

शिक्षा मंत्री (श्री माडू सिंह मलिक): स्पीकर साहब, वहां 62 टीचर्ज हैं और 1740 लड़के हैं। 35 लड़कों के हिसाब से एक टीचर मिलता है। उस हिसाब से वहां स्टाफ ठीक है।

चौधरी शिव राम वर्मा: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने हायर सैकेण्डरी स्कूल्ज के बारे में तो बता दिया लेकिन क्या वे बतायेंगे कि प्राईमरी पाठशाला और मिडल स्कूल में किस रेशो से टीचर्ज रखे जाते हैं ?

श्री माडू सिंह मलिक: रेशो सभी जगह एक ही है।

श्री के0एन0 गुलाटी: क्या आनरेबल एजुकेशन मिनिस्टर साहब बताने की कृपा करेंगे कि इस स्कूल में बायोलौजी, म्युजिक और संस्कृत के रेगुलर टीचर्ज है ?

श्री माडू सिंह मलिक: स्पीकर साहब, इस वक्त अलग–अलग फिग्र्ज तो मरे पास नहीं है। अगर ये नोटिस दे तो बता दूंगा।

श्री अध्यक्ष: ठीक है।

Employment Exchanges

***444. Ch. Mehar Chand:** Will the Minister for Home be pleased to state: whether there is any proposal under consideration of the Government for setting up Employment Exchange in the rural areas for the convenience of ruralites?

Home Minister (Sh. K.L. Poswal): Yes, Sir.

चौधरी अमर सिंहः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने उत्तर में फरमाया 'हां'। क्या वे फरमायेंगे कि इस प्रपोजल को कब तक इम्पलीमैंट करेंगे ?

श्री के0एल0 पोसवालः स्पीकर साहब, हम 10 युनिट्स (अब–औफिसिज) और खोल रहे हैं। इस साल से खोलने शुरू कर देंगे। हम देख रहे हैं कि उनके लिए कौन–कौन सी जगह मौजूद हैं। उसका सर्वे कर रहे हैं।

चौधरी फूल चन्द (रोहट): क्या वजीर साहब फरमायेंगे कि हमारे हरियाणा में कितने ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज हैं और उनमें ऐनरोलमैंट कितनी हैं ?

श्री के0एल0 पोसवालः हमारे डिविजनल ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज तीन है, अम्बाला, फरीदाबाद और रोहतक। डिस्ट्रिक्ट ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज 12 हैं, भिवानी, गुड़गांव, हिसार, जींद, करनाल, कुरूक्षेत्र, नारनौल, पानीपत, रिवाड़ी, सिरसा और यमुनानगर। टाउन ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेजिंज कालका और हांसी में और सब ऑफिसिज हैं पलवल और चरखीदादरी में। रूरल मैनपावर युनिट्स राई, कैथल, बहादुरगढ़, महेन्द्रगढ़, सढ़ौरा,

मोरनी, बराड़ा, तोशाम, नूह और एक महीने के अन्दर–अन्दर फिरोजपुर झिरका में खोल रहे हैं।

चौधरी दल सिंहः क्या मिनिस्टर साहब बताने की कृपा करेंगे कि आज जो रूरल ऐरियाज के अन्दर ऐक्सचेंजिज खोल रहे हैं उसका क्राइटेरिया क्या होता है ?

श्री के0एल0 पोसवालः हम यह देखते है कि कहां ज्यादा लोग रजिस्टर होते हैं और उनकी ऐम्पलयामैंट की क्या जरूरियात है।

चौधरी फूल सिंह कटारियाः स्पीकर साहब, झज्जर एक फौजी इलाका है। क्या मंत्री महोदय बताने की कोशिश करेंगे कि वहां कोई ऐक्सचेंज क्यों नहीं खोला गया जबकि सभी डिविजनल, डिस्ट्रिक्ट्स और तहसील हैडक्वाटर्ज पर ऐक्सचेंजिज खोले गए हैं ?

श्री के0एल0 पोसवालः स्पीकर साहब, 10 युनिट्स खोलने में झज्जर को भी कंसिडर करेंगे।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि आज तक स्टेट में कितने नाम रजिस्टर हुए और उनमें से कितनों को ऐम्पलायमैंट मिल गई ?

श्री के0एल0 पोसवालः इसके लिए तो स्पीकर साहब, सैपरैट नोटिस चाहिए क्योंकि बहुत लम्बा चौड़ा हिसाब किताब इन्होंने पूछ लिया है।

चौधरी शिव राम वर्माः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज से जो नाम आते हैं वे स्ट्रिक्अली नम्बरवाइज आते हैं या किसी स्थिति में ढील भी देते हैं ?

श्री के0एल0 पोसवालः वैसे तो स्ट्रिक्अली नम्बरवाइज आते हैं लेकिन बाजदफा क्वालिफिकेशन और हो और उस क्वालिफिकेशन का वह न हो तो दूसरे भी आ जाते हैं।

चौधरी फूल चन्द (रोहट): क्या मिनिस्टर साहब बताने की कृपा करेंगे कि डिविजनल ऐम्पलायमैंट ऐक्सचैंजिज इंतजामिया हैं या इनमें नाम भी दर्ज करवा सकते हैं ? कृपया यह भी बताएं कि इनका आपरेशनल एरिया कितना है ?

श्री के0एल0 पोसवालः वह तो मैंने बता दिया कि हरियाणा में तीन डिविजनल ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज हैं। इनमें नाम भी दर्ज होते हैं लेकिन ये डिस्ट्रिक्ट ऐक्सचेंजिज और सब–यूनिट्स को चैक भी करते हैं।

Saraswati Sugar Mills Yamuna Nagar

***460. Ch. Dal Singh:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state:-

(a) the sugarcane crushing capacity of the Saraswati Sugar Mills Yamunanagar; and

(b) the actual quantity of sugarcane crushed by the said Mill during the financial year 1972-79?

कृषि मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) 4000 टन प्रतिदिन।

(ख) 677390.8 टन तथा इस मिल द्वारा 1972–73 के क्रशिंग सीजन में 653140 टन गन्ना पेला गया।

चौधरी दल सिंहः क्या मिनिस्टर साहब बताने की कृपा करेंगे कि इस सरस्वती शुगर मिल के साथ किसानों और सोसाइटियों का कितना गन्ना देने का ऐग्रीमैंट हुआ था ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि ऐग्रीमैंट कभी मिल के साथ नहीं होता। सोसाइटियां गन्ना मिल को देती है। ज्यादातर कोशिश यही होती है कि गन्ना सोसाइटियों के थ्रू लिया जाए। इस मिल ने पिछले साल 71 परसैंट गन्ना सोसाइटियों के थ्रू लिया।

चौधरी मनफूल सिंहः क्या मंत्री महोदय, बतलाने की कृपा करेंगे कि रोहतक और पानीपत के शुगर मिल की क्रशिंग कैपेसिटी क्या है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, रोहतक की साढ़े बारह सौ टन डेली और पानीपत की चौदह सौ टन डेली है।

चौधरी शिव राम वर्माः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि यमुनानगर शुगर मिल ने जो गन्ना इस साल लेना है उसका क्या भाव सरकार ने निश्चित किया है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, भाव का अभी तय नहीं हुआ है। सारे देश में भाव तय हो रहे हैं। उसी हिसाब से हमारे यहां भी तय हो जाएगा। यू0पी0 का भाव, पता लगा है, कल तय हुआ है। हमने 16 तारीख को शुगर कैन कंट्रोल बोर्ड की मीटिंग रखी है, उसमें फैसला करेंगे।

चौधरी मेहर चन्दः क्या मंत्री महोदय फरमायेंगे कि सरस्वती शुगर मिल का ऐनुअल प्रौफिट क्या है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह सरकारी मिल नहीं है, प्राईवेट मिल है। प्रौफिट के बारे में यदि मुझे पता भी हो तो भी मैं बताना नहीं चाहूंगा।

श्री जगजीत सिंह टिक्काः क्या मिनिस्टर साहब बताने की कृपा करेंगे कि जो किसान गन्ना देते हैं उनको पेमैंट मिल द्वारा दिये जाने की कोई मियाद मुकर्रर है ? कई ऐसी मिसालें हैं कि बहुत दिन तक पेमैंट नहीं होती है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ऐसी शिकायत हमारे नोटिस में नहीं आई है कि मिल ने पेमैंट नहीं की। इस मिल की तरफ किसानों का 81400 रूपया बाकी रहता है। यह मिल तो हर गन्ना देने वाले को चिट्ठी भी लिखती रहती है कि पेमैंट ले जाएं। इस मिल के बारे में हमें तो आज तक कोई शिकायत नहीं मिली है।

श्री जगजीत सिंह टिक्काः दूसरी मिलों की आई होंगी ?

चौधरी भजन लालः दूसरी मिलों की तरफ कोई भी खास बाकी नहीं है। पानीपत मिल की तरफ 13 हजार और रोहतक मिल की तरफ साढ़े पंद्रह हजार ही बकाया है।

श्री गिरीश चन्द्र जोशीः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि ये तीनों मिलें कब क्रशिंग शुरू करेंगी क्यांकि क्रशिंग सीजन तो आ चुका है ?

चौधरी भजन लालः इसके बारे में 11 तारीख को मीटिंग थी। उसमें फैसला किया गया कि रोहतक मिल 15 तारीख को चल पड़ेगी और यमुनानगर तथा पानीपत की मिलें 20 तारीख को चलेंगी।

श्री ओम प्रकाश गर्गः स्पीकर साहब, कुछ देर पहले मिनिस्टर साहब ने फरमाया कि यू0पी0 में भाव मुकरर्र हो गया है। क्या वे बताएंगे कि वहां क्या भाव मुकरर्र हुआ है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, फाईनली तो मैं नहीं कह सकता लेकिन पता लगा है कि साढ़े बारह रूपये तय किया है।

चौधरी फूल चन्द (मुलाना): क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इस दफा गन्ना ज्यादा होने की वजह से मिल्ज की क्रशिंग कैपेसिटी बढ़ाने की चेष्टा करेंगे ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, पानीपत शूगर मिल की कैपेसिटी बढ़ाने की योजना है। कुछ मशीनरी खरीदी भी है लेकिन वह इस साल नहीं बढ़ जाएगी। अगले सीजन से पहले–पहले कोशिश करेंगे कि उसकी कैपेसिटी बढ़ जाए।

चौधरी शिवराम वर्माः अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर साहब ने अभी फरमाया कि रोहतक शूगर मिल चालू हो गई है। क्या वे बताएंगे कि उसने किस भाव से गन्ना लेना शुरू किया है ? कया बाजार में खुली चीनी जिस भाव से बिकती है उसका गन्ने की कीमत में ख्याल रखा गया है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा कि रोहतक मिल चालू हो चुकी है। मैंने तो यह कहा था कि रोहतक मिल 15 तारीख से यानि कल से चालू होगी। भाव का फैसला 16 तारीख को बोर्ड करेगा। जो किसान 15 तारीख को गन्ना देंगे उनको भी वही भाव मिलेगा जो 16 तारीख को निश्चित होगा।

चौधरी फूल चन्द (रोहट): स्पीकर साहब, मेरे दो सवाल हैं। एक तो यह है कि सोनीपत शुगर मिल अब किस स्टेज में हैं ? वह कब तक बन जाएगी और उसमें कब तक काम शुरू होगा क्योंकि उसको बनाने की योजना तो मुकम्मल हो गई थी और जमीन भी ऐक्वायर हो गई थी ? सवाल नम्बर दो यह है कि क्या वजीर साहब फरमायेंगे कि गन्ने के रस में सक्वीजिग की क्या रेशो है यानी एक क्विंटल गन्ने में कितना रस निकलता है और कितनी चीनी निकलती है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह तो गन्ने पर डिपैन्ड करता है कि उसकी फसल कैसी हुई है अगर गन्ने की फसल अच्छी हो तो गन्ने की रिकवरी भी अच्छी होती है। पिछले वर्ष हमारे रोहतक मिल की रिकवरी बहुत अच्छी रही यानि 10.13 रही। इतनी रिकवरी आज से पहले कभी नहीं हुई। इसी तरह से यमुनानगर को भी बड़ी अच्छी होती थी लेकिन पिछले साल कम हुई है।

जहां तक उनकी दूसरी बात का सम्बन्ध है कि सोनीपत मिल कब चालू हो जायेगा, उसके लिए हमने एक कमेटी बनायी हुई है। उस कमेटी ने साइट भी सिलैक्ट कर ली है। बहुत जल्दी ही हम उस मिल का निर्माण कार्य शुरू करने जा रहे हैं।

Registration of Factories

***484. Sh. Girish Chander Joshi:** Will the Minister for Home be pleased to state the total number of factories registered in the State during the financial year 1972-73?

Home Minister (Sh. K.L. Poswal): 163.

श्री गिरीश चन्द्र जोशीः क्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेगें कि फैक्टरी ऐक्ट के तहत फैक्टरी रजिस्टर करने का क्या क्राइटेरिया है ?

श्री के0एल0 पोसवालः यह तो बाकायदा ऐक्ट में दिया हुआ है। अगर कहें तो मैं जोशी साहब को कापी भिजवा देता हूं। (हंसी)

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि हरियाणा जैसी स्टेट में फैक्टरीज की तादाद कम नहीं है ?

श्री के0एल0 पोसवालः जो सवाल पूछा गया है उसमें कम ज्यादा की बात नहीं पूछी गयी। यहां तो रजिस्ट्रेशन की बात पूछी गयी है वह मैंने बता दी हैं। अगर आप कम समझते हैं तो और लगवा दें। (हंसी)

चौधरी दल सिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि किसी फैक्टरी की रजिस्ट्रेशन के लिए कम से कम कितने मजदूर चाहिएं ?

श्री के0एल0 पोसवालः अगर पावर के साथ हो तो दस चाहिए। अगर बगैर पावर के हो तो 20 मजदूर हों लेकिन केसिज

में अगर गवर्नमैंट को यह महसूस हो कि वर्कर्ज की हैल्थ के लिए जरूरी है ताकि उन्हें सहूलियतें मिलें तब भी रजिस्ट्रर कर सकते हैं।

चौधरी फूल चन्द (रोहट): क्या वजीर साहब बतायेंगे कि हरियाणा में जो टोटल फैक्टरीज रजिस्टर्ड हुई है। उनमें से कितनी फैक्टरीज बोगस रजिस्टर्ड हुई हैं जो कि अब चल नहीं रही है ?

श्री के0एल0 पोसवालः बोगस फैक्टरी कोई रजिस्टर नहीं होती है। अगर कोई बोगस है तो उसको डी–रजिस्टर्ड कर देते हैं। अब इस वक्त 31–10–73 तक कुल 1819 रजिस्टर्ड हुई हैं।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि फैक्टरी ऐक्ट के नीचे वर्कर्ज को जो भी अमैनिटीज मिलनी चाहिए। वे मिल रही है ? अगर नहीं मिल रही तो क्या पिछले साल में कोई शिकायत आयी है कि फलां फैक्टरी में पूरी सहूलियतें नहीं मिली ? कितनी फैक्ट्रीज से ऐसी शिकायतें सरकार के नोटिस में आयी है ?

श्री के0एल0 पोसवालः इसके लिए सैपरैट नोटिस चाहिए।

श्री अमर सिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि सन् 1972–73 में जो फैक्टरीज रजिस्र्ड हुई हैं उनमें से टाउन में

कितनी रजिस्टर्ड हुई हैं और डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज पर कितनी हुई हैं ?

श्री के0एल0 पोसवालः डिस्ट्रिक्ट हैड–क्वार्टर्ज की फिग्र्ज तो मेरे पास हैं वह मैं बता देता हूं। डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज पर सन् 1972 में हिसार में 206 हुई, रोहतक में 255 हुई, गुड़गांव में 529 हुई, करनाल में 296 हुई, अम्बाला में 412 हुई, जींद में 28 हुई और महेन्द्रगढ़ में केवल 14 हुई।

श्री हरि सिंहः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने फरमाया है कि फैक्टरी की रजिस्ट्रेशन के लिए पावर के लिए दस वर्कर्ज होने चाहिए और बगैर पावर के लिए 20 होने चाहिए। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या इन वर्कर्ज में वे भी काउन्ट किए जाते हैं जो डेली वेजिज पर काम करते हैं ?

श्री के0एल0 पोसवालः जो परमानैन्ट होते हैं, उन्हे ही काउन्ट करते हैं।

Siwani Lift Irrigation Project

***493. Sh. Gauri Shanker:** Will the Chief Minister be pleased state:-

(a) the total cost incurred on the 4th stage of the Sewani Lift Irrigation Project together with the total area likely to be benefited as a result thereof; and

(b) the number of Pump Houses installed and the length of the canals dug together with the total lift of water from the said project?

State Minister for Irrigation & Power (Sardar Harmohinder Singh Chatha):-

(a) (i) The work on the Project has just been taken up and the expenditure incurred thereon so far is very small.

(b) Nil.

चौधरी शिव राम वर्मा: क्या मंत्री महोदय बताने का कष्ट करेगे कि इस स्कीम के लिए कहां से पानी लिया जायेगा ? जहां से वह पानी लिया जायेगा क्या उसका असर दूसरी स्कीमो पर तो नही पडेगा ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : स्पीकर साहब, इस बारे मे मैंने कल भी अर्ज किया था कि जब तक हमें रावी और ब्यास का पानी नही मिलता तब तक हम फलडिड वाटर ही इस्तेमाल करेंगे । हमारे पास फलडिड वाटर ही इतना है कि उसमे और कई स्कीमे चल सकती है।

चौधरी राम लाल वधवा: क्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि हरियाणा मे ऐसी जितनी भी स्कीमे चल रही है उन सब के मुकम्मल हो जाने पर कोई ऐरिया ऐसा भी रह जायेगा जहां पानी की जरूरत रहेगी ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंहः जब सारी स्कीमें चालू हो जायेंगी तब वही एरियाज ही रहेगे जहां हम नहरो मे इरीगेट नही कर सकते है जैसे पहाड़ का इलाका है और बाकी सारे एरियाज मे नहरो का पानी देने की कोशिश की जा रही है ।

श्री अमर सिंहः अभी मत्री महोदय ने फरमाया है कि जब तक रवी ब्यास का पानी नही मिलता उस वक्त तक फलडिउ वाटर का पानी लिया जायेगा ।क्या वे बताएंगे कि इस नहर के लिए कहां से फलडिड वाटर कन्ट्रोल किया जायेगा ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः सिवानी लिफ्ट स्कीम का यह पानी हम वैस्टर्न जमुना कैनाल से ले रहे है जो जमुना दरिया मे जा कर गिरता है । दूसरे हम ड्रेन नम्बर आठ से भी पानी ले रहे है और तीसरे हम हजर के नाले का पानी भी ले रहे है। जहां से भी हमे पानी मिलता है,फलडिड वाटर जोकि वेस्ट जाता है या इलाके की तबाही करता है उसको ही हम इस्तेमाल कर रहे है ।

चौधरी पीर चन्दः क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि सिवानी लिफ्ट इरीगैशन स्कीम कौन–कौन से गांवो को सैराब करेगी?

मुख्य मंत्री (चौधरी बंसी लाल): जिस गांव मे आपकी धरती है उसमे पानी चला जायेगा । (हंसी)

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठः 21 गांव है जिसमे चार स्टेजिज मे सिवानी लिफट स्कीम का पानी जायेगा ।

चौधरी चांद रामः क्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे? कि फलड कितने दिनों तक आता है और उस पानी को कितने दिनो तक इस्तेमाल करेगे?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः यह तो शायद इनको ही पता होगा कि बारिश कितने दिन होती है लेकिन बहरहाल जमुना मे इतना पानी आता है जो हमारी जरूरत के लिए काफी है ।

चौधरी फूल चन्द (रोहट): क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि टोटल इरीगेटिड एरिया कितना है ? इस मौजूदा सैट–अप मे कितने एरिया को पानी दे सकते है और कितना बाकी रह जायेगा । ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठः अब जिस स्कीमो की यहां बात चल रही हे इस स्कीम के तहत जो एरिया ग्रीस मैने बताया है इसका सी0सी0ए0 36 हजार 880 एकड़ होगा । एक्चुअल इरीगेशन जो होगी यह अन्दाजन 22 हजार एकड़ से ज्यादा ही होगी।

श्री गोरी शंकरः क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि इस स्कीम मे नरवाना ब्रान्च का पानी तो नही लिया जायेगा ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठः नरवाना ब्रान्च मे तो भाखड़ा का पानी आता है । नहर मे वहां मे कोई पानी नही लिया जायेगा । केवल फ्लड का ही पानी लिया जायेगा । केवल फ्लड का ही पानी लिया जायेगा।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि हरियाणा मे इस वक्त कितना एरिया ऐसा है जहां पानी मिल रहा है और कितना बाकी रहता है ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठः इसके लिए आप सैपरेट नोटिस दें।

Power House at Fridabad

***503. Chaudhri Phool Chand (Mullana):** Will the Chief Minister be pleased to state whether the Power House at Faridabad has been commissioned: if so, teh capacity therof ?

State Minsister for Irrigation & Power (Sardar Harmohinder Singh Chatha): No Sir,

Water Works Schemes Etc.

***512. Chaudhri Phool Singh Kataria :** Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) the time by which the water works scheme at Nahar and

Sahlawas blocks ar likely to be completed; and

(b) the date on which the sewerage work was started at Jhajjar togerther with the time by which teh same is likely to be completed ?

गृह एंव स्वास्थय राज्य मंत्री (श्रीमती शारदा रानी):

(ए) जन विरतण योजनाओ को पूर्ण करने के सम्बन्ध मे कोई निश्चित तिथि नही दी जा सकती क्योंकि यह पंचायतो द्वारा सार्वजनिक भाग जाम करवाने तथा राज्य सैनीटरी बोर्ड द्वारा धनराशि उपलब्ध किए जाने पर निर्भर करता है ।

(बी) मल निकास योजना झज्जर अक्तूबर 1972 मे आरम्भ की गई थी परन्तु इस के पूर्ण होने की कोई निश्चित तिथि नही दी जा सकती है क्योकि यह नगरपालिका द्वारा धनराशि उपलब्ध किए जाने पर निर्भर करता है ।

चौधरी फूल सिंह कटारिया: क्या मंत्री महोदय यह बताने की कोशिश करेंगी कि जब और कमेटीज मे काम चल रहा है तो झज्जर की कमेटी मे काम क्यो नही चल रहा है ?

श्रीमती शारदा रानी: नगरपालिका मे अभी तक पैसा जमा नही कराया । तीन लाख रूपया जमा कराया था उसमे से दो लाख रूपये का काम हो चुका है और बाकी एक लाख रूपये का काम चल रहा है ।

चौधरी दल सिंह: क्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगी कि चुलकानकला के लिए जो वाटर स्कीम सन् 1970 मे

चली थी परन्तु आज तक वहां पर काम पूरा नही हो सका है,वहां काम कब तक पूरा करेंगे ?

श्रीमती शारदा रानीः यहां पर नाहड़ ब्लौक्स की बाल पुछी गयी थी , आपके एरिया के गांव की नही । (हंसी)

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगी कि अब तो सारे प्रान्त मे सारी कमेटीज मे ऐडमिनिस्ट्रेटर लगाये हुए है,क्या तीन महीने से ऐडमिनिस्ट्रेट ने भी पैसा जमा नही करवाया ?

श्री अध्यक्षः इस मे ऐडिमिनिस्ट्रेट का क्या सवाल है ?

श्रीमती शारदा रानीः जिन नगरपालिकाओ ने पैसा जमा करवा दिया है वहां पर काम हो रहा है । ऐडमिनिस्ट्रेट क्या करेगा जब नगरपालिका मे रहने वाले ही टैक्स नही दे रहे है ।

चौंधरी चांद रामः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि मेरे हल्के और साल्हावास के खण्ड मे वाटर सप्लाई की कितनी योजनाये है ?

परिवहन मंत्री (कर्नल महा सिंह): तीन योजनाये है । एक स्कीम नाहड़ सी पर कमा चालू है ।

श्री गोरीशंकरः क्या मंत्री महोदय यह बतायेगे कि नरवाना मे ओर घरोंडा मे जो सीवरेज का काम होना है,वह कब तक चालू हो जायेंगा ?

श्रीमती शारदा रानीः इसके लिये अलग से नोटिस चाहिए ।

चौधरी शिव राम वर्माः स्पीकर साहब,वाटर सप्लाई की एक बहुत पुरानी स्कीम है । नीलोखेड़ी के हल्के मे अमीन गांव की जो स्कीम है ,क्या मंत्री महोदया बतायेंगी कि वह किस स्थिति मे है ? वह पहले से मन्जूर हुई पड़ी हे वह कब तक चालू हो जायेगी ?

श्रीमती शारदा रानीः पंचायत ने पैसा नही जमा करवाया होगा ।

चौधरी फूल चन्द (रोहट): क्या मंत्री महोदय यह बतायेगे कि यह जो नाहड़ की स्कीम है,उस पर कुल कितनी रकम खर्च होनी है,उसमे से कितनी रकम खर्च हो चुकी है और कितनी खर्च होनी बाकी है ?

कर्नल महा सिंहः नाहड़ की स्कीम मे 20 गांवो को पानी दिया जा चुका है ।13 गांवो मे यह काम अभी अन्डर ऐक्सीक्यूशन है । उसके लिये इस साल हमने साढे आठ लाख रूपया दिया है और करीब पौने लाख रूपया अगले साल मे देंगे । 1974 मे जब यह रूपया देंगे तब वह स्कीम पूरी होगी।

Bar Room at Ballabgarh

***438. Shri K.N Gulati:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) whether there is a Bar Room at Ballabhgarh; and

(b) if not,the time by which the Government intends to construct a Bar Room there ?

Chief Minister (Chaudhri Bansi Lal):

(a) No,

(b) No such proposal is under the consideration of the Government.

Smll houses for harijans and other poor people

***445 .Chaudhri Mehar Chand:** Will the Minister for Finance be pleased state teh special steps taken by the Government for providing small houses to Harijans and other persons having annual income of less that Rs. 1800/- and living in rural areas ?

Develpment Miaister (Shri Shyam Chand) :No.

चौधरी मेहर चन्दः स्पीकर साहब जो जवाब इन्होने दिया है उनसे तो फिर खुदा ही हाफिज है । स्पीकर साहब मैने यह पूछा या कि हरिजनो के लिए और दूसरे गरीब लोगो के लिये जो रूरल एरियाज मे रहते है , क्या कोई छोटे हाउस प्रोवाईड करने के लिये स्ट्रैपस लिये जा रहे है ?.....(व्यवधान व शोर)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब,आपने जो सवाल पुछा था उसका जवाब आ चुका है ।.....(व्वधान).....

चौधरी दल सिंहः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि कल जो यहां यह स्पलीमैट्री डिमान्डज मे यह पास कराया गया कि हरिजनो के लिए 600 मकान बनाने के लिये 12 लाख रूपया चाहिए,क्या आप वे मकान बना रहे है या नही ? दूसरी बात यह है कि अगर वे मकान इससे अलाहिदा है तो क्या गवर्नमैट हरिजनो की हालत को ध्यान मे रखते हुए यह जरूरी नही समझती कि उनके लिये और ज्यादा मकान बनाये जाये ताकि वे खुशहाल हो सके ?

Shri Shyam Chand: Sir, that scheme is for Jayanti villages and that is sponsored by the Government of india and not by the State Government.

श्री अमर सिंहः क्या मत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेगे कि जैसे गाधी जयन्ती के मौके पर सैटर वाले मद्द कर रहे है , हरियाणा गवर्नमैट भी उसी तरह से हरिजनो के लिये देहातो मे मकान बनाने मे मद्द करने की कृपा करेगी ?

Shri Shyam Chand: Sir, there is another scheme that is sponsored by L.I.C and for everybody, Government is paying loans to everyboady who comes foreard to construct such houses.

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने यह जवाब दिया था कि कोई स्पैशल स्टैप्स नही उठाये जा रहे है । क्या मत्री महोदय यह बतालाने की कृपा करेंगे कि उन्होने आज तक कोई हाउस बनाकर हरिजनो को दिये भी है या नही ?

श्री श्याम चन्दः स्पीकर सहब , हाउसिंग बोर्ड ने 12 हाउसिज बनाये थे लेकिन उन्हे लेने के लिये कोई भी तैयार नही है ।

श्री अमर सिंहः क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेगे कि यह हकीकत है कि ज्वाइट पजांब के वक्त एक साल मे डिस्ट्रकटवाइज 24 मकान हरिजनो के लिये बनते थे ?क्या वह स्कीम अब भी जारी है या इन्होने चन्द कर दी है ?

Shri Shyam Chand: Sir, that is for subsidy for consruction of houses.

Improvement Trase Jind

***461. Chaudhri Dal Singh:** Will the Minister for Transport be pleased to state teh total expenditure incurred by the Government on the Imporvements Trust Jind during the financila year 1970-73, 1971-72.1972-73?

सहकारिता एवम स्थानीय प्रशासन राज्य मंत्री (चौधरी गोवर्धन दास चौहान): नगर सुधार मंडल ,जीन्द को वितीय वर्ष 1970–71,1971–72, तथा 1972–73 मे निम्नलिखित राशियां अनुदान व ऋण के रूप मे दी गई थीः–

1.	1970-71	रूपये
	अनुदान	25000

	ऋण	100000
2.	1971–72	
	अनुदान	20000
	ऋण	300000
3.	1972–73	
	अनुदान	15000
	ऋण	200000

चौधरी दल सिंहः मिनिस्टर साहब से फरमाया है कि सन्1970–71 से लेकर 1972–73 तक इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट जीन्द को 6 लाख रूपया कर्ज के तौर और 60 हजार रूपया ग्रान्ट के तौर पर दिया गया है । मै उनसे पूछना चाहता हूँ कि इस इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट ने आज तक क्या कोई कार्य किया है जिसके लिये उसे इतनी रकम दी गयी है ?

चौधरी गोवर्धन दास चौहानः हां जी। इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट जीन्द ने 11 स्कीमे बनायी है जिनमे से छः नम्बर स्कीम पर उन्होने 84 प्लाट काटे है । ये सारे हाउसिंग प्लाट है और इन पर 12 लाख रूपये खर्च करने का अनुमान था । इसमे उन्होने 353294 रूपये जमीन की ऐक्विजीशन पर खर्च किये,18525 रू0 कोपिग–फी

पर और दूसरे जो मिसलेनियस पर खर्च थे,उन पर 18946 रू0 खर्च किये है ।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेगे कि यह इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट कब बना था और आज तक इस पर कुल कितना खर्च हुआ है ?

चौधरी गोवर्धन दास चौहानः इस इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट के बनने की तारीख तो मुझे पता नही,अलबत्ता मुझे यह पता है कि यह सन् 1970 मे बना था । आज तक इस पर 528082 रू0 93 पैसे खर्च हुए है ।

चौधरी दल सिंहः क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेगे कि इस इम्प्रूमैंट ट्रस्ट ने कोई कंस्ट्रक्शन का या कोई और ऐसा काम आज तक किया है ? मै कहता हूं कि इसने कोई काम नही किया है । उसने एक ईन्ट भी लगायी हो या एक भी मकान बनाया हो तो आप बता दो .....(व्यवधान).....

चौधरी गोवर्धन दास चौहानः जी हा, किया है । स्कीम नम्बर छः के तहत, जहां प्लाट्स काटे है, वहां उसने रोड्ज भी बनायी है और वहां पर जो अर्थ –वर्क हुआ है, वह भी किया है ।

श्री अमर सिहः क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे ,जैसे कि उन्होने बताया है कि स्कीम नम्बर छः पर 12

लाख रूपये खर्च करने का अनुमान है, वहां पर स्वीपर्ज और बाल्मीकीज के लिये भी किसी कालोनी का प्रोवीजन रख गया है ?

चौधरी गोवर्धन दास चौहानः ऐसा तो कोई प्रोवीजन नही रखा गया है ।

Haryan Rodways

***485. Shri Girish Chander Joshi:** Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) the steps, if any, being taken by the Government to check the over-crowding in the Haryana Roadways buses ; and

(b) the total number of buses added in the Haryana Roadways fleet during the financial year 1972-73, depotwise ?

शिक्षा एंव परिवहन राज्य मन्त्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) सरकार ने बसो मे भीड़ रोकने के लिए निम्नलिखित पग उठाए है :–

1. ग्रामीण जनता की सुविधा के लिए कम लम्बे मार्गो पर सेवाएं चलाई गई है क्योकि प्रायः देखा गया है कि छोटे मार्गो वाले यात्री बसो मे भीड़ कर देते है जो लम्बे मार्गो वाले यात्रियो के लिए असुविधाजनक होते है ।

2. चण्डीगढ से देहली पर तथा हिसार से देहली महत्वपूर्ण रूटो पर बसो मे भीड़ समाप्त करने के लिये कई अतिरिक्त सेवाए चालू की गई है ।

3. दूसरे मार्गो पर यातायात की आवश्यकता का अनुमान लगाने के लिय यातायात सर्वेक्षण किये जारहे है तथा जंहा भी आवश्यकता पड़ेगी अतिरिक्त सेवाए चला दी जायेगी ।

4. अधिक यातायात वाले समय मे विशेष सेवाए प्रदान की जाती है बस स्टैडो के इन्चार्ज स्थानीय निरीक्षको को विशेष सेवांए चलाने का अधिकार दिया गया है ।

5. प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियो के लिये जंहा वह अधिक मात्रा मे है, विशेष सेवांए चलाई गई है ।

6. कम दूरी वाले अधिकांश मार्ग डिपो परिचालक के लिए मुक्त कर दिये गये है ताकि वह कम दूरी यात्रा करने वाले यात्रियो को सेवा दे सके और यह कम दूरी वाले यात्री जिला स्तर की बसो मे भीड़ न कर पांए।

(ख) वर्ष 1972–73 मे प्रत्येक डिपो मे हुई बसो की वृद्धि

क्रमसख्या	डिपो का नाम	नई बसो की वृद्धि
1.	हरियाणा राज्य परिवहन	14

	,अम्बाला	
2.	हरियाणा राज्य परिवहन, गुड़गांव	1
3.	हरियाणा राज्य परिवहन,चण्डीगढ	14
4.	हरियाणा राज्य परिवहन,रोहतक	38
5.	हरियाणा राज्य परिवहन,करनाल	56
6.	हरियाणा राज्य परिवहन,हिसार	27
7.	हरियाणा राज्य परिवहन,रेवाड़ी	16
8.	हरियाणा राज्य परिवहन, जीन्द	7
	कुल	171

श्री गिरीश चन्द्र जोशीः क्या मंत्री महोदया बताएंगी कि ओवर आउडिंग को रोकने के लिये हरियाणा रोडवेज की बसो की रिक्वायरमैंट कितनी है ?क्या इस बारे मे कोई सर्वे किया गया है ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः समय–समय पर बसो की आवश्यकता बढती रहती है । वैसे इस साल चार सौ बसे खरीदनी थी लेकिन बसे न मिलने की वजह से पूरी बसे नही शामिल कर सके । इस वक्त तक 205 गाड़ियां खरीद चुके है और सौ गाड़िया मार्च तक खरीद लेगे ।

Shri Gulab Singh Jain: Will the Hon'ble State Minister be pleased to State whether in view of the fact that the petrol price has gone very high and our Prime Minister has desired that the consumption of petrol should be controlled, any steps are being taken to start De-Lux and express buses from the Distirict Headquarters to Chandigarh ?

Transport Minister (Col. Maha Singh): The matter is under consideration of the Government and De-lux buses will be started form Hissar, Gurgaon, Narnaul and Rohtak to Chandigarh very shortly.

चौधरी मनफूल सिंहः पिछले सैशन मे यह बताया गया था कि जहां लोकल बसो की सभी हे वहां लोकल बसे और चलाई जाएंगी । अब 38 बसे रोहतक को दी गई है । क्या झज्जर कांस्टिचुऐंसी मे और ज्यादा लोकल बसे चलाई जांएगी ?

कर्नल महा सिंहः झज्जर कांस्टिचुऐंसी मे बहुत बसे दी गई है और आपकी फरमाईश पर दी गई हे जिसका काफी झगड़ा चल रहा है ।

चौधरी मनफूल सिहः तीन लोकल बसे मन्जूर है । एक सुबह जाती है और शाम को वापिस आती है और उसका भी कोई टाईम नही है क्या मिनिस्टर साहब उसका टाइम ठीक करवाने की कृपा करेंगे ?

कर्नल महा सिंहः बस तो टाईम पर ही जाती है लेकिन मेरे पास जो रिपोर्ट आई है उससे पता लगा है कि सवारियां पूरी नही होती । आप सावरियां ज्यादा दे, हम ज्यादा बसे चलवा देगे ।

चौधरी दल सिंहः जैसा कि जवाब मे बताया गया है कि औवर आउडिंग को रोकने के लिए कुछ कदम उठाए है लेकिन अब भी काफी ओवर आउडिंग है । क्या सरकार का कोई खास कदम उठाने का विचार है जिससे कि औवर आउडिंग न हो ?

कर्नल महा सिहः हम नही चाहते कि बसो मे ओवर आउडिंग हो । लेकिन लोग फिर भी ड्राईवर और कन्डक्टर का कहना नही मानते और जबरदस्ती बस मे चढ जाते है । हम कोशिश करते है कि ज्यादा बसे खरीदी जांए और इसके लिए हमने तीन दफा अपने आफिसर्ज को दो जगह टाटाज और अशोक ले–लैड जंहा से हम बसे खरीदते है, भेजा भी लेकिन पूरी बसे

नही मिल पाई है । मै अभी ट्रान्सपोर्ट मिनिस्टर्ज कांफ्रेस मे दिल्ली गया था, यह दिक्कत सभी सूबों मे है । यह नही कि यह सिर्फ हरियाणा मे ही है ।

श्री प्रेम सुख दासः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि सिरसा से चण्डीगढ तक बस चलाने का कोई इरादा है ?

कर्नल महा सिंहः पहले हमारा इरादा चण्डीगढ को डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज से जोड़ने का है बाद मे सिरसा से जोड़ा जाएगा ।

चौधरी फूल चन्द (मुलान): क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि जिन गाड़ियो की दशा अच्छी नही है और जो हर रोज ब्रेक डाउन होती है क्या उनको जल्दी रिप्लैस करने की कृपा करेंगे ?

कर्नल महा सिहः जो गाडिया बिल्कुल चल नही ही सकती और जिनकी रिपेयर नही हो सकती उनको हम रिप्लेस करते है जहां ओवर आउडिंग होती है वहां गाडियां ऐड करते है, रिप्लेस नही करते ।

चौधरी राम लाल वधवाः ओवर आउडिंग नही इसके लिए मौजूदा स्थिति मे फौरी तौर पर कितनी बसो की और आवश्यकता है ?

कर्नल महा सिहः फौरी तौर पर कितनी बसो की आवश्यकता है यह तो कहना मुश्किल हे लेकिन अगर 200–300 बसे मिल जांए तो ओवर आउडिंग कम हो सकती है ।

चौधरी दल सिंहः आज तक बस स्टैड से बसे लेट चलती है । क्या इस तरफ ध्यान दिया जाएगा कि डिपोज से बसे लेट न चले ?

कर्नल महा सिंहः पूरी कोशिश की जाती है कि कोई बस लेट न चले । हो सकता है कि कोई बस माईनर रिपेयर की वजह से थोड़ी लेट हो जाती है वरना ज्यादातर बसे ठीक टाईम पर ही चलती है ।

श्री ओमप्रकाश गर्गः जो नए जिले बने है जैसे कुरूक्षेत्र , वहा पर जिला बनने से रश हो गया है । क्या वहां पर कोई लोकल बसे चलाने का इरादा है ?

कर्नल महा सिहः कुछ चल भी गई है और कुछ चलाई जाएगी।

श्री बिहारी लाल बाल्मीकिः पलपल होडल का इलाका हरियाणा के बोर्डर पर है यहां से लोग गोवर्धन जाते है जो कि यू0पी0 मे पड़ता है । क्या यहां से गोवर्धन को बसे चलाने का कोई इरादा है ?

कर्नल महा सिंहः यह डिमांड जरूर आई हे और यह जेरे गौर है इसमे यू0पी0 स्टेट इनवाल्व है । अगर ये इजाजत देंगे तो जरूर बसे चलाई जाएगी । उनसे लिखा पढी चल रही है ।

चौधरी राम प्रशादः यात्रियो को रात को ठहरने के लिए क्या बस स्टैड्ज पर सरकार का कुछ बनाने का इरादा है क्योकि वे यात्री शहर नही जा सकते है और अगर बस स्टैड पर रहते हे तो पुलिस उनका चालान कर देती है ?

कर्नल महा सिंहः यह मुश्किल है ।

चौधरी फूल सिंह कटारियाः जैसा कि बताया गया है कि रोहतक डिपो मे 38 बसे आई हे तो क्या ये सब बसे रोहतक डिपो मे चल रही है या दूसरे डिपो को भेजी गई है ?

कर्नल महा सिहः जो बसे रोहतक डिपो को दी गई है वे रोहतक डिपो या रोहतक के सब–डिपो मे चल रही है । एक सब–डिपो जो भिवानी था उसको अलग डिपो बनाकर कुछ बसे उसमें ट्रांसफर कर दी है।

G.T Road

***494. Shri Gauri Shanker:** Will the Minister for Revenue be pleased to State whether there is any scheme under consideration of the Government to double the G.T Road in the State, if so, the time by which the said work is likely to be completed ?

Revenue Minister (Pandit Chiranji Lal Sharma): Yes Sir, The proposal for widening teh G.T Road (national Highway I) from Delhi to Ambala to four lanes is under consideration of the Government of India, Ministry of Transport & Shipping. It has been tentatively inluded by them in the list of projects to be executed during the Fifth Five year Plan. if the Government of India finally agree to inculed this scheme in the 5th Five year Plan, the work of doubling the G.T Road would be completed during the 5th Five Year Plan.

चौधरी शिव राम वर्मा : अध्यक्ष महोदय, जवाब मे बताया गया है कि ऐक्सीडैट की रोकने के लिये जी0टी0 रोड़ की डबल किया जा रहा है। तो क्या मंत्री महोदय बताएगे कि इसके बीच मे कोई पटरी बनाई जाएगी जिससे कि आने का रास्ता अलग हो और जाने का अलग हो ?

Pandit Chiran Ji lal Sharma: Certainly, Sir,the proposal for the widening of the G.T Road is taken up to avoid accidents.

चौधरी राम लाल वधवा: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि उसको कितना बाइडन किया जाएगा ?

Pandit Ch iranji Lal Sharma: I think this will come to forty – eight feet all told.

चौधरी पीर चन्द: सड़के पहले की बनी हुई है और खस्ता हालत मे है क्या उनको ठीक किया जाएगा ?

Pandit Chiran Ji Lal Sharma: Mr. Speaker, Sir this question pertains to teh widening of G.T Road. Anyway, efforts will be made to repair the roads which are in damaged condition, but this all depends on the availability of funds.

चौधरी राम प्रसादः क्या पानीपत से रिवाड़ी वाया रोहतक की सड़क को भी डबल करने का सरकार का कोई इरादा है ?

Pandit Chiran Ji Lal Sharma: There is no such proposal for the present.

चौधरी शिव राम वर्माः जी0टी0 रोड़ को चौड़ा करने की वजह से किसानो को अपने पशु आदि निकालने मे जो मुश्किल पेश आएगी क्या सरकार इस मुश्किल को हल करने के लिए अलग से पुल प्रोवाईड करेगी ?

Pandit Chiran Ji Lal Sharma: Well, i wonder if this problem will arise out of the widening of the road. This difficulty exists even at present.

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, क्या मिनिस्टर साहब यह बतालाने का कष्ट करेंगे कि यह जो जी0टी0रोड़ को चौडा करने का प्रोग्राम है क्या यह ठेकेदारो के द्वारा करवाया जाएगा या कि को–आप्रेटिव सोसाइटीज द्वारा करवाया जाएगी ?

Pandit Chiran Ji Lal Sharma: This supplementary does not arise out of this question, but, however, I my submit that the work will largely be exectued by the Public Works

Department departmenatlly, except where it is necessary to be done by contractors.

श्री के0एन0 गुलाटी: स्पीकर साहब, क्या मन्त्री महोदय यह बताने का की कृपा करेगे कि जो सड़के पहले बन रही थी और जो अभी तक पूरी नही हुई है , वे कब तक पूरी हो जाएंगी ?

श्री अध्यक्ष: गुलाटी साहबए सड़को का प्रशन नही ए यहा तो जी0टी0रोड़ का प्रशन है ।

Chaudhari Phaool Chand (Rohat): Whenever I approch my hon friend, teh Public Works Minister, regarding taking up of any roads, I get teh reply that funds are not available . May I know the fortunate day when he would start working and taking up work on roads; for example, there are so many roads where material is lying.....

Mr. Speaker: Here is is a question of G.T Road.

Chaudhari Phaool Chand: There are several other roads wher material is lying and is getting destroyed.

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, इसमे सौ मैनी रोडज का जिकर नही है, यह तो जी0टी0 रोड से सम्बन्धित प्रशन है । आपका प्रशन तो मूल प्रशन से पैदा ही नही होता । आप बैठिए ।

श्री हरि सिंह: स्पीकर साहब, क्या मिनिस्टर साहब यह बताने की कृपा करेगे कि हरियाणा से जो जी0टी0 रोड़ गुजरती है, वह कितने मील लम्बी है ?

Pandit Chiranji Lal Sharma: I cannot exactly give teh length of G.T Road. But from Delhi to Ambala it is, I think, 130 miles. Then towards Agra side, I cannot give teh exact length.

Demand for Electricity

State Minister for Irrigation & Power (Sardar Harmohinder Singh Chatha): A Statement containing teh requisiste information is laidon the Table of the House.

Statment

Steps taken by the Haryana State Electricity Board to meet the future growing demand of Elctricity.

(a) Shor term Measures

Haryana State Electriciy Board has entered into a bilateral agreement with D.E.S.U for the purchase of surplus power availabler with them.

(b) Long Term Meaures

Haryan State Electricity Board has undertaken the following generation Progects-

(i) Faridabad Thermal Exension Project.

(II) Panipat Thermal Power Project,

(iii) Western Yamuna Canal Hydro-Electric Project.

Teh Board is also explpring teh feasibility of participation with Himachal Pradesh is executing hydro-

electric power projects falling in teh terriotory of Himachal Pradesh.

Chaudhri Phool Chand (Mullana): The hon Minister has mentioned various long term and short term measures to meet the future growing demand of electricity. under short term measures it has been mentioned that they have entered into an agreement with D.E.S.U. May I know from the hon. Minister as to when we shall start getting electricity from D.E.S.U ? Secondly, under long term meausres, I would like to know as to when these proiects are going to be comleted?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब, देसू से हम 5.5 मिलियन यूनिट बिजली मिलेगी जबकि इस वक्त दिल्ली से हम 1.3 मिलियन यूनिट बिजली ले रहे है । इसके साथ साथ जो थर्मल स्टेशन की दूसरी बात की गई है, उसके बारे मे यह कहना है कि फरीदाबाद मे अप्रैल ,74 मे फर्स्ट यूनिट चालू हो जाएगा, पानीपत मे 76 फर्स्ट यूनिट चालू हो जाएगा और वैस्टर्न यमूना कैनाल हाईड्रों–इलैक्ट्रिक परियोजना पांचवी पंचवर्षीय योजना मे चालू हो जाएगी।

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, क्या मिनिस्टर साहब यह बतायेगे कि हरियाणा प्रान्त मे जितनी बिजली की कमी है, उनको कब तक पूरा कर दिया जाएगा ?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः स्पीकर साहब, परसो तक जो हमे बिजली मिलो वह 5.2 मिलियन यूनिट थी लेकिन इस

वक्त तक हमारी जो रिक्वायरमैन्ट है वह 6.5 मिलियन यूनिट की है ।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, पहली नवम्बर के एक अखबार मे निकला है कि हरियणा प्रान्त मे 232 मैगावाट पावर अवेलेबल है जबकि 450 मैगावाट पावर की नीड है । तो क्या मिनिस्टर साहब यह बतलाने कीी कृपा करेगे कि जो इन्होने जवाब दिया है, उनमे और इन फिगर्ज मे इतना कनफलिक्ट क्यो है? (कोई जवाब नही दिया गया) स्पीकर साहब,मैने यह पूछा था कि . ....(...शोर...) .....

श्री अध्यक्षः चौधरी चांद राम, मै तो इनको जवाब के लिये फोर्स नही कर सकता ।

चौधरी चान्द रामः आप इनको फोर्स नही कर सकते तो बहुत अच्छी बात है लेकिन

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप तशरीफ रखिये,यह सब ने सुन लिया कि इस हाउस के बीच आपने प्रशन पूछा है

श्री अमर सिहः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने फरमाया है कि अब टोटल रिक्वायरमैन्ट 6.5 मिलियन यूनिट है जबकि इनके पास 5.2 मि0यू0 है । तो क्या ये बताने की कृपा करेंगे कि यह जो डिसटैन्स है, यह कब तक मीट कर सकेगे ?

Chief Minister Chaudhri Bansi Lal): It will take a few years.

बीर सुनारवालाके हरिजनो की बेदखली सम्बन्धी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सं0 2 पर राजस्व मंत्री का वक्तव्य

श्री अध्यक्षः अब रैवेन्यू मिनिस्टर महोदय, चौधरी दल सिंह जी द्वारा दिये गये ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर अपनी स्टेटमैन्ट देगे परन्तु चौधरी दल सिंह जी आप पहले अपना प्रस्ताव पढ दे ।

Chaudhri Dal Singh (Jind): Sir, I beg to draw the attention of the House to a mattter of urgent public importance and of recent occurrence namely, situation prevalent in teh State of Haryana by teh extreme dissatisfaction and dis-contentment prevailling among the Harijans and Backward Classes on account of forcible eviction of 150 families of Harijancs from Bir Sunarwala which they re-claimed with hard and continuous labour for many years. This decision of the Haryana Government is unprevedented in the post partition history of demogracy in India and as a result of wrong and anti-Harijan decision of the Government, thousands of Harijans have courted arrests under teh guidance of Haryana Harijan Sangharsh Samiti in and outside teh State, The arrests are still going on and teh situation is exteremely explosive.

Revenu Minister (Pandit Chiranji Lal Sharma): It is correct that 150 families of harijans were dispossessed of about 250 avres of land in Bir Sunarwala village in Jhajjar Tehsil in may/July, 1973. These families were in unauthorised possession of teh land becuase of expiry of oner year's lease which they held on this land which had been reserved in

1961/1962 for setting up a Sainik School. After 1962, it was given on temporary annjual leases to these cultivators and at no stage was there any understanding, much less commitment, given by Govt. that this land will be transferred to them on permanent basis. It became necessary to get the land vacated because it was decided to set up a Sed Farm, spevially for research and multiplication of suitable varieties of seed for dry farming conditions. It is well-known that almost 2/3rd land in Haryana is depedndent on rain fall and development of proper seeds for cultivation in rain-fed and barani areas is of vital neccessity to the agricultural enconomy of the State as also in the wider interests of teh whole country where increase in production of foodgrais, specially in barani areas needs the highest priority.

2. This land was only a small protion of over 2900 acres of land which in Bir Sunarwala and adjoining village Bir Chhuchhakwas, had been given on a temporary lease for five years to the Rohtak Distrist Harijan Co-operative Sociedy.When this lease expired in 1959, the Pepsu Nazul Land Rules were applied in teh composite Punjab and teh land was made over to the Society in accordance with these Rules, Later it was found that the Society did not fulfil the prerequisits laid down in thosed Rules which required that only the heads of families could become members of the Society and the land was to be given to the Harjans belonging to the same or the adjoining village. In teh present case, the Harijans belonged not only to these or adjoining villages but hailed from as many as 77 villages from all over the district. Thus the members of teh Society did not fulfil the conditions laid down in the Rules.

3. In the meantime in 1961-62, the decision had been taken as mentioned above to earmark and set apart 250 acres for construction of the Sainik School. However, teh remaining area (2596 acres) was throgh a special decision of CMM. taken in June, 1965, allowed to be transferred to the members of the Society who were in acutla cultivation in relaxation of the Pepsu Nazul Land Rules. This decision was implemented at the spot after necessary vacation of cultivators etc. by District Authority during 1967-68 for bulk of the area remaining cases during 1969-72. Accordingly, the buld of the area namely 2596 acress has been transferred to about 1100 families who have been made landowners in implementation of teh policy of Government.

4. It is thus apparent that the agitation has been built up on wrong promises in so far that the main bulk of the members of the Society has not been distubred and those who were dispossessed and were on land set apart were allowed on shor-terms annual leases. At no stage there was any commitment that this 250 acres of land reserved for teh Sainik School, will be tranferred to the temporary cultivators.

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, एक बात तो यह है कि इसकी कापी हमारे पास अभी तक नही आई और दूसरी बात यह है कि आपने कहा था कि दूसरे पक्ष को चर्चा के लिए अलाउ किया जायेगा ।

श्री अध्यक्षः नहीए इस पर चर्चा अलाउ नही हो सकती, आप बैठिये, तशरीफ रखिये, मै इसका जवाब दे देता हूं । पहली बात तो यह है कि इसकी कापी के लिए मुझे बड़ा अफसोस है

क्योकि हमे यह चन्द मिनट पहले मिली है, साइकलोस्टाइल हो रही है, आपको बहुत जल्द ही सप्लाई कर दी जाएगी ।

चौधरी चान्द रामः स्पकीर साहबए इसके बारे मे आपकी एश्योरेस है (शोर)

श्री अध्यक्षः आप तशरीफ रखिये इस पर कोई चर्चा नही होगी ।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, आप सुन तो ले , परसों आपने ही तो कहा था .....

श्री अध्यक्षः मै आपको कह चुका हूं कि इस पर कोई चर्चा नही होगी ।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, यह रिपोर्ट की कापी मेरे पास आई है इसमे लिखा है कि आप तशरीफ रखिये आपको अपने विचार व्यक्त करने को मौका मिलेगा ।

श्री अध्यक्षः आप बैठिये मै ऐक्सप्लेन करता हूं । उस वक्त मेरा कहने का मतलब यह नही था कि इस पर चर्चा होगी । मैने तो यह कहा था कि आपको स्पलीमैटरी डिमाडज पर विचार व्यक्त करने को मौका मिलेगा ।

चौधरी चान्द रामः लेकिन काल अर्टन्शन मोशन तो आज आया है ।

श्री अध्यक्षः आप तशरीफ रखिये ।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, आप एक पक्ष की बात मत करे।

श्री अध्यक्षः मेरी एश्योरैस यह नही थी कि काल अटैन्शन मोशल पर चर्चा चलेगी । (शोर) आप बैठिये मेरे पास इसका कोई जवाब नही हे । आप अपनी तरफ से चाहे कोई अर्थ निकाले लेकिन मेरे कहने का अभिप्राय यह था कि आपको सप्लीमैटरी डिमाडज पर बोलने का मौका मिलेगा ।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, मै बड़े सम्मान के साथ कह राह हूं ।

श्री अध्यक्षः ये जो कुछ मेरी आज्ञा के बिना कह रहे है रिकार्ड न किया जाए ।

चौधरी चान्द रामः स्पकीर साहब, इस पर आध घंटा चर्चा हो सकती है अगर आप अलाउ कर दे तो ।

श्री अध्यक्षः कोई अवश्यकता नही है ।

कार्य मन्त्रणा समिति का द्वितीय प्रतिवेदन

श्री अध्यक्षः बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिग मे जो कार्याक्रम निश्चित हुआ है, वह मै आपको सामने प्रस्तुत करता हूं ।

समिति की बैठक मंगलवार , 13 नवम्बर,1973 को 11 बजे अग्र–मध्याहन अध्यक्ष महोदय के चैम्बर मे हुई ।

''कुछ चर्चा के पश्चात समिति ने सिफारिश की कि 14,15 तथा 16 नवम्बर, 1973 को निम्नलिखित रूप मे कार्य किया जाएः–

14 नवम्बर, 1974

1. प्रश्नोतर काल।

2. कार्य मंत्रणा समिति के द्वितीय प्रतिवेदन का पेश किया जाना तथा अंगीकार किया जाना ।

3. अनुपूरक अनुमान (प्रथम किस्त) 1973–74 पर विनियोग विधेयक ।

4. हरियाणाभूमि –जोत कर (संशोधन) विधेयक, 1973 (अध्यादेश के निरनुमोदन के सकल्प के साथ)

5. पजांब गन्ना (अय तथा प्रदाय का विनियमन) हरियाणा संशोधन विधेयक, 1973 ।

6. पजांब मनोरंजन कर (सिनेमाटोग्राफ प्रदर्शन) हरियाणा संशोधन विधेयकए1973 ।

7. हरियाणा खनिज (अधिकारी–निधान) विधेयक, 1973

8. पंजाब भू–राजस्व (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 1973

15 नवम्बर, 1973

1. प्रश्नोतर काल ।

2. प्रस्ताव

(1) '' कि हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड द्वारा 31 दिसम्बर 1972 तक लिए गए ऋण दर्शाने वाला वितरण, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड का वार्षिक वित–विवरण (बजट अनुमान)ए1972–73 तथा (संशोधित अनुमान), 1971–72 तथा हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड कै लेखो का चतुर्थ वार्षिक विवरण, 1970–71 जो 6 मार्च, 1973 को विधान सभा की मेज पर रखे गये थे,पर चर्चा की जाए ।'' (जिसकी सूचना श्री फूल चन्द(मुलाना), एम0एल0ए0 द्वारा दी गई)

(II) '' कि हरियाणा राज्य बिलो बोर्ड के वर्ष 1971–72 के वार्षिक प्रशासन प्रतिवेदन पर, जो 12 नवम्बर 1973 को सदन की मेज पर रखा गया था, चर्चा की जाए। '' (जिसकी सूचनांए सर्वश्री सत राम दास बत्रा, जगजीत ंसिंह तथा औमप्रकाश गर्ग, म0एल0ए0 द्वारा दी गई)

(III) '' कि हरियाणा वित–निगम के वर्ष 1972–73 के वार्षिक प्रतिवेदन तथा लेखो पर चर्चा की जाए।'' (जिसकी

सूचनांए सर्वश्री सत राम दास बत्रा, जगजीत ंसिंह तथा औमप्रकाश गर्ग, म0एल0ए0 द्धारा दी गई)

16 नवम्बर 1973

1. प्रश्नोतर काल ।

2. सभा के अनिश्चित काल के लिए सिगन के सम्बन्ध मे नियम 16 के अधीन प्रस्ताव ।

3. विधान कार्य ।

हरियाणा नहर तथा जल–निकास विधेयक, 1973।

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, मैने चार रैजोल्यूशंज का नोटिस दिया था जो ऐडमिट हो चुके है ....

श्री अध्यक्षः मैने बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट पढ कर सुना दी है ।

Home Minister (Shri K.L Powal): Sir I beg to move-

That this House agrees with the revommedation contained in the Second Report of the Buisiness Adviosry Committee-

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि यह सदन कार्य मंत्रणा समिति के द्वितीय प्रतिवेदन मे दी गई सिफारिशे स्वीकार करता है ।

श्री अध्यक्षः प्रशन यह है ––

कि यह सदन कार्य मंत्रणा समिति के द्वितीय प्रतिवेदन मे दी गई सिफारिशे स्वीकार करता है ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

दी हरियाणा ऐप्रोप्रिएशन (न0 3) बिल, 1973

Fin ance Minister (Shri Ram Saran Chand Mital): Sir, I beg to introduce to Haryana Apporiation (No. 3) Bill, [हरियाणा विनियोग (स0 3) विधेयक] 1973

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Approopriation (No. 3) Bill, [हरियाणा विनियोग (स0 3) विधेयक] be taken into consideration at once.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ––

कि हरियाणा विनियोग (सख्या 3) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

चौधरी राम लाल वधवा (करनाल): स्पीकर साहब, हाउस ने कल जो डिमांडज पास की है उसका ऐप्रोप्रिएशन बिल हमारे विचारधीन हे । यह बिल तो यहां पर पास होना ही है क्योंकि

सरकार को खर्चे के लिये स्वीकृति जो देनी है लेकिन मै कुछ बाते सरकार के ध्यान मे लाना चाहता हूं । जिन आइटम्ज के बारे मे यह खर्चा मजूंर किया गया जैसे कि डिमांडज मे जो पहली मद्द थी वह हरिजनों के बारे मे थी जिसमे उनके लिये मकान बनाने के लिये खर्च की मंजूरी मांगी गई है लेकिन दूसरी तरफ हरिजनो को कई जगहो से उखाड़ा जा रहा है जैसे कि अभी काल अटैशन मोशन मे बात आई थी । तो इस तरीके से एक तरफ तो सरकार उनको बसाने के लिए खर्चा कर रही है और दूसरी तरफ उन्हे उखाड़ा जा रहा है । तो हम इनकी किस बात को ठीक माने । वैसे तो सरकार बड़े बड़े वायदे करती है लेकिन मै इतना ही कहूंगा कि ––

जो तू कहे शिकायत का जिअ कम करदे,

मगर यकीं तेरे वायदे पर ला नही सकते ।

स्पीकर साहब, सरकार बडे बडे दावे बांधती है । जिस वक्त हम सरकार की स्कीमे पढते है, हमारे पास घरों मे किताबें छप कर पहुचती हे तो ऐसा लगता है कि हरियाणा के अन्दर स्वर्ग बनने वाला है लेकिन यह कागजी कार्यवाही ही है । मै कहता हूं कि क्यो सरकार प्रचार पर इतना पैसा लगा रही है । सरकार कहती है कि हमने ये–ये वायदे पूरे किये है। यह कहा गया कि हरियाणा मे हमने गांव गांव के अन्दर बिजली पहुचाई है लेकिन उस बिजली का हशर भी इस तरह है । बिजली खेतो के लिए पूरी

नही मिलती हैए कारखानो के लिए पूरी नही मिलती है तो कहने का मतलब यह है कि हरियाणा के अन्दर स्कीमे कागजो के उपर बना कर ही जाहिर की जा रही है कि हरियाणा तरक्की कर रहा है और रूपया मांगा जा रहा है लेनि मै इस सरकार से एक बात कहना चाहता हूं कि सारे हिन्दुस्तान के अन्दर शायद यही एक स्टेट हे जिसके अन्दर इस प्रान्त का हर वर्ग दुखी है जिसने प्रान्त मे खड़े होकर ऐजीटेशंन की है । अगर यह स्टेट प्रगति वाली स्टेट है और इसकी इतनी अच्छी स्कीमे है जो लोगो की बेहतरी के लिये है, चाहे वह स्कीम इरीगेशन की हो,चाहे इंडस्ट्री की हो तो यहां पर ऐजीटेशन न होती । हरियाणा के अन्दर टीचर्ज की स्ट्राइक हुई, लेबरर्ज की स्ट्राइक हुई किसानो और व्यापारियो ने यहां संघर्ष किया और अब हरिजन जिनको 26 साल लारे मे रखा वे भी संघर्ष कर रहे है । अभी अभी बताया गया कि अगर सैट्रल गवर्नमैट रूपया देगी तो हरिजनो को आबाद करने के लिए वह खर्चा जाएगा वरना स्टेट गवर्नमैट रूपया देगी तो हरिजनो को आबाद करने के लिए वह खर्चा जाएगा वरना सैट्रल गवर्नमैट जो है वह तो हरियाणा के अन्दर रहने वाले हरिजनो को जानवरों से भी ज्यादा बदतर समझती है । (इस समय उपाध्यक्षा पदासीन हुई है) तो इस का यह परिणाम हो रहा है कि जहां हजारो की तादाद मे यहा किसानेा ने ऐजीटेशन की वहां हरिजन भी आज भी ऐजीटेशन कर रहे है । यह है एक मोटी सी तसवीर इस हरियाणा प्रान्त की उन्नति की । सारे देश के अन्दर केवल यही एक ऐसा सूबा है जिस का कोई भी वर्ग यहां पर सुखी नही है । मै इतना

ही कह सकता हे कि ''इन्सान इन्सान के होते हुए इन्सान का हशर देखा नही जाता,मगर देख रहा हूँ''

कृषि मंत्री (चौधरी भजन लाल): यह जनसंघ वाले सभी एक ही भाषा बोलते है । ..(शोर)...

चौधरी राम लाल वधवा: आप इस तरह कह कर आंखो पर पट्टी बाधने वाली बात न करे, जो कुछ मै कह रहा हूं वह हम देख रहे है । तो मै निवेदन कर रहा था कि यह मदद जो हरिजनो के मकानो के लिए है,जिस मे सैटर से आए हुए रूपए से यह हरिजनो की बहबूदी करने जा रहे है, इस के बारे मे मै इतना ही कह सकता हूं कि यह सब कुछ ऐसे किया जा रहा है जैसे सरकार हातिमताई की कब्र पर लात लगाने लगी हो । गो इस बात का इस ऐप्रोप्रिएशन बिल के साथ संबध नही है लेकिन इस की पृष्ठभूमि मे मै यह कहना चाहता हूं कि आज हरियाणा के अन्दर हरिजनो को,यह सरकार सोची समझरी पालिसी के साथ उजाड़ने पर तुली हुई है ।डिप्टी सपीकर साहिबा,इरीगेशन के लिए जो रूपया मांगा गया है मै अपनी सरकार से पूछना चाहता हूं कि उस का क्या फायदा होगा ?सरकार जो इतना रूपया लगा रही है लिफ्ट इरीगेशन पर और दूसरी पानी देने की स्कीमो पर,उस सब का क्या फायदा होगा अगर किसान खुशहाल नही होगा? हमारे पड़ोसी सूबा पजांब के चीफ मिनिस्टर ने सैटर से इस बात की मांग की जब ऐग्रीकलचर कमीशन की यह रिपोर्ट है कि किसान को गेंहू 110 रूपए प्रति क्विटल कौस्ट करती है तो उस से 76

रूपए के भाव से नही खरीदी जानी चाहिए, उस का रेट 110 रूपए कि्वटल के ज्यादा होना चाहिए। इसी तरह दूसरी स्टेट्स ने भी वही मांग की लेकिन कितनी हैरानी की बात है हमारी सरकार ने इस के बारे मे कोई आवाज नही उठाई। हमारा हरियाणा प्रानत चूंकि देश के अन्दर कृषि प्रधान सूबा है इसलिए हमारी सरकार को सब से पहले आवाज उठानी चाहिए थी कि जब किसान को खुद को 110 रू0 कि्वटल गेंहू कौस्ट करता है तो सैंटर सरकार को गदंम का रेट ज्यादा मुकरर्र करना चाहिए । हमारी सरकार ने आवाज उठानी तो एक तरफ रही,डिप्टी स्पीकर साहिबा बजाए इस के कि हमारे चीफ मिनिस्टर साहिब सैटर का इस बात के लिए मजबूर करते कि गेंहू का रेट बढना चाहिए ताकि किसानो मे खुशहाली हो इन्होने उलटा हरियाणा मे जिन किसानो ने आवाज उठाई उन को दबाने के लिये उन पर जगह–जगह लाठियां बरसाई और उनको जेलो मे ठोंस दिया गया और उनको दबाने के लिए तरह तरह के तरीके अपनाए गए और अब यहां कहा जाता हे कि हरियाणा बहुत तरक्की कर रहा है । लेकिन हकीकत यह है कि इतने सालों मे हरियाणा कोई तरक्की नही कर सका । इस का सबूत यह खुाद अपनी जबानी देते है ,जब हम इन को कहते है कि फला फला सड़क बननी चाहिए, स्कूल खुलना चाहिए, थर्मल प्लांट लगाने के बारे मे पुछो तो वजीर साहिब उठ कर जवाब देते है कि फण्ड्ज की कमी है । इन के अपने दिए गए जवाब के अनुसार जब हम यह कहते है कि कोई तरक्की का काम नही होरहा तो फिर यह कहना शरू कर देते है कि हम ने यह स्कीम बनाई है, हम ने

वह स्कीम बनाई है और इतनी स्कीमे इकटठी कर देते है कि शायद सरकार उन स्कीमो के बोझ के नीचे दब कर मर जाएगी और वह स्कीमे ज्यो की त्यों फाइलो मे ही रह जाएगी ।

इनडस्ट्री मद् के अन्दर, रूरल ऐम्पलायमैंट के लिये और सैन्सिज के लिए कुछ रूपया मांगा जा रहा है, यह रूपया भी सैटर से आया है। उपाध्यक्ष महोदया, हमारा हरियाणा या तो जरायत पर निर्भर करता है और या इनडस्ट्री पर निर्भर है । इन क्षे़त्रो मे अगर सरकार ठीक तरीके से लोगो की सहायता करती, लोगो को ग्रांट्स ओर सबसिडीज वर्गरा और रामैटीरियल बगैरा पूरा मुहैया करती तो आज हरियाणा सारे देश के अन्दर बहुत ज्यादा प्रगति कर गया होता । जहां तक सैन्सिज का ताल्लुक है, आज हमारे हरियाणा का बने हुए सात साल हो गए है लेकिन सरकार अभी तक सैन्सिज भी नही करवा सकी कि हमे कितना रा–मैटिरियल चाहिए । आज हम देख रहे है कि हरियाणा की इंडस्ट्री सप्लाई कराने मे नाकामयाब रही है । जो ऐक्चुअल मैनुफैक्चरज है उनको कोई रा–मैटिरियल नही मिलता चाहे वह टाटा का स्टील हो और चाहे यार्न हो । रा–मैटिरियल जितना भी है, यह कहते हे कि स्माल स्केल इन्डस्ट्रिय कार्पोरेशन के माध्यम से बांटा जाएगा ओर वहा पर इतनी धाधली मची हुई है जिस का कि वर्णन नही किया जा सकता । इस का नतीजा यह हो रहा है कि हरियाणा मे कोई भी इन्डस्ट्री पूर्ण रूप से चल नही सकती । मै आप के द्धारा इन्डस्ट्री मिनिस्टर साहब से प्रार्थना करूगां कि वे

एक कमीशन बना कर स्माल स्केल इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन की जो रा–मैटिरियल सप्लाई करती हैए इन्कवायरी करवाए ताकि वहा पर जो जो इरैगुलैरिटीज हो रही है उन को दूर किया जा सके । वहां पर जो अफिसज बना रखे है उनको किसी को भी इस बात का पता नही कि किस किस्म का रा–मैटिरियल किस इन्डस्ट्री को चाहिए,और वे लोग अफसरशाही बना कर बैठे हुए है । उन के पास जब कोई आर्डर भी जाता है तो वे उस की कम्पलायस नही करते ं। छःछः महीने उन के पास लोगो के केसिज पैडिग पडे रहते है ।ऐसे केसिज मेरे नोटिस मे है जिन का रूपया उन के पास साल साल जमा रहा कर वह रूपया वापिस लेना पड़ा । आज चाहे कोई ऐग्रीकल्चरल इम्पलीमैटस बनाता हैएचाहे इलैक्ट्रिक है और उनकी कितनी – कितनी डिमांड है और किस प्रकार का सरकार उन को रा–मैटिरियल दे सकती है क्योकि उन के उपर पाबंदी लगी हुई है और कोई भी ऐस प्राईवेट साधन नही है जहां से उनको कंट्रोल रेट पर रा–मैटीरियल मिल सके । अगर उस कार्पोरेशन की इन्क्वायरी करवाई जाए तो ऐसे ऐसे केसिज आप के नोटिस मे आएंगे जिन्होने इन्डस्ट्रीज के बोर्ड तो लगा रखे है लेकिन न उन के पास कोई मशीन है और न ही वे कुछ मैनुफैक्चर ही करते है लेकिन उनको रा–मैटिरियल के काटे मिलते है जिस की ब्लैक करके वे लोग लाखोपति बने बैठे है । इस के मुकाबले जो ऐक्चअल मैनुफैकरर्च है उनको कोई कोटा नही मिलता ओर वे ब्लैक मार्किट मे रा–मैटीरियल खरीद कर काम करते है और उनको घाटे के अन्दर जा कर काम करना पड़ता है

इसलिए सरकार को इन सब बातो की तरफ ध्यान देना चाहिए । जब कोई इंडस्ट्री लगती है जो उस की योजना होती है ओर सरकार भी उनको यह इन्सैन्टिव देती है कि अगर कोई फसां किस्म की इन्डस्ट्री लगाएगा तो सरकार उस को इतनी ग्रांट देगी और इतना रूपया कर्जा देगी । लेकिन मै पूछना चाहता हूं कि उस कर्जे को या ग्रांट को देने के लिए कितना समय लगता है और उतने समय तक क्या कोई इन्डस्ट्री को चला भी सकता है ? सरकार को चाहिए कि जो सहूलियात देनी हो वे जल्दी से जल्दी देने की कोशिश किया करे ताकि हरियाणा मे इन्डस्ट्री का विकास हो सके । मै यह अर्ज करना चाहता हूं कि आज हरियाणा की इंडस्ट्री तीन बातो से सफर कर रही है, एक तो है रा–मैटीरियल की कम सप्लाई ।

उपाध्यक्षाः वधवा साहब, आप को दस मिनट बोलते हुए हो गए है, आप और कितना टाईम लेगे ?

चौधरी राम लाल वधवाः डिप्टी स्पीकर साहिबा, मै जल्दी ही खत्म कर दूंगा। तीन बाते है जिन से इन्डस्ट्री सफर कर रही है और वे मै सरकार के ध्यान मे लाना चाहता हूं । एक तो रा–मैटिरियल की सप्लाई पूरी होनी चाहिए दूसरे यह जो बिजली सकंट है जिससे इन्डस्ट्री तबाह हो रही है इसे दूर किया जाना चाहिये और तीसरे इन्डस्ट्रीज डिपार्टमैंट की नाअहलियत की वहज से जो इन्डस्ट्री को नुकसान हो रहा है इस को बंदोबस्त किया जाना चाहिऐ । आज हालत यह है कि जो ऐक्चुअल यूजर्ज है और

जिन्हौने छोटी छोटी इन्डस्ट्रीज लगा रखी है उननको रा–मैटिरियल नही मिलता है ओर इस वजह से ही इन्डस्ट्रियल डिवैल्मैंट उतनी नही हो रही है जितनी होनी चाहिये और हो सकती है । आज अगर इस बात की जांच की जाये कि हरियाणा मे जो इन्डस्ट्रीज लगी है उनके पास एक–एक के पास कितनी–कितनी मशीने है, कितनी उन की प्रोडक्शन की कैपेसिटी है और कितनी उन मे प्रोडक्शन होती है तो पता लगेगा कि ऐसे–ऐसे लोग बैठे है जिन्होने दो–दो मशीने लगा रखी है और दो–दो सै टन का कोटा ले रहे है लेकिन दूसरी तरफ ऐस ऐसे लोग है जिन्होने दस दस मशीने लगाई हुई है मगर उनको पचास टन का कोटा ही मिलता है और वे लोग अपनी कैपसिटी के मुताबिक काम उससे चला नही सकते है ।इसलिये इस बात की पूरी सैसिज की जाये कि किस के पास कितनी मशीने है और उसे कितने रा–मैटिरियल का जरूरत है और उसके मुताबिक ऐक्चुअल यूजर को उनकी कैपेसिटी के मुताबिक कोटा मिलना चाहिये । हरियाणा मे इन्डस्ट्रीज की डिवैल्पमैंट के लिए जरूरी हे कि सरकार इस बात की तरफ फौरी तौर पर ध्यान दे । लेकिन हालात यह है जैसे कि इस शेर मे अर्ज करता हूं:–

हमने मान कि तगाफल न करोगे लेकिन,

खाक ही जायेगे हम तुम को खबर होने तक ।

तो मै कहना चाहता हूं कि सरकार दायदे तो बहुत करती है लेकिन जब तक यह सरकार कोई कदम उठायेगी इन्डस्ट्रीऔर एग्रीकल्चर तबाह हो कर रह जायेंगे । इसलिये इस तरफ फौरी कदम उठाने की जरूरत है इसके साथ ही ऐजुकेटिड अनऐम्पलायमैट और रूरल अनऐम्पलामैट को दूर करने के लिये भी सरकार ने मांग रखी है और कहा है जो इस बारे मे स्कीमे है वे हम ने गवर्नमैट आफ इन्डिया को भेजी हुई हे । अच्छा होता अगर वे स्कीमे हमारे सामने विधानसभा मे भी आती ताकि हम उन को देख लेते कि सरकार जो स्कीमे बना रही है उन से कैसे और कितनी ऐजुकेटिड और रूरल अनऐम्पलायमैंट दूर होगी और उनके बारे मे हम भी अपने सुझाव सरकार के सामने रखते । पिछले सात साल के फिगर्ज तो यह बताते हे कि सरकार इस बारे मे अब तक कुछ कर नही सकी है । आज भी सैटर से पैसा आ रहा है तो ये स्कीमे हमारे सामने आ रही है और उनके लिये पैसे की मंजूरी ली जारही है मै इस बारे मे सरकार से कहना चाहता हूं कि हरियाणा मे एग्रीकल्चरल इम्पलीमैट्स बनाने और इलैक्ट्रिकल गुड्ज बनाने की ट्रेनिग दी जानी चाहिये और इस के लिए रूरल एरियाज मे ट्रेनिग सैटर्ज खोले जाये । ऐसा करने मे हरियाणा के किसानो को सब से ज्यादा फायदा हो सकता है । हमारे प्रांत की ज्यादा आबादी जरायती लोगो की है । आज उनकी जमीने लैड सीलिंग ऐक्ट के तहत और कम कर दी गई है । एक तरफ तो उनकी जमीन कम कर दी गई है दूसरी तरफ किसानो के परिवार बढ रहे है । तीस एकड़ के किसान के पांच बच्चे है तो एक एक के हिस्सा

मे छः एकड़ जमीन आती है । खेती कम हो गई है और उन के बच्चों मे अनऐम्पलायमैंट आ रही है । इसलिये मै अर्ज करता हूं कि अगर सरकार इस अनऐम्पलायमैंट को दूर करना चाहती है तो सरकार हर 10/15 गांव के अन्दर ऐसे ट्रेनिग सैटर्ज खोले जहां पर इलैक्ट्रिकल और एग्रीकल्चरल इम्पलीमैटस बनाने की ट्रेनिग दी जाये ताकि लोग अपनी छोटी छोटी मशीने लगा कर छोटी मोटी चीजे बनाये और फिर उन पार्टस को शहरो मे ला कर उनको वंहा जोड़ कर चीजे तैयार की जाये । इससे लोगो को ऐम्पलायमैट मिलेगी । फिर यहां जिकर किया गया है कि हैडक्वार्टर पर एक सैल कायम करने की कोशिश की जा रही है । इस बारे मे मै यह कहना चाहता हूं कि यह सैल 9 बजे से 5 बजे तक बैठगी और फाइलो पर नोट पुट अप करने का काम करती रहेगी और मसला वैसे का वैसा ही रहेगा । मै यह कहना चाहता हूं कि इस सैल म एक कमेटी उन लोगो की बनाकर रखी जाये जो इन्डस्ट्री से ताल्लुक रखते हो ताकि सुचारू रूप से काम चल सके (घंटी) इसके साथ ही मै एक बात और कहना चाहता हूं जिसका कल बहुत सारे मैबर साहिबान ने जिकर भी किया था लेकिन मै उसे दोहराना नही चाहता मगर मै यह कहना चाहता हूं कि आज टूरिजम पर जितना रूपया खर्च किया जा रहा है वह इस लिये किया जा रहा है कि बाहर से लोग आये, यहां आकर सैर किया जा रहा है और झीलो पर जशन मना कर चले जायें लेकिन इस मद्द मे एक बात का जिकर आया है जिसके बारे मे कल भी काफी यहां पर जिकर किया गया । हमे हैरानी हो रही है कि हम बाहर

के लोगो को हरियाणा मे सैर के लिये आने के लिए इनवाइट करते है लेकिन खुद बाहर जाकर मसंरी मे रैस्ट हाउस खरीदने की बाते कर रहे है । यू0पी0 के अन्दर राजधानी मे अगर मीटिग्ज बगैरा अटैड करने के लिये जाना हो तो ठीक है वहां रैस्ट हाउस हो सकता है लेकिन मै पूछना चाहता हूं कि मसूंरी मे रैस्ट हाउस किस लिये खरीदा जा रहा है और वहां पर यह इतना रूपया क्यो वेस्ट किया जा रहा है । वहा इसकी क्या जरूरत है ? यह पैसा इस तरह से वेस्ट करने की बजाये सड़को पर लगाया जा सकता है और दूसरे जो बहबूदी के काम है उन पर जन भलाई के लिये खर्च किया जा सकता है (घंटी) । मै अभी खत्म किये देता हूं । मै एक बात और अर्ज करना चाहता हूं । इसके अन्दर जुडिशियल मैजिसट्रेट और डी0सीज0 को अकमोडेशन प्रोवाइड करने के लिये रूपया मांगा गया है । मै सरकार से कहना चाहता हूं कि भिवानी और हिसार के अलावा और जिले भी है जहां पर अकमोडेशन नही है आप देखे कुरूक्षेत्र का जिला बना है लेकिन वहां का जुडीशियल मैजिस्ट्रेट करनाल मे ही बैठा है । कहा गया कि यह जो जिला बनाया है यह लोगो के फायदा के लिये बनाया गया है और लोगो को सहूलियते देने के लिये बनाया गया है लेकिन हालात यह है कि कोर्टस करनाल मे बैठी है और लोग कुरूक्षेत्र मे बैठे है । तो मै अर्ज करता हूं कि जहा यह बात भिवानी के लिये की जा रही है वंहा यह चीज कुरूक्षेत्र मे भी की जाये। (घंटी) तो इन बातो के साथ मै सरकार से कहूगा कि यह ठीक है कि सदन मे आपका बहुमत है इसलिये यह बिल पास हो जायेगा लेकिन मै

सरकार से कहूंगा कि जो वायदे आप लोगो के साथ करते है ओर किये हुये है उनको इस बिल के जरिये पूरा करने के लिये काम करे । इन शब्दो के साथ मे अपना स्थान लेता हूं ।

चौधरी मेहर चन्द(बड़ोपल): डिप्टी स्पीकर साहिबा, आज सदन मे ऐप्रोप्रिएशन बिल पर बहस हो रही है और मै भी इस पर अपने विचार प्रकट करना चाहता हूं । इस बिल मे जो प्रोविजन रखे गये है वह ज्यादातर डिवैल्पमैट वर्कस के लिये रखे गये है लेकिन मेरे इन भाईयो ने इस बात को कतन इनगोर कर दिया है और नुक्ताचीनी करते वक्त इस बात की तरफ कोई ध्यान नही दिया । मै मानता हूं कि अपोजीशन को नुक्ताचीनी करने का हक है और नुक्ताचीनी होनी चाहिये ताकि गवर्नमैट को अपनी जगह पर रखा जाये लेकिन नुक्ताचीनी ठीक ढंग की और कंस्ट्रक्टिव होनी चाहिए । नुक्ताचीनी करने का मतलब यह नही कि जो काम सरकार अच्छे करती है और कर रही है उनको भी नुक्ताचीनीकी जाये और ऐसी नुक्ताचीनीसही नुक्ताचीनीनही रहती और उसमे कोई वजन नही रहता । (विध्न) डिप्टी सपीकर साहिबा, आप इन भाईयो से कहे कि जार खामोश रहे और सबर से सुने । मुझे इनकी इस बात से मजबूर कर दिया है कि मै एक शेर कह दूं । मै अर्ज करता हूं :—

बातिल से डरने वाले आसमान नही हम,

सौ बार कर चुका है तू इम्तिहान हमार ।

आप क्या बाते करते है ? हमारे सामने आपके दयाल और लाल आ लिये और वे हम ने देख लिये हम क्या समझते है आपको ? मै शेर कहता हूं :–

दयाल और लाल सब आजमा चुके है सयासी मैदान हमारा,

कोई और भी आउगा के देख ले नगे जनू हमारा ।

हम आपके बाजू आजमा चुके है आप क्या बात करते है ? (विध्न) मेरा मतलब आपके दयाल और लाल से है हमारे लाल की क्या बात हमार लाल तो जवाहर है ।...

Deputy Sperker: I would request the Hon, Member to please address the Chair,

Chaudhri Mehar Chand: I am addressing you. But , kindly stop him. He Should not interfere.

Deputy Speaker: I will not allow that.

चौधरी मेहर चन्द: कल यहा पर जिकर आया कि इस बिल के अन्दर जो रूपया मांगा गया है वह कही मंसूरी की तरफ चला गया लेकिन इन दोस्तो ने यह नही सोचा कि इसके अन्दर बेशतर रकम जो रखी गई है । जहां तक स्टेट की डिवैल्पमैंट का ताल्लुक है, इरीगेशन का होना, नहरो का बनना बहुत जरूरी चीज है । मै यह कहने के लिए तैयार हूं कि पानी के लिए जो भी रास्ते अपनाये जा रहे है स्टेट मे डिवैल्पमैंट करने के लिये, नहरो

कोपैरिनियल करने के लिए सारे हिन्दुस्तान मे नही है । इससे बेहतरीन रास्ते और कोई नही हो सकते, हमे इनकी कदर होनी चाहिए । यह कहना कि नहरो से कोई डिवैल्पमैट नही हुईए गलत बात है । कोई इन हिस्सो को चेलेज तो करे जो सरकार ने पेश किये है ? ये इन हिस्सो को चैलेंज करते ही नही और यू ही कर देते है कि डिवैल्पमैंट नही हुई । डिपटी स्पीकर साहिबा, क्या कभी इन मेहरबानो ने, इन नुक्ताचीनो ने देखा हे कि 1968 से लेकर आज तक हरियाणा मे इरीगेटिड एरिया कितना है, और कितना इजाफा हुआ है ? मेरे ख्याल मे मै तो यहां तक कह सकता हूं कि सिर्फ इसी प्वायंट के उपर गवर्नमैट को जितनी दाद दी जाए उतीन की कम है । जिस दिन से यह सरकार पावर मे आई है उस दिन से 13 से 14 लाख एकड़ जमीन का इरीगेशन मे इजाफा हुआ है मेरे ये भाई इस बात को क्यों भूल गए है ? मेरे एक मोहररिम दोस्त ने एक बात का जिक्र किया, मै उनकी कदर करता हूं कि उनकी तरफ से किटिसीजम हुआ, लेकिन मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि उन्होने आगमैटेशन कैनाल के बारे मे कितनी दफा कहा? वे बड़े पुराने पालियामैटेरियन है, बड़ी बडी पोस्टो पर रह चुके है और सारे हरियाणा को डेस्टिनी को गाईड करने की बात करते है । मै उन से पूछना चाहता हूं कि अगर आगमैटेशन कैनाल न बनाई जाती तो जुई कैनाल पैरिनियल कैनाल कैसे बनती है ? हमे कोई तो साधन बतांए जो पानी की कमी को पूरा करते ? क्या हम आगमैटेशन कैनाल को छोड कर आसमान से पानी लाते ? आज हरियाणा के चारो तरफ

ऐसे भाई बैठे हुए है जो हरियाणा की ज्यादा तरक्की नही देखना चाहते । मै यह दावे से कहने के लिए तैयार हूं कि वे हरियाणा की तरक्की देखना नही चाहते क्यो कि वे इतने लिबरल नही है । इसलिए हमे पानी पैदा करने के लिए साधन अपनाने पड़ेगें। अगर अंडर ग्राउड वाटर को ऐक्सपलायट न किया जाता तो आज तो तरक्की हो रही है यह कैसे होती ? यह गलत बात है जो ये कह रहे हे कि रूपया बरबाद किया जा रहा है । मुझे इस बात का अफसोस है कि चौधरी हरद्धारी लाल जी इस वक्त हाउस मे नही है, अगर वे होते तो मै एक ही शब्द मे उन के पैम्फलैट, उनकी बुकलैट का जवाब दे देता लेकिन मै अब भी दूंगा मै जानता हूं कि इस हाउस की सारी बाते पहचेगा । हम पैम्फ्लैट और बुकलैट से डरने वाले नही है ं मै उनके मुताल्लिक कोई गिला नही करता, मुझे यह भी गिला नही कि उनकी रूलिग पार्टी परवाह करती है या नही करती .....(व्यवधान)

चौधरी दल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहिबा, सह जो फरमा रहे है , यह कौन से बिल पर बोर रहे है .....(व्यवधान)

चौधरी मेहर चन्दः डिप्टी स्पीकर साहिबा, मै आपकी मारफत इनकी बात का जवाब देना चाहता हूं । इन्होने बिल का नाम पूछा है मै बोल रहा हू। डिवेल्पमैट फेज के उपर जिस का चौधरी हरद्धारी लाल ने अपनी बुक –लैट मे जिक्र किया है कि हरियाणा मे कोई डिवैल्पमैट नही हुई है वे अपने सीने पर हाथ रख कर कहे कि डिवैल्पमैट हुई है या नही .....(व्यवधान)

दल सिंह जी, जो इनकी हिमायत के लिए खड़े हो गएए आप एक ही बता लिख कर ले जाइए ,अगर लिखना नही आता तो मै लिख कर दे दूंगा और उनको बता दे कि ———

नही शिकवा हमे कुछ बेवफाई का तेरी हरगिज,

गिला तब हो अगर तूने किसी से भी निभाई हो।

एक सदस्यः यह आपके उपर लागू होता है ..... (व्यवधान)

चौधरी मेहर चन्दः यह मेरे पर लागू नही होता,यह कहना कि इनकी जेब मे है,यह हंड्रैड परसैट आप के उपर अप्लाई करता है.....(व्यवधान) हम गीदड़ नही है जो यू अी डरा लेगे इन धमकियों से कोई नही डरता । .....(व्यवधान) (शोर) ये जनसंघ वाले तो अकालियो की जेब मे है । अगर हरियाणा का सबसे बडा दुशमन है तो वह जनसंघ हे जो अकालियो की जेब मे होती है । अकालियो की जेब मे रहने से हरियाणा नही पनप पायेगा और ये हरियाणा की बदनामी करने वाले है । जनसंघ कहता है कि इंडस्ट्रीज के कोटे खाये है, कोर्ट तो आपने खाये है जिस वक्त राव विरेन्द्र सिंह की गवर्नमैट थी । वह दिन की बदनसीब था जिस दिन राव साहब ने जनसंघ के साथ अलायंस की थी । आप कोर्ट का जिक करते है, उस वक्त सारा कोटा तो आप हड़प गये,सारे हरियाणा को खा गए....

चौधरी फूल चन्द (रोहट): आन ए प्वायंट आफ आर्डर । इन्होंने कहा है कि जनसंघ सारे हरियाणा को खा गया लेकिन यहा तो दो चोर मौके के बैठे है .....(हंसी)

Deputy Speaker: I will request the Hon'ble Member that he should address the Chari and not the Members.

Chaudhri Mehar Chand: I will be jolly glad.I am looking towardas you, madam. डिप्टी स्पीकर साहिबा, चौधरी चान्द राम जी ने कल कहा था, मै नाम नही लेना चाहता लेकिन यहां पर अक्सर नाम लिया जाते है । मै नाम नही लेना चाहता था,मैन रूल्ज का पालन करना सीखा है, सारी उम्र सर्विस मे रहा। मै रूल्ज की पाबन्दी से बाहर इस लिए जाता हूं क्योकि कुछ मैम्बर मुझे इस पाबन्दी से बाहर जाने के लिए मजबूर कर देते है और इसके इलावा मे किसी से डर के चल नही सकता,यह मरी खसलत है । कल चौधरी चान्द राम ने एक अजीब सी बात कही कि हरियाणा मे ट्रेक्टर्ज आ गए है इस लिए हरियाणा तबाह हो जाएगा,उन–ऐम्पलायमैंट हो जाएगी । डिप्टी स्पीकर साहिबा,मै आपकी मारफत उन से पूछना चाहता हूं और जब उनको हाउस मे बोलने का मौका मिले तो कम से कम मेरी बात का जवाब जरूर दें । बात यह है कि जब ऐग्रोइडस्ट्रीज करापोरेशन हरियाणा मे बनी थी उस वक्त इन्ही हजरत मे उसकी नींव रखी थी, इन्ही ने फाउडेशन ले किया था जब से वक्त ये कहते थे कि ट्रेक्टर्ज को मैनुफैक्चर किया जाए, ये इस चीज को क्यो भूल जाते है और ऐसा क्यो कहते हे कि ट्रैक्टर्ज के बनने से हरियाणा तबाह हो

जाएगा ? .....(व्यवधान) मै झोली चुकने की बात नही कहता । .....(हंसी) यह गलत बात है । बंसी लाल ने सारे हरियाणा की डिवैल्पमैंट की है और ये अपने आपको बंसी लाल से कम्पेयर करते है ? जो अच्छे काम किये है उन को कंडैम करना शरू कर दिया ।

एक सदस्यः चौधरी चान्द राम जी आ गए है .....(व्यवधान)

चौधरी मेहर चन्दः मै जनसंघ वालो के बारे मे झोली चुक वाली बात कह देता हूं । एक शेयर और याद आ गया । राम लाल जो पता नही कहा से शेयर कापी करके ले आये थे .....

उपध्यक्षाः आपका टाईम जा रहा है शेयरो पर मत जांए. .....(व्यवधान)

चौधरी मेहर चन्दः यह जो कहते है कि कोर्ट खा गए, इस के बारे मे कहना चाहता हूं । ये पता नही क्या क्या हड़प कर गए ? इन जनसंघी भाइयो का नजरिया तो यह है डिप्टी स्पीकर साहिबा कि––

जिन्दगी सोज रहे यह साज न हो पाए,

दिल तो टूटे मगर आवाज न हो पाए । (विध्न)

आप हमे गला घोटकर नही मार सकते हे आपका नजरिया तो ऐसा है जैसा कि मैने कहा है । जरा अपने दिल को

टटोलो । डिप्टी स्पीकर साहिब, जनसंघ की दो मूर्तिया आनरेबल मैम्बर्ज जो यहा बैठे है उनसे मे एक बता कहूगा कि

जाहिर मै तो हूब्बल बतनी की बाते ।

बातन मे है यह आराजनी की बाते ।

तुम्हारी खसलत तो यह है कि तुम्हारे सीने के अन्दर आरा लगा हुआ है । आप इस हरियाणा को काटना चाहते है लेकिन यह कटेगा नही,यह फलेगा । क्यो फलेगा फूलेगा ?इसके वास्ते मै यह बात कहता हूं कि

हम परवानो की सूरत शमाए वतन पे जलते हे ,

वतन के बलबले हमारे सीने मुजतिर मे पलते है ।

आप इसे क्या मिटाएगे ?दूसरी बात यह है कि ––

हम आफतो मे सदा मुस्करा के निकले है ,

अपनी राहे खुद बना के निकले है ।

चौधरी दल सिंहः आन ए प्वाइंट आप आर्डर डिप्टी स्पीकर साहिबा, मै यह जानना चाहता हूं कि क्या मै ... है या ..... है या ड्रामेटिक पार्टी के इन्चार्ज है? Something is there. डिप्टी स्पीकर साहिबा, हाउस की आप कई कमेटियां बनाते है एक ड्रामैटिक कमेटी बनाकर इन्हे उसका इंचार्ज बना दिया जाए । यह हमारी सुजशैन है ।

Deputy Speaker: This is no point of Order.He is speaking on deveopment of the State.

चौधरी राम लाल वधवा: डिप्टी स्पीकर साहिबा, अगर बोलकर इनके दिल को खुशी होती है तो बोलने दीजिए ।

चौधरी शिव राम वर्मा: जहां रामायण का पाठ हो रहा था वहां कोई न कोई आ ही जाता है ।

चौधरी मेहर चन्द: डिप्टी स्पीकर साहिबा, शब्द अनपालियामैटरी है जो का लफ्ज इन्होने कहा है इसे ऐक्सपंज कर दिया जाए।

चौधरी राम लाल वधवा: शब्द अनपालियामैटरी है तो प्रचार मंत्री लिख लीजिए।

उपाध्यक्षा: चौधरी दल सिंह ने जो का शब्द इस्तेमाल किया है वह ऐक्सपंज कर दिया जाए ।

चौधरी दल सिंह: मै तो स्वय ही वापस ले लेता हूं ।

श्री अमर सिंह: डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरा एक प्वायंट आप आर्डर है ओर उस पर मै आपी रूलिंग चाहता हूं । डिप्टी स्पीकर साहिबा, हरियाणा विधान सभा कोई कुतुबमीनार नही है । यहां तो ज्यादा से ज्यादा एक दो शेर कहे जा सकते है । ज्यादा शेर कहने के लिए तो ठीक रहेगा यदि कोई मुशायरा रख दिया जाए ताकि खुलोदौर चल सके ।

Deputy Speaker: Shri Amar Singh Jee, this is no point of Order. I say, this is Assembly an you should not say any thing else. (Interuption)

चौधरी मेहर चन्दः डिप्टी स्पीकर साहिबा, मै आपका बहुत शुक्रगुजार हूं कि आपने वह वाला शब्द ऐक्सपंज कर दिया ह लेकिन मै चौधरी दल सिंह जी को बताना चाहता हूं कि इन्होने तो मुझे ... शब्द प्रयोग किया है पर इन्हे पता नही कि मै क्या चीज रीकायल कर दूंगा जिसको ये सह नही सकेगे । He Should not behave is such a manner. He is a respponsible Member.

चौधरी शिव राम वर्माः ''झोली चुक'' तो इन्होने माना है,वह लिखा जाना चाहिए ।

चौधरी मेहर चन्दः मैने ऐसा नही कहा । मैने अिटिसाईज किया है । आप गलत ब्यानी भी करते है । डिप्टी स्पीकर साहिबा, इन्होने कहा कि हम इनको अपनी कैबिनेट मे मंत्री बना देगें । मै इन्हे बता देना चाहता हूं कि आप मुझे छोडकर कुछ और भी बनाए तो भी मै उस चीज को ठोकर मारता हू।

चौधरी राम लाल वधवाः अगर कभी हमारी कैबिनेट बनी तो हम तो आपको भी नही बनाएगे (विध्न)

चौधरी मेहर चन्दः हम भी नही बनाते आपको । (विध्न) डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह इनका हाउस के अन्दर क्या तरीका है ? ये खुद तो कोई बात कह सकते है लेकिन बरदाशत

नही कर सकते । जब इनको जरब और हथौड़ा लगाया जाता है तो पीटते है ।

सहकारिता एवम स्थानीय प्रशासन राज्य मंत्री (चौधरी गोवर्धन दास चौहान): मैडम, डिप्टी स्पीकर साहिबा, एक आनरेबल मैम्बर के लिए ..... शब्द इस्तेमाल करना अनपालियामैंटरी है । इस ऐक्सपंज कर दिया जाए और आयंदा एक आनरेबल मैम्ब्र के लिए यदि ऐसे लफ्ज इस्तेमाल न किए जांए तो अच्छी बात होगी ।

चौधरी राम लाल वधवा: इन्होने पहले कहा कि हम..... नही बनाएंगे ,इसलिए मैने कहा। मैने पहले नही कहा था।

चौधरी मेहर चन्द: मैने यह लफ्ज नही कहा ।आपकी ऐसा कहने की आदत है । सभी तो आप हाउस मे रेप्रिमैंड होते है (विध्न)

Deputy Speaker: The word should be xepunged from the proceddings.

चौधरी मेहर चन्द: डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप इन दोनो जनसंधियो को कह दीजिए कि ये इस तरह की बाते न किया करे। मै तो इन्हे आनरेबल मैम्ब्र कहता हूं लेकिन ये इस तरह की बाते करते है ।

चौधरी शिव राम वर्मा: डिप्टी स्पीकर साहिबा, क्या जो बाते इन्होन कही वे सब रैलेवैट कही? इतने समय मे तो दो तीन मैम्ब्र्ज और बोल सकते थे ।

चौधरी राम लाल वध्वा: क्या ये ऐप्रोप्रिएशन बिल पर बोले है ?

Deputy Speaker: Please take your seat. it is my job to see to it Chaudhri mehar Chand jee wind up your speach please.

चौधरी मेहर चन्द: डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब मै ज्यादा नही कहूगा क्योकि जनसंधियो के दिल पर काफी बोझ पड गया होगा। अब तो मै केवल एक ही बात कह कर अपनी जगह ले लूगा । वह बात भी मै इन्ही को समझाने के लिए कह रहा हूं । परमात्मा इनको अकल दे ताकि एक चीज ये मरे से लेकर जाए । वह चीज भी मै शेर मे ही कहूंगा वह है कि

तसवीरे हरियाणा हमारे दिल और जिगर मे रहे,

यह नाम हमारे तन और मन मे रहे ।

यह सबक आप मेरे से लेकर जाओ , यह नही कि यह हो गया और वह हो गया ।

चौधरी राम लाल वध्वा: इससे हम सहमत है .....(विध्न)

श्री के एन0 गुलाटी (फरीदाबाद): माननीय डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरे सामने यह ऐप्रोप्रिएशन बिल है । मै इसकी ताईद करता हूं लेकिन साथ साथ यह कहना चाहता हूं कि मै महसूस करता हूं कि इस थोड़े से चाल सात के अर्से मे हरियाणा सरकार ने जो चौधरी बंसी लाल की लीडरशिप मे काम किया है वह एक

सच्चाई है । यह कोई कहने की या खमखह की बात नहीहै । आज जंहा भी हम जाते हे लोग कहते हे कि हरियाणा मे गुलाटी साहब काम हुआ है मै कोई तारीफ की बात नही कर रहा बल्कि यह एक सच्चाई है क्यो कि

सच्चाई छुप नही सकती बनावट के असूलो से,

खुशबू आ नही सकती कागज के फूलो से ।

मै इतना कहना चाहता हूं कि जब इतना खर्च हम कर रहे है तो अगर मै अपने हल्के की डिवैल्पमैट के बारे मे यहां न बोलू तो हल्के के साथ बेवफाई होगी । एक महीना पहले चीफ मिनिस्टर साहब फरीदाबाद मे आए थे और वंहा इन्होने बडै फरख के साथ कहा था कि फरीदाबाद को तीन साल के अन्दर अन्दर मै ऐसा बना दूंगा कि तीन साल बाद देखने वाला इन्सान महसूस करेगा कि वाक्या ही कैसा फरीदाबाद बन गया है इसके बाद मुझे बोलना तो नही चाहिए लेकिन फिर भी अगर हाउस मे मै बोलू नही तो अपने इलाके से बेवफाई होगी। डिप्टी स्पीकर साहिबा, आपकी मार्फत मै अपनी हरियाणा सरकार से इतान कहना चाहता हूं कि मेरे हल्के के अन्दर 109 गांव है । जितनी तेजी से वहां काम होना चाहिए वह नही हो रहा है लकिन हुआ जरूर है इससे मै इन्कार नही करता । मै इतना चाहूंगा आपकी मार्फत कि हमारे 109 गांव है वहां पर डिवैल्पमैंट का काम तेजी से शरू किया जाये । मेरे इलाके मे पाली रोड़ है वह बाकी पडी हुई है

। पिछले साल भी इस रोड के बारे मे यह आश्वासन दिया गया था कि छ महीने मे पूरी हो जायेगी । मै यह मानता हूं कि फन्डज की कमी है लेकिन चीफ मिनिस्टर साहब ने यह एश्योरैंस दी थी कि यह जल्दी से जल्दी बनवा दी जायेगी । मै आपकी मार्फत यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार अपनी पी0डब्लू0डी0 को तेज करे, कम से कम इस सड़क का `जो कि बनानी शरू की हुई है जल्दी से पूरा किया जाये । चीफ मिनिस्टर साहब ने जो एश्योरैंस दी उसको तो पूरा करें ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, मै सदन मे वाटर और सैनिटेशन की बाबत भी जिकर करना चाहता हूं । यहां हाउस भी यह महसूस कर रहा होगा कि अभी तक फरीदाबाद के मच्छरो का जिकर नही आया ता `मै उनाक भी यहां जीकर करना चाहता हूं फरीदाबार मे जितने भी मेम्बर ओर मिनिस्टर गये है उन्होने यह महसूस कर लिया है कि वहां पर मच्छर बहुत ज्यादा है और वे मच्छर अब मोटे ही होते जा रहे है अर्थात बढते जा रहे है । इन मच्छरो को खत्म करने के लिए सीवरेज स्कीम फरीदाबाद मे बहुत जन्दी शरू की जानी चाहिए । मै आपके द्वारा अफसरान के नोटिस मे लाना चाहता हूं कि फरीदाबाद मे सीवरेज स्कीम सन 1960 मे शरू हुई थी आज 13 साल हो गये है परन्तु वह कम्पलीट नही हो पायी है । मै मानता हू कि हरियाणा सरकार बड़ो तेजी के साथ काम कर रही है उनकी नीयत भी बडी साफ है तो मै खस तौर से पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट का ध्यान इस और दिलाना चाहता

हूं कि जो कम वहां पर अधुरा छोड दिया है उसको जल्दी से पूरा किया जाये । फरीदाबाद मे वाटर स्कीम और सीवरेज स्कीम पब्लिक हैल्थ को जल्दी से जल्दी पूरी करनी चाहिऐ । यदि सरकार ऐसा कर देगी तो बडी मेहरबानी होगी ।

अभी अभी कुछ दिन हुए हमारे चीफ मिनिस्टर साहब फरीदाबाद मे गये थे उन्होने वहां कहा था कि 500 वैड्ज का हस्पताल बनना चाहिए । मै उनका बहुत मश्कूर हूं लेकिन जो सैक्टर 23 और 24 मे जगह दी हे उससे मजदूर फायदा नही उठा सकते है। मै आपकी मार्फत सरकार से विनती करना चाहता हूं कि हमारे फरीदाबाद मे गोल्फ कल्ब है जिसके पास सौ एकड के करीब जमीन है । वह जमीन कोई भी काम नही आती है । वहां पर केवल एक कमरा बना हुआ है वहां पर बडे बडे इंडस्ट्रिसलिस्टस आ कर खेलते है ओर मनोरंजन करते है उस जगह पर बहुत बड़ा हस्पताल बनाया जाना चाहिए । फरीदाबाद मे एक मैडिकल कालेज, एस0एस0सी0 तक का कालेज और एक बी0एड0 कालेज सरकार की और से बनाया जाना चाहिए । ऐसा कर देने से हरियाणा का नाम भी उंचा होगा और फरीदाबाद जो कि हरियाणा का दिल है इसमे उसकी भी शान है ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब मै आपकी मार्फत एजुकेशन के बारे मे भी कहना चाहता हूं । टाउनशिप फरीदाबाद के स्कूलो मे पांच लाख रूपया जमा हुआ हुआ है वह अभी तक खर्च नही हुआ है और पांच लाख रूपया ही फरीदाबाद कम्पलैक्स देगा जो

खर्च करना है । इसलिए यह स्कीमे जल्दी से इम्पलीमैंट की जानी चाहिए ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, एक बात और कहना चाहता हूं कि हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने बड़े ढग से नरवाना मे 11 नवम्बर,1973 को कहा है कि हम प्रोफैशनल टैक्स खत्म नही कर सकते है क्यो कि उससे हमे चालीस लाख रूपया रैवैनयू आता है मै आपको द्धारा चीफ मिनिस्टर साहब को यह सुझाव देना चाहता हूं कि चालीस लाख रूपया आप प्रोपर्टी टैक्स मे पूरा कर ले प्रोफैशनल टैक्स को प्रोपर्टी टैक्स मे मर्ज कर दे तो उससे पचास लाख साल की आमदनी हो सकती है । दूसरे प्रौपर्टी टैक्स सैल्फ औन्डाा मकान के लिए माफ होना चाहिए क्योकि अगर कोई दो तीन कमरे वाला भी एक कमरे का किराये दे देता है तो उस पर भी टैक्स लग जाता है लेकिन जिसके पास 5,10, और 15 कमरे वाली कोठिया होती है उन पर नही लगता है । उन का माफ हो जाता है । मै एक सुझाव देना चाहता हूं कि तीन कमरे वाले का प्रौपर्टी टैक्स माफ होना चाहिए । अगर बडे बडे मकानो वालो पर यह प्रोपर्टी टैक्स लग जाये तो पचास लाख रूपया वसूल हो जायेगा । अगर प्रोफैशनल टैक्स माफ हो जायेगा तो जनता खुश हो जायेगी क्योकि सारे देश मे ही प्रोफैशनल टैक्स नही है केवल हरियाणा मे ही है इस तरह से करने पर हरियाणा से भी खत्म हो जायेगी ।

इसके साथ साथ हाउस टैक्स को खत्म करके जो लोकल बाडीज का टैक्स है उसको आक्ट्राय मे मर्ज कर दिया जाये । हाउस टैक्स के फिर नोटिस देने पडते है लेकिन आक्ट्राय से आपको इन्कम कैश है । जितना हाउस टैक्स आपको आता है उतनी ही परसैन्टेज आक्ट्राय मे बढा कर ले लिया जाये । ऐसा करने ये यह दो जगह का टैक्स खत्म हो जायेगा,रेशनेलाइजेशन आफ टैक्स और रेशनेलाइजेशन आफ इन्सपैक्टर्ज हो जायेगी यह मेरा सुझाव है इसलिए इसको मान लिया जाये ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब मै एजुकेशन डिपार्टमैट के बारे मे कहना चाहता हूं हमारे यहां हरियाणा मे मदर टीचर्ज काम कर रही है । वे 100 रू0 माहवार पार्ट टाईम काम करती है । उन्होने टीचर्ज की स्ट्राइक के टाईम पर भी काम कर रही है उन्होने उस टाईम पर बडी वफादारी से काम किया था । अब वे फुल टाईम काम कर रही है लेकिन उनको तन्खाह पार्ट टाईम टीचर्ज की मिल रही है । इसलिए मेरा निवेदन है कि उनको रैगुलर बेसिज पर और टीचर्ज की तरह से ले लिया जाये । फरीदाबाद मे 8–10 टीचर्ज है जिन्होने स्ट्राइक पीरियड़ मे काम किया है लेकिन अभी तक सरकार ने उनकी अप्वायटमैंट लैटर्ज नही भेजी है। डिपार्टमैंट से अपील भी की है लेकिन उनको यह कहा गया कि हम 25 अगस्त , 1973 के बाद नही लगा सकते है । अब उन्होने फिर दुबारा अपील कर दी ओर डी0ई0ओ0 आफिस

वालो ने भी रिकमैन्ड कर दिया है इसलिए उनको सर्विस मे ले लिया जाये ।

जे0बी0टी0 गर्ल्ज होस्टल है । वह होस्टल बिल्कूल अन सेफ है उसके चारो तरफ खाली जगह पडी है । उस होस्टल की हालत बहुत खराब है । उस तरफ भी ऐजुकेशन डिपार्टमैंट की तवज्जुह देनी चाहिए ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, हमारे फरीदाबाद कम्पलैक्स मे तीन शहर शामिल है एक फरीदाबाद ओल्ड, फरीदाबाद टाउन शिप और तीसरा है बल्लगढ । फरीदाबाद टाउनशिप मे काम करने वाले गवर्नमैंट ऐम्पलाई को तो हाउस रेंट मिलता है परन्तु जो फरीदाबाद ओल्ड और बल्लभगढ मे काम करते है उनको हाउस रेंट पूरा नही दिया जाता है । उनके साथ बडी बे इसाफी है । इसलिए मेरा निवेदन हे कि उनको हाउस रेंट मिलना चाहिए ।

मै आपके द्धारा ऐडमिनिस्ट्रेशन के बारे मे भी सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं । हमारे यहां फरीदाबाद तहसील मे एसे डी0ओ0 आफिस मे स्टाफ बहुत कम है लेकिन वहा पर वर्कलोड बहुत ज्यादा है गुडगांव डिस्ट्रिक्ट मे जितने भी तहसील आफिस है वहां पर स्टाफ ज्यादा है इसलिए फरीदाबाद कम्पलैक्स मे वर्क लोड को देखते हुए वहां पर स्टाफ ज्यादा दिया जाये ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, अभी अभी एक सवाल के जवाब मे बताया गया कि गवर्नमैंट गर्ल्ज हायर सैकन्डरी स्कूल मे स्टाफ

पूरा है । हमारे महबूब चीफ मिनिसटर साहब भीसदन मे आ गये है । उनको नोटिस मे भी मै यह लाना चाहता हूं । मेरे नालेज के मुताबिक तो वहां स्टाफ कम है वहां पर 17 टीचर्ज कम है । वे टीचर्ज सब इम्पोटैन्ट मजबून के कम है । इसलिए मेरा निवेदन है कि वहां पर पूरा स्टाफ दिया जाये । हमारे यहां फरीदाबाद मे एक ऐडमिनिस्ट्रेटर भी कम है और एक एस0डी0ओ0 भी कम है इसलिए वे भी जल्दी से लगाये जाने चाहिए । मै अपने महबूब ओर हरदिल चीफ मिनिस्टर साहब से यह नम्रतापूर्वक अर्ज करना चाहता हूं कि हमारे यहां हरियाणा मे डिवैल्पमैंट का काम बडी तेजी से हो रहा है और गवर्नमैंट के ऐम्पलाइज बडा अच्छा काम कर रहे है । चीफ मिनिस्टर साहब स्वय भी मानते है कि अच्छा काम कर रहे है । इसलिए मेरी गुजारशि है कि उनकी डी0ए0 की जो एक किस्त बाकी रह गयी है वह भी दे दी जाये । ऐसा सरकार कर देगी तो बडी कृपा होगी ।

इस प्रकार से सोशल वैल्फैयर डिपार्टमैट मे जो टैम्परेरी स्टाफ है उनको भी पक्का कर दिया जाये ।

एक बात पुलिस डिपार्टमैंट के विषय मे कहना चाहता हूं । हमारे यंहा तीन थाने है। एक बल्लभगड मे , दूसरा सैक्टर 15 मे और तीसरा सैक्टर पांच मे है लेकिन उनक साथ जो विलैजिज लगते है या जो भी एरिया लगते है उनकी अलाटमैंट बहुत गलत हुई है डिविजन आफ वार्डज ठीक नही हुई है इसलिए उसे दोबारा किया जाये ।

मै यह भी निवेदन कर दूं कि फरीदाबाद को डिस्ट्रिकट बनाया जाना चाहिए । कई को तो यह एतराज भी है कि फरीदाबाद कैपिटल क्यों बने क्यो कि वे तो उसके डिस्ट्रक्ट बनने मे भी खुश नही है अगर फरीदाबाद को डिस्ट्रिक्ट ही बना दिया जाये तो इससे हरियाणा का नाम उचा होगा । मै चाहता हूं कि हरियाणा मे दस ही डिस्ट्रिकट नही होने चाहिए बल्कि फरीदाबाद और सिरसा भी जिला बनना चाहिए । यहां पर किटिजिसम किया गया कि मंसूरी मे रैस्ट हाउस खरीदने की क्या जरूरत थी? यह गलत किटिजिसन है । मै तो चाहता हूं कि बम्बई और कलकता मे भी रैस्ट हाउस होना चाहिए । इससे हरियाणा की शान बनती है सारे हिन्दुस्तान मे शान बढती है हरियाणा रैस्ट हाउस जगह जगह पर होने चाहिए ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, गुडगाव मे लेडिज पुलिस भी होनी चाहिए । हमारे यंहा पर एक वीडोज होम है उसकी अलाटमैंट का काम अभी बाकी है । वह भी सोशल वैल्फेयर डिपार्टमैंट का काम है इसलिए वह भी जल्दी से किया जाना चाहिए ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, हरियाणा रोड़वेज हमारे हरियाणा मे बड़ी तरक्की कर रही है फरीदाबाद हरियाणा मे सब से बडा शहर है वंहा पर बहुत लेबर एरिया है वहां पर पर पब्लिक की बसों की कमी के कारण बहुत बडी तकलीफ है । दूसरे कम से

कम एक डिलैक्स बस फरीदाबाद से चण्डीगढ भी चलायी जानी चाहिए ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, मै इस बिल की पूरी पूरी ताईद करता हूं ओर यह भी कहता हूं कि हरियाणा सरकार बडे ठीक ढग से काम कर रही है कभी कभी गलतिया भी होती है लेकिन वही बात है

गिरते है शह सवार मैदान जंग मे,

वे तिफल क्या गिरेगे जो घुटने के बल चले ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, आपका बहुत बहुत धन्यवाद, क्योकि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया ।

मुख्य मंत्री (चौधरी बंसी लाल): डिप्टी स्पीकर महोदया, सप्लीमैट्र डिमान्डज के उपर कल भी बहस हुई और आज ऐप्रोप्रिएशन बिल पर बहस चल रही है।(इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) हमारे सदन के कई साथियो ने कुछ बाते कही, लेकिन स्पीकर साहब आपने देखा होगा कि किसी के पास कहने को कुछ नही था । हा, कुछ लोगो ने कोशिश की, इस बात की कि वे सरकार के खिलाफ कुछ कहे और सरकार के लिखफ कुछ कहना वे अपना फर्ज समझते है इसीलिये सरकार के खिलाफ कुछ कह रहे है । हरिजनो की जमीन के बारे मे कहा गया । स्पीकर साहब, किसी हरिजन को सरकार ने अपरूट नही किया और हरिजनो को ज्यादा ये ज्यादा जमीन दी गयी । जो लोग आज

हरिजनो की वकालत करते है, अगर पुराने इतिहास मे हम जाये तो स्पीकर साहब, आप देखेगे कि जो लोग आज हरिजनो की वकालत करते है उनका प्रोफैशन रहा है हरिजनो से चन्दा करके खाने का उनके पास पाच पांच सात सात , हजार रूपये महीने का खर्च है । न उनकी कोइी इंडस्ट्री है न कोई फैक्टरी है, न कोई बात है, और 5–5,7–7 हजार रूपये महीने का खर्च है, बडे बडे चौधरी बने फिरते है । यह कैसे चलता है? यह इस तरह चलता है कि हमारे हरिजन भाई जो है वे गरीब है । उनको एक बात सिखा कर ले जाते है कि जो आदमी दिल्ली चला जायेगा ,सत्याग्रह मे अपना नाम लिखवा आयेगा,और साथ ही जो चन्दा देगा उसको पक्की जमीन मिल जायेगी । तो उन आदमियो का काम, उन लोगो का काम, उन का प्रौफैशन है, उम्र भर से यही प्रौफेशन रहा है और आज भी यही प्रौफेशन है कि वे चन्दा करके खाय ओर फिर इसके अलावा एक वक्त ऐसा था कि जब उनकी कोई थोडी मानता था, जो भाई आज हरिजनो की वकालत करते है , तो वह क्या करते थे अपने नाम जमीन,यानि एक एक आदमी ने अपनी फेमली के 5–5,7–7 नामो से जमीन ले रखी है, कोई रिश्तेदार बाकी नही छोड़ा रखा जिन्होने कि जमीन अपने रिश्तेदारो के नाम से न ले रखी हो,उन लीडरो ने ऐसा कोई आदमी नही छोड रखा । कल जैसे चौधरी श्याम चन्द जी ने बताया था, उनके पास हरियाणा भवन मे कुछ हरिजन आ गये, वह मेरे पास भी आये थे , चौधरी श्याम चन्द जी उनको लेकर आये थे । उनसे जब यह पूछा गया चौधरी श्याम चन्द ने उनसे पूछा कि भई तुमको उस वक्त

यह जमीन पक्की क्यो नही मिली तो उन्होने एक आदमी विशेष नाम ले दिया और यह कहा कि हमसे एक एक हजार रूपये उस वक्त यह (चौधरी चांद राम) मांगता था, हमने एक एक हजार दिये नही, इसलिय हमको पक्की जमीन नही मिली । तो हरिजनो के साथ उनकी सिर्फ इतनी ही हमदर्दी है, इससे आगे उनकी कोई भी हमदर्दी नही। और दूसरा वे चाहते थे ताकत दिखाना कि मेरे साथ हरिजन है, मेरे साथ कुछ लोग है ताकि किसी ने किसी तरह काग्रेस मे घुस जाउ । चौधरी दल सिंह, चौधरी शिव राम वर्मा और दूसरी विरोधी पार्टिया जो है, उनकी सहायता भ ये ले रहे है । दिल्ली मे जो सब जाते है, वे हरिजन नही है । दिल्ली की अदालत इनडीपैडैट है, जुडीशियरी की अदालते है वे इन्साफ करती है, मै उनकी कोई नुक्ताचीनी नही करता, लेकिन होता क्या रहा है कि दिल्ली मे जो आदमी गिरफतारी देता है, अब तो शायद , मैने सुना है कि 10–5या 15 दिन की सजा होनी लगी, पहले उनको अदालत के अन्दर पेश किया, नाम लिख लिये, ऐडमोनिश किया , छोड दिया । यह वैरीफिकेशन नही होती थी कि यह हरिजन है, जाट है, ब्राहमण है, बनिया है , किस जात से ताल्लुक रखता है । चौधरी दल सिंह, मै मानूगा कि आर्गेनाईजर अच्छे है।यह जीन्द से उठा उठा के जाट भेज दिया करता है (हंसी) तो वो लोग सब हरिजन नही है और फिर जो हरिजन थोडे बहुत आते भी है, उनको गुमराह करके लाया जाता है कि उनको जमीन मिलेगी और उनमे से कुछ भाईयो का अच्छा प्रोफैशन चल गया । अच्छा व्यापार चल गया क्योंकि मेरा ख्याल है कि दो चाल साल

के खर्च का चन्दा भी इकट्ठा कर लिया है । अब तो खासा काम चल गया । मैने सुना है कि वहां दिल्ली मे एक जलसा हुआ जो कि सघर्ष समिति के नाम से जलसा था । उस जलसे की सदारत इसी सदन मे बैठे हुए चौधरी गणपत राय, कांगो के एक मैम्बर कर रहे थे । वहां चन्दा इकट्ठा करके खाने वाले साहब ने अपनी एक स्पीच दी और अपनी स्पीच मे कहा कि मै जनसंघ का भी बहुत शुकगुजार हूं मै फला पार्टी का भी बहुत शुकगुजार हूं हर पार्टी का शुकगुजार उसने अपने आप को कहा लेकिन जिस पार्टी का मैम्बर उस जलसे की सदारत कर रहा था, उस पार्टी का नाम नही लिया । तो चौधरी दल सिंह जी भी इसी सदन मे बैठे है उन्होने कहा कि हमारी पार्टी का एम मैम्बर इस जलसे की सदारत कर रहा है तो फिर क्या वजह है कि हमारी पार्टी का ना न लिया गया ? तो वही पर एक आदमी ने खडे होक कह दिया कि यह नाम तो सिर्फ उस का लेता है जो चन्दा देता है पैसे देता है तुमने पैसे नही दिये होगे खाली सदारत करने आये होगे । (हंसी)

चौधरी दल सिंहः हमारी पार्टी हरिजनो की पक्के तोर पर हमदर्द है हम इस बात को अब भी कहते है ।

चौधरी बंसी लालः मैने इस बात को चेलैज नही किया । मै जो अब कह रहा हूं उनको न कर दो आप । जो मै यह बात कह रहा हूं कि आप ने स्टेज पर यह कहा कि हमारी पार्टी का नाम नही लिया गया, इस बात की न कर दो, मै मान लूंगा । यहां

प्रिजाईड करने वाले साहब भी बैठे है और कहने वाले भी बैठे है, इस बात को न करो , मै मान लूंगा (हंसी)

श्री गणपत रायः किसी आदमी ने यही नही कहा कि ये उन्ही का नाम लेते है जो चन्दा दे ।

चौधरी बंसी लालः वह आप तक पहुंचा नही। मगर चौधरी दल सिंह जी ने कहा यह एतराज किया कि मेरी पार्टी का नाम क्यो नही लिय? स्पीकर साहब, हरिजन भाईयो के साथ हमारी पूरी हमदर्दी है । और हरिजनो भईयो के लिये जो कुछ हम कर सकते है वह करते है पिछले साढे पांच सालमे मौजूदा सरकार ने हरिजन भाइयो का जितना कल्याण किया है, इससमे पहले किसी सरकार ने इस प्रान्त मे नही किया । आज भी हमारी भरसक कोशिश है कि जहां जिस किसी हरिजन भाई को जमीन दे सके, काम दे सके, व्यापार दे सके, जो चीज हम हरिजनो को दे सकते है, वह जरूर दे। यह हमारी पूरी पूरी कोशिश है मगर हम गुमराह नही करना चाहते । जो सच्ची बात है, वह सच्ची बात कह देना चाहते है । स्पीकर साहब, कुछ बाते कही गयी किसानो सधर्ष समिति के मुताल्लिक । मुझे बड़ा ताज्जुब है कि किसान सर्घष समिति कब आयी ? वैसे सदन मे कहने के लिये तो मेरे विरोधी भाई सभी एक ही बात कहेगे लेकिन घर जाके तो शायद ये भी सोचते हो । किसान संघर्ष समिति ने, स्पीकर साहब 21 जुलाई को करनाल मे संघर्ष करना शरू किया और क्या कह कर शुरू किया ? दो बाते कही । सबसे पहले तो उन्होने यह कहा कि यह मीटिग हमने

इसलिए बुलायी थी कि किसान के अनाज का पर्टीकुलरली गेहूं का भाव बढे । जब कि उस वक्त तक जो हरियाणा प्रान्त गेहू प्रोक्योर होना था वह हो चुका था । 21 जुलाई से आज तक सिर्फ 15 हजार टन गेहू प्रोक्योर हुआ छः लाख टन मे से । बाकी सब का सब गेहू पहले प्रोक्यार हो चुका था तो गेहू हम प्रोक्योर कर चुके थे , दूसरे प्रान्तो को भेज चुके थे और वहां यह खाया भी जा चुका था, मगर उसके बाद हमारे ये किसान संघर्ष समिति वाले भाई अनाज की, गेहू की कीमत बढवाने आये, बडे ताज्जुब की बात है । इस बात की नुक्ताचीनी की गयी कि 144 क्यो लगाया गया? स्पीकर साहब 144 इसलिये लगाया गया कि हमारे पास डेफिनिट इन्फमैशन थी कि अकालियो ने संगरूर जिले मे और हरियाणा के वे जिले जो सगरूर के साथ लगते है वहां तकरीरे कीा कि 21 तारीख को जो आदमी आये, उन आदमियों के पास एक–एक लाठी भी होनी चाहिये और जरूरत पड़े तो वायलैन्स पर उतरना भी है । अकालियो ने पब्लिक मीटिग्ज कर करके ये भाषण दिये । तो कौन सी सरकार ऐसी होगी जिसके पास यह इललाह हो और वह आराम से बैठी रहे? सिंविल लिबर्टीज की बात जो इन लोगो ने की उसके बारे मे भी अर्ज यह है कि करनाल मे म्यूनिसिपल लिमिटस के बाहर ये जलसा कर सकते थे । स्पकीर साहब, इससे कुछ दिन पहले जनसंघ पार्टी के जलसे हुए, अम्बाला कैन्ट जलसा हुआ बहुत बडा जलसा हिसार मे हुआ और उसी दिन 21–22 तारीख को सोशलिस्ट पार्टी का एक बहुत बड़ा जलसा हिसार मे हुआ । चौधरी दल सिंह अपनी पार्टी के जलसे हर शहर मे करते

घूम रहे थे उन्ही दिनो करते घूम रहे थे । सरकार ने कोई पाबन्दी नही लगायी । पाबन्दी लगाने के पीछे जो खतरा था, जो बात थी डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट ने जिस वजह से पाबन्दी लगायी, वह बात अकालियो ने साफ तौर से साबित कर दी वायलैन्स पर उतरकर करनाल शहर मे । फिर नतीजा क्या हुआ ? जब उनके साथ सख्ती से डील किया गया और अदालत ने भी इन्साफ करना शरू किया कि ये लोग वायलैन्स पर उतरे, इन्होने जुर्म किया, 6–6 महीने की कैद होने लगी, वालन्टीयर मिलने से रहे गये, तो स्पीकर साहब, मै नाम तो लेना नही चाहूंगा दिल्ली के एक कैबिनेट मिनिस्टर ने यूनियन कैबिनैट मिनिस्टर ने मुझे को टेलिफोन किया । यह बात भी साफ कर दूं कि यूनियन होम मिनिस्टर ने नही, एक दूसरे यूनियन कैबिनट मिनिस्टर ने जो मेरे दोस्त है , मुझे बुलाया, मुझे अकाली एम0पीज0 के नाम बताये कि ये–ये मेरे पास आये थे और इन एम0पीज0 ने मुझे से यह कहा कि हमारा तो अजिब किस्म के चीफ मिनिस्टर से पाला पड़ा गया है करनाम मे । हमारा इससे पीछा छुड़ाव दो । मैने कहा कि कैसे पीछा छुड़वाना चाहते है ? उन्होने कहा कि अब यह 144 तोड़ दो । तो मैने उनसे कहा कि 144 तोड़ना , न तोड़ना, हटाना, लगाना यह तो डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट का काम है, लेकिन ये अगर कानून तोड़ना बन्द कर देंगे तो डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट आगे क्यो लगायेगा ? नतीजा क्या हुआ ? स्पीकर साहब, कि पहले तो जत्थे इनको मिलते ही नही थे, फिर 10–15–20 जो आदमी आते भी थे,

उन्होने अदालत मे जाकर ब्यान देना शुरू कर दिया कि जी, हमने 144 नही तोड़ा । हम तो तीन तीन की फौरमेशन मे आ रहे थे । अदालत मे ब्यान है, मैजिस्ट्रेट फस्ट क्लास के सामने । डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट ने 144 हटा दी यह सोचकर कि जो खुद ही कहते है कि हमने कानून नही तोड़ा उनके खिलाफ ऐक्शन क्या लिया जाए । डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट का इरादा भी यही था कि उसके जिले मे कानून न तोड़ा जाए । तो स्पीकर साहब, लोग किसान को अनाज का भाव बढाने की नियत से वहां नही आये । ये वहां वायलैन्स करने आये थे, तोड़ फोड़ करने आए थे यह अलग बात है कि खुद ही टूट फूट कर चले गये । इस मे मेरा कोई कसूर नही ।

एक बात स्पीकर साहब, इरीगेशन के बारे मे कही गई, नहरो के बारे मे कही गई । कई बार क्वैश्चन आवर मे भी और वैसे भी हमारे विरोधी भाइयो ने इस बात का सवाल उठाया कि नहरों मे पानी कहा से आएगा ? जैसे हमारे स्टेट मिनिस्टर, चट्ठा साहब ने बताया मै भी अर्ज कर दूं कि इस समय नहरों मे पानी हम फ्लड का देते है । जुई कैनाल हमने पैरीनियल कर दी है । उसको हम वैस्टर्न यमुना कैनाल का पानी देते है क्योंकि पिछले पांच साल मे हमने तीन साढे तीन हजार क्यूसिक पानी ओगमैन्टेशन टयूबवैल से और नहरो को पक्का करने बचाया है , बढाया है और आगे यमुना नदी मे पिछले सौ साल का इतिहास दिखाया है । किसी एक साल मे कम से कम बाढ आई है तो 33 दिन बाढ आई है ओर किसी एक साल मे ज्यादा से ज्यादा यमुना

नदी मे बाढ आई है तो 102 दिन बाढ आई है अगर हम इसके बीच की बात भी निकाल लें कि हर साल 45 दिन भी पानी की बाढ आए जो बाजरा, ज्वार वगैराह जो ये फसले है, जो उस इलाके मे होती है यह 60–70 दिन मे पक जाती है । तो एक फसल तो उस से पक्क जाती है और दूसरी फसल उससे काश्त हो जाती है। यानी पीछे वैस्टर्न यमुना कैनाल का पानी जिस इलाके के लगता था उस इलाके का नुकसान करके, उस इलाके का पानी घटा करके, आगे की नहरो मे पानी नही दिया गया और न दिया जाएगा बल्कि रावी ब्यास का पानी मिलने के बाद जहां वैस्टर्न यमुना कैनाल का पानी लगता है, वहां भी हम पानी बढाएंगे और उन इलाको की जो नहरे है, उनको भी पैरीनियल कर देगे । दोनो चीजे ठीक हो जाएगी । और अगर आज हम उन नहरों को तैयार न करते, आज हम इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार न करते तो जिस दिन हमको रावी ब्यास का पानी मिलता, उसको हम इस्तेमाल कहा करते ? उसको इस्तमाल करने के लिए नहरों का बनाया जाना निहायत जरूरी है ।

एक बात, स्पीकर साहब, यहां आई बिजली के बारे मे मै इस बात को तसमील करता हूं कि बिजली की कमी है और यह कुछ अर्स और रहेगी । हमने इस बार यह फैसला किया है कि सोइंग सीजन के वक्त भी किसानो को ज्यादा से ज्यादा बिजली दें और औगमैन्टेशन टयूबवैल्ज भी चलांए ताकि नहर के जरिये भी लोगो को ज्यादा पानी दे सके और कम से कम महेन्द्रगढ,

सिवानी,गुडगांव के वे इलाके , हिसार के वे इलाके, जंहा पम्पिंग सैट बहुत गहरे है, वहां तो हम चाहते हे कि चौबीस घंटे बिजली दी जाए और जो इलाके हमारे अच्छी पैदावार देने वाले हे , जैसे कुरूक्षेत्र, करनाल, अम्बाला और सोनीपत, रोहतक के इलाके, जीन्द के इलाके, वहां भी हम 16 घण्टे से कम बिजली नही देना चाहते और फसल की पकाई के वक्त, स्पीकर साहब, हमे इन्डस्ट्री पर कितना ही कट लगाना पड़े मगर किसान के टयूबवैल को बिजली की कमी नही आने देंगे । आज भी हमारे प्रान्त मे बिजली की टोटल कंजम्पशन मे से 45 परसैन्ट कंजम्पशन टयूबवैल्ज पर है जो कि हिन्दुस्तान के किसी भी प्रान्त से ज्यादा है, किसी प्रान्त मे इतनी नही है । हर चीज मे, स्पीकर साहब खामियां भी होती है । मै यह बात भी मानता हूं कि पावर फ्लकचूएशन भी होती है, मै यह बात भी मानता हूं कि ब्रेक डाउन भी होते है । सारी स्टेट मे इतनी बिजली फैल गई कि कही न कही कोई तारा टूट जाए, कही पर कोई पक्षी बैठ जाए मोर बैठ जाए और कोई बड़ा पक्षी बैठ जाए, तो एकदम वह लाइन खराब हो जाती है। कुछ घण्टे , दस घण्टे, बारह घण्टे , रात को टूटे तो एक दिन भी निकल सकता है । तो ब्रेक डाउन भी हो जाते है । कल एक भाई, पता नही कहां से इकनौमिक्स पढ कर आये थे , उनको कुछ आता जाता तो है नही, कह रहे थे कि जहां बिजली की जरूरत थी , वहां से तो बिजली ले ली, जहां बिजली की जरूरत नही थी, वहां बिजली दे दी। स्पीकर साहब, मै तो यह कहूगा कि उस भाई के सोचने का तरीका उल्टा है या उसको सोचना नही आता और सोचना तब

आता हो जब घर की अकल हो । कोन सा इलाका कौन सा गांव, कौन सा शहर आज प्रदेश मे ऐसा है जहां बिजली की जरूरत न हो ? चारो तरफ बिजली की जरूरत है । हमने सब को बिजली दी है, सब को बिजली की जरूरत थी । मै आपको याद दिलाना चाहता हूं कि जिस दिन हरियाणा प्रान्त और पजांब अलग अलग हुए, हरियाणा को इसलिये नांगल से बिजली कम मिली कि हरियाणा मे बिजली कम खर्च करने के साधन नही थे, इसलिये हरियाणा को बिजली नही मिली । गोबिन्द सागर के पानी मे हरियाणा का हिस्सा 54 परसैन्ट और उसी पानी से पैदा होने वाली बिजली का हमको मिला 39 परसैन्ट। क्यों मिला ? क्योंकि हम खर्च ही इतनी करते थे, इससे ज्यादा खर्च करने की हमारी शक्ति नही थी । अब आगे जो बिजली की कमी हम पूरी करेगे, बिजली की कमी को पूरा करने के जो तरीके है, जो साधन हम अपना रहे है, वो है स्पीकर साहब, 60–60 मैगावाट्स के दो थर्मल प्लांटस जिन्हे हम फरीदाबाद मे लगा रहे है । एक थर्मल–प्लाट तो अगले साल अप्रैल मे आ जाएगा, एक इसके एक साल बाद आएगा। 110–110 मैगावाट के दो थर्मल प्लांटस तो हम पहली स्टेज मे लगा रहे है पानीपत मे और दूसरी स्टेज मे यानी कुल मिलाकर 440 मैगावाट्स के प्लांटस लगाने का हमारा पोग्राम पानीपत मे है । इसी तरह स्पीकर साहब, जब ब्यास रावी का पानी आएगा तो डहर मे बिजली पैदा होगी उससे हम को बिजली मिलेगी , गोबिन्द सागर मे पानी आएगा तो भाखड़ा मे, नांगल मे, ज्यादा बिजली पैदा होगी, उसका हिस्सा हमको मिलेगा, राणा प्रताप सागर से

हमको हिस्सा मिलेगा, बदरपुर से हमको हमारा हिस्सा मिलेगा और इसी तरह से स्यूल और सैलाल, हिमाचल मे जो प्रोजैक्टस बन रहे है, उन से हमको बिजली मिलेगी । डेसू से आज भी हमो बिजली मिल रही है । डेसू के हमव न थर्ड पार्टनर भी है । एक भाई कल बिजली की बात कह रहे थे कि बिजली कहां से आएगी । क्या बनेगा ? किसी को हिसाब आता हो तो बताए और फिर एक बात कह दी बड़ी लम्बी चौडी कि इतने साल हो गये अग तलक बिजली का कोई प्रबन्ध नही हुआ। उनको यह नही पता कि उन्होने एक ही बात देखी है, काला चश्मा लगा कर देखते है, कभी सफेद चश्मा लगाकर उम्र मे देखना सीखा नही । वे समझते है कि जैसे यदि बिजली का स्विच आंन कर दो, तो बिजली जग गई, बिजली का स्विच आफ कर दो, तो बिजली बन्द हो गई । ऐसे ही शायद थर्मल प्लांट या और कोई प्रोजैक्ट बिजली का भी इतनी ही देर मे लग जाता हो । इस कई साल लगते है । इसमे मैटीरियल की जरूरत होती है, इ समे इंजीनियरो की जरूरत होती है, इसमे समय की जरूरत होती है, पैसे की जरूरत होती है । तो इस तरह से बिजली का प्रबन्ध भी स्पीकर साहब, करते जा रहे है ।

एक बात यहां कही गई कि भिवानी अकेले मे ही नही, बाकी जो दूसरे नये डिस्ट्रक्ट बने है वहां भी डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर बिलडिग्ज बनाई जाए । यह बडी जायज बात है, जायज मांग है । जहां हम भिवानी मे बिल्डिग्ज बनाने का प्रोग्रा बना रहे है, वहां हमने दूसरे दो नये डिस्ट्रक्ट हैड–क्वार्टज के उपर भी जमीन

एक्वायर करने के रास्ते अपनांए है वहां पर बिल्डिंगे बनाने के उपर विचार कर रहे है और बनांएगे । इस समय एक बात मै और कहना चाहता हूं । वे हैं नही दौलता साहब यहा, उन्होने कल अपनी कांस्टिचुएंसी का नाम ले दिया कि उस मे बड़े लीडर पैदा हुए कुछ अच्छे आदमी भी पैदा हुए लेकिन दौलता साहब जैसे भी पैदा हुए । (हंसी) इस बात से भी इन्कार नही किया जा सकता । फिर उन्होने कहा कि मेरे हल्के मे कोई सड़क हीनही बनी । स्पकीर साहब, मै जिम्मेदार से कह सकता हूं कि बेरी कांस्टिचुऐसी मे कम से कम 35 सड़के पिछले साढे पांच साल मे हमने बनवाई है । दौलता साहब एक आंख से देखते है, दूसरी आंख से उनको, दीखता नही और मन मे आए जो बोल दे, अपनी जबान पर उनका कन्ट्रोल नही। उनको दोलता साहब को झगड़ा इस बात का नहीं है । वे यहां होते ओर जब मै कहता तो बड़ा अच्छा लगता । वे अपनी कांस्टिचुएंसी मे कभी जाते नही है, मै बहुत जाता हूं । वे वार बार मेरे पास आते हैकि मुझे हाई कोर्ट का जज बनवा दो । अगर होई कोर्ट को जज उसको बनवा दूं तो मेज पर पैसे ले (हंसी) और किसी भाई को अगर यकीन न हो तो इस सदन मे बता दे मुझे। इस नायब तहसीलदार बनवा दूं तो इन्तकाल तस्दीक कराने के पैसे मेज पर मांग ले । तो मै कैसे इस आदमी को हाई कोर्ट का जज बनाने के लिये रिकमैन्ड करू ? बेरी कांस्टिचुऐन्सी मे मै दोलत साहब से 10 गुना ज्यादा जाता हूं । फिर उन्होने यह भी कहा कि मूंह देख कर के काम किया जाता है । फलां एम0एल0ए0 है, इसकी कांस्टिचुऐन्सी मे काम करना है, इसकी

कांस्टिचुऐन्सी मे काम नही करना है, उन्होने यह कहा । स्पीकर साहब हमने यह फैसला किया कि हरियाणा प्रान्त के एक एक गांव मे बिजली हो, एक एक गांव तक बिजली गई। क्या कोई अपोजीशन पार्टीज का एम0एल0ए0 यह कह सकता है कि उसकी कास्टिचुऐन्सी का कोई काम बाकी रह गया है । कोई गांव बाकी रह गया है ? हमने सड़के बनाई है । एक सिद्धान्त बनाया कि बड़े गावो की पहले बनायेगे । पहले हर गांव की एक तरफ से सड़क से लिक करेगे, बाद मे डबल लिंक देगे, पहले नही देंगे आज 60 परसैन्ट गांवो मे सडक है । कौन सी कांस्टीचुऐन्सी ऐसी है जिस मे सड़के नही बनी ? 81 कास्टिचुऐन्सीज मे, मुझे कोई भी एक एम0एल0एल0ए0, 81 भाई यहां बैठे है, कोई यह बता दे कि पिछले साढे 5 साल मे उसकी कास्टिचुऐन्सी मे सडक बनी । जितनी हम बना सकत थे, बनाई वेा डिवैल्पमैंट के, तरक्की के, जितने काम है हम हर कास्टिचुऐन्सी मे करते है । किसी कास्टिचुऐन्सी को इस हिसाब से देख करनही चलते है कि यह कास्टिचुऐन्सीज काग्रेस की है और यह कास्टिचुऐन्सीज अपोजीशन की है दौलता तो फिर अपने मूंह मे मानता है कि इन दो जनसधियो के सिवाये कोई अपोजीशन का है ही नही । इस की अपनी जाबान मे भी अगर मानो तो ये दोनो जनसंघी भाई यह कर दिखाये कि इनके हल्के मे काम नही हुआ। तो यह बात नही है । अभी चौधरी शिव राम जी मांग कर रहे है कि अमीन मे पीने का पानी होना चाहिये, क्वैश्चन आवर मे बात कह रहे थे । स्पीकर साहब, अमीन इनका एक बहुत पिछड़ा हुआ गांव है मै इस बात

को मानता हूं कि अमीन मे पीने का पानी होना चाहिए । मै इस गांव मे तीन चार बार गया हूं । मैने उसी वक्त मजाक मे यह भी कहा कि पानी जाए कैसे बहुत उचा बसा हुआ है । इस स्टेट का कोई ऐसा बड़ा गाव नही है जिस को मैने देखा न हो, दो–दो चार चार बार न देखा हो । जितने एम0एल0ए0 अपनी कास्टिचुऐन्सी मे जाते है, मेरा ख्याल है कि उतने चक्कर मै भी कभी–कभी लगा लेता हूं । तरक्की के काम मे मै स्पीकर साहब, आपके जरिये सदन को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं खास तौर पर विरोधी पार्टी के मेम्बरो को कि वे तरक्की का कोई जायज काम मेरे पास लेकर आंए, तो मै न नही करूगा । हर आदमी के इलाके मे होगा । अगर अपोजीशन के किसी मैम्बर को जनता ने चुनकर भेजा है तो हमारे लिये वह एक आनरेबल मैम्बर है, जनता का प्रतिनिधी है जनता ने जिस आदमी को चुनकर भेजा है उस को हम रिकगनीशन देंगे , उसकी बात मानेगे । न का कोई सवाल पैदा नही होता । तो अन्त मे मै आपके जरिये सदन से यही प्रार्थना करूगां कि इस ऐप्राप्रिएशन बिल को पास का दिया जाए।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, पर्सनल ऐसप्लेनेशन का टाईम दे दीजिये या कुछ बोलने का टाइम दे दीजिये । (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, अब तो कोई स्टेज नही है । लीडर आफ दी हाउस के बोलने के बाद कोई स्कोप नही रहता ।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, वे वित मन्त्री तो नही है, ऐप्रोप्रिएशन बिल तो वित मन्त्री जी का होता है, कोई रूलज तो नही है िकइस वक्त हम नही बोल सकते ।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, नही, इस समय नही, कल आपको मौके के उपर टाईम दे दिया गया था, अब तो कोई स्टेज नही है, आप अब तशरीफ रखिये ।

चौधरी चांद रामः काल अटैन्शन मोशन पर आपने कहा था कि टाईम देंगे । आपके लिखे हुए, आपके कहे हुए शब्द मेरे पास है आपने एक पक्ष सुन लिया । कुछ बाते गलत कही गई है जिनका इस बिल से कोई ताल्लुक नही है ।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप तशरीफ रखिये, आप इस तरह से कैसे बोल सकते है (विघ्न)

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, आप कहेगे तो बोलगे न कहगे तो नही बोलेगे।

श्री अध्यक्षः मै आप से अर्ज कर रहा हूं कि आप तशरीफ रखिये।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, आप पांच चार मिनट तो बोलने के लिये दे ताकि पता तो लग जाए कि यह क्या है ।

श्री अध्यक्षः नही, बिल्कुल नही । आप कल सारी बाते कह चुके है आपने कोई कसर नही छोड़ी कहने की।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, किस तरह पता लगेगा कि वह बात (शोर)

श्री अध्यक्षः नही,नही, आप तशरीफ रखिये ।

चौधरी चान्द रामः चन्गा, फिर हम कल प्रैस काफ्रैस मे कह दे जनता के सामने कि 14700 आदमी गिरफतार हुए (शोर)

श्री अध्यक्षः हां कह दे। रिकार्ड मत करना जो मेरी इजाजत के बिना बोले ।

श्री अध्यक्षः प्रश्न यह है –

कि हरियाणा विनियोग (स0 3) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब सदन विधेयक पर क्लाज बाई क्लाज विचार करेगा ।

क्लाज 2

श्री अध्यक्षः प्रशन यह है–

कि क्लाज 2 विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज 3

श्री अध्यक्षः प्रश्न यह है–

कि क्लाज 3 विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

अनुसूची

श्री अध्यक्षः प्रश्न यह है–

कि अनुसूची विधेयक की अनुसूची हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज 1

श्री अध्यक्षः प्रश्न यह है–

कि क्लाज 1 विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

अधिनियमन सुत्र

श्री अध्यक्षः प्रश्न यह है–

कि अधिनियमन सुत्र विधेयक का अधीनियम संत्र हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

शीर्षक

श्री अध्यक्षः प्रशन यह है–

कि शीर्षक विधेयक शीर्षक हो

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

Finance Minster(Shri Ram Saran Chand Mital): Sir, I beg to move-

That Haryana Appropration (N0. 3) Bill [हरियाणा विनियोग (स0 3) विधेयक]be passed

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, मुझे एक दो मिनट बोलने के लिये दे।

श्री अध्यक्षः आप इस पर बोल चुके है । अब हमने यह फैसला कर लिया है कि जो डिमांड पर बोल चुके है उनको ऐप्रोप्रिएशन बिल पर बोलने का मौका नही दिया जाएगा ।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, फैसला ज्यादा है कि रूलज ज्यादा है । रूलज तो उपर है स्पकीर के । और फिर कही रूलज मे भी मनाही नही है।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप तशरीफ रखिये।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ

कि हरियाणा विनियोग(स0 3) विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

दी हरियाणा लैड होल्डिग्ज(अमैडमेंट) टैक्स बिल, 1973

Revenue Minister (Pandit Chiranji Lal Sharma): Sir, I Introduce the Haryana Land Holding Tax (Amendment) Bill [हरियाणा भूमि–जोत कर (संशोधन)विधेयक]1973

श्री अध्यक्षः मुझे चौधरी राम लाल एम0एल0ए0 द्वारा हरियाणा भूमि–जोत विधेयक के डिसऐप्रूवल के प्रस्ताव की एक सूचना मिली है। यदि हाउस सहमत हो तो सदन का समय बचाने के लिये इस प्रस्ताव पर तथा विधेयक पर इकट्ठा विचार किया जाए ।

बहुत से सदस्यः ठीक है जो ।

श्री अध्यक्षः अब चौधरी राम लाल जी आप अपनी मोशन मूव करे।

Chaudhri Ram Lal Wadhwa (Karnal): Sir, I beg to move

That this House disapproves the Haryana Lan Holdings Tax Amendment) ordinance (Haryana Ordinanco No. 4 of 1973) [हरियाणा भूमि–जोत कर (संशोधन) अध्यादेश 1973 का हरियाणा अध्यादेश स0 4]

Pandhit Chiranji Lal Sharma: Sir, I beg to move—

That the Haryana Land Holding Tax (Amendment) Bill [हरियाणा भूमि–जोत कर (संशोधन) विधेयक] to taken in to consideration at once.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुए–

कि सदन हरियाणा भूमि–जोत कर (संशोधन) अध्यादेश 1973 का हरियाणा अध्यादेश स0 4] का निरनुमोदन करता है ।

कि सदन हरियाणा भूमि–जोत कर (संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

चौधरी राम लाल वधवा (करनाल): स्पीकर साहब, वह जो बिल आया है,इसके एम्ज औवजैक्ट्स मे यह लिखा हुआ है कि यह बिल 30 अगस्त से ऐनफोर्स हुआ था लेकिन चूंकि भू–राजस्व तथा अन्य सभी कर प्रति वर्ष 16 जून से एकत्रित किये जाते है अतः 16 जून, 1973 से टैक्स की वसूली होनी अनिवार्य है । इसलिए इसको 16 जून, 1973 से लागू किया जा रहा है। स्पीकर साहब, आपके द्धारा मेरी प्रार्थना यह है कि बजाये 16 जून,1973 के, अगर सरकार इसको 16 जून 1974 कर देती तो ज्यादा अच्छा था क्योंकि पहले सरकार ने यह टैक्स अगस्त, 1973 से लगाया था और उसके बाद टैक्स की असैसमैन्ट पर काफी टाईम लगना है, पटवारी वगैरहा अभी तक इस काम के लिये लगे हुए है और इसके लिये सारा नया फार्मूला बनाया गया है । बिल के पिछे इसकी तफसील भी दी हुई है । इस को अगर एक साल के पीछे जाकर लगाएंगे तो किसानो को दो साल का इकट्ठा

टैक्स देना पड़ेगा और यह जो रूपया अब लगाया जा रहा है, यह पहले से कई गुना ज्यादा है । तो इतनी भारी बोझा लोगो के उपर टैक्स का पड़ेागा । जिस समय किसानों के पास नोटिस आएंगे तो उनको पता चलेगा कि हमारे उपर कितने टैक्स लग रहे है। इसलिए मै चाहता हूं कि इसे सन् 73 की बजाए सन् 74 से लागू किया जाए क्योंकि इससे लोगो को इकट्ठा दो सालो का टैक्स नही देना पड़ेगा । इसलिये मै सदन से प्रार्थना करूंगा ि कइस बिल का पास न किया जाए ।

चौधरी दल सिंह (जीन्द): आदरणीय स्पीकर साहब, भूमि जोत–कर को संशोधन करने के लिये यह बिल सदन मे पेश किया गया है । इसके उद्देशय तथा कारणो मे जो बताया गया है मै उसके बारे मे कुछ अर्ज करना चाहता हूं । पहले इसको 30 अगस्त, 1973 से लागू करना था लेकिन फिर सरकार के दिमाग मे आया कि नहीं गलती हो गई इससे तो किसान को 6 महीने फायदा हो जाएगा इसलिए अब 16 जून से लागू करने जा रहे है । एक काम को ये तीन तीन बार करते है पहली बार कर दिया कि 30 अगस्त,1973 से लागू करेंगे फिर आडिनैस कर दिया कि नही 16 जून से करेंगे और अब तीसरी बार यह बिल पेश कर दिया । एक बात को हासिल करने के लिए ये तीन तीन बार प्रैस मे जाते है । सरकार की समझ पर मुझे बडी हैरानी होती है । पता नही यह अफसरो की तरफ से कोताही होती है या किसी और की तरफ से होती है यह तीन दफा गल्ती हुई है इसकों कोई देखने वाला

नही है । ऐसा करने से सरकार पर बड़ा भारी खर्च पड़ता है। मै चाहता हूं कि सरकार खर्च करते वक्त पूरा ध्यान रखे । इसके बाद मै वित्तीय ज्ञापन पर आता हूं । स्पीकर साहब, आप देख कर हैरान होगें, उसमे बताया गया है कि फंला फंला श्रेणी की जमीन पर ,0.05 हैक्टेयर पर,इतना लगान लिया जाएगा । इन्होने ऐसी इकाई मुकरर्र की है कि जिससे कुछ समझ ही न आ सके । यह कोई अच्छी बात नही है । सरकार को साफ लफ्जो मे कहना चाहिए कि हम जो टैक्स लगा रहे है वह इस प्रकार है । स्पीकर साहब, इसमे जो क्लासिफिकेशन की गई है मै उसको दोहरता हूं । फर्स्ट क्लाज जीमन के उपर पहले हैक्टेयर पर 14 रूप्ये टैक्स लगाया है, उसके बाद 4 हैक्टयर पर 20 रूप्ये पर–हैक्टेयर टैक्स लगाया है और उसके बाद जो बाकी जमीन रहती है उस पर 26 रूपये हैक्टेयर के हिसाब से टैक्स लगेगा ।

Pandit Chiranji Lal Sharma: On a point of Order, Sir, I want to know whether the Hon, Member has a right to speak on the amending Bill or hr can speak on the Act itself ?

श्री अध्यक्षः आप अमैडिंग बिल पर ही बोलिये ।

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, मै तो वही पढ रहा हूं जो इसमें लिखा हुआ है । मै कहता हूं कि इन्होने यह जो 0.05 हैक्टेयर लिख दिया इसकी बजाए इनको सीधा लिख देना चाहिये था ताकि लोगो का समझ आ सकती । इसी तरह से स्पीकर साहब जो दो नम्बर की जमीन है उस पर पहले हैक्टेयर पर 12 रूप्ये

और 4 हैक्टयर पर 18 रूपये की हैक्टेयार लगेगा और जो बाकी की जमीन है उसके उपर 24 रूपये की हैक्टेयर के हिसाब से लगेगा । इसी प्रकार तीसरे दर्जे की जो जमीन है उस पर पहले हैक्टेयर पर 8 रूपये प्रति हैक्टेयर और दूसरे चार हैक्टेयर पर 10 रूप्ये प्रति हैक्टेयर और आखिरी पर 12 रूपये प्रति हैक्टेयर लगेंगे । स्पीकर साहब, आप हैरान होंगे कि जो भूड व बंजड जमीने है, जहां कोई पैदावार नही होती, जिसके बारे मे सरकार क्लेम करती है कि इसको ठीक करेंगे, उस पर भी टैक्स लगाया है । उसमें पहले हैक्टेयर पर 2 रूपये, दूसरे पर 3 रूपये प्रति हैक्टेयर और उससे अगले पर 5 रूपये प्रति हैक्टेयर लगायेंगे । ऐसा होने के बाद भी यह सरकार कहती है कि हमने बडी भारी तरक्की की है और जब कोई ऐसा कह देता है तो वह सरकार से बर्दाशत नही होता । पहले तो नोटिफिकेशन किया गया कि इसे 30 अगस्त, 1973 से लागू करेंगे ओर अब 16 जून, 1973 कर दिया गया है । मै कहता हूं कि इस सरकार की नीति किसान विरोधी तथा किसानो को कुचलने वाली नीति है । आज किसान को न तो पानी मिलता है, न खाद मिलती है, और न बिजली मिलती है । बिजली के बारे मे अभी चैक मिनिस्टर साहब बता रहे थे । मै कहता हूं कि हरियाणा मे बिजली की यह हालत है कि मिनट मिनट बाद ब्रेक डाउन होते है ।

श्री अध्यक्षः यह रिपोर्ट कल डिस्कस होगी, उस वक्त बोल लेना।

चौधरी दल सिंहः ठीक है जो, जैसा आपका हुक्म। स्पीकर साहब, मै अर्ज करना चाहता हूं कि आप गेंहू के भाव की और देखें । 76 रूपये क्विटल के हिसाब से हमने गेंहू की वसूली की थी लेकिन आज वही गेंहू सरकार किसानो को 160 रूपये क्विटल के हिसाब से बीज के रूप मे बेच रही है । क्या यह जायज बात है ?

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप अमैडमैंट पर ही बोले ।

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, मै कहना चाहता हूं कि मीठी–मीठी बात करने से, ब्यान देने से लोग मानने वाले नही है। आज हरियाणा की जो हालत है वह सब के सामने है। आप गरीबी हटाने और समाजवाद लाने का प्रचार करते है लेकिन दूसरी तरफ भूड और कल्लर जीमन की भी इस टैक्स से माफी नही दी गई है । मै पूछना चाहता हूं कि दो या एक एकड़ जमीन वाले कौन है ? वे हरिजन है, इन्होने उनको भी नही छोड़ा । मै सरकार से कहूंगा कि वह इस तरमीम पर फिर गौर करे और 5 एकड़ जमीन पर कोई टैक्स नही होना चाहिये । आज तमाम हिन्दुस्तान के अन्दर किसानो के उपर तलवार लटक रही है । उनके उपर भूमि टैक्स, वैल्थ टैक्स और ईकम टैक्स लगाए जा रहे है । ये लोग किस तरह से इतना भार सहन करेगे? इन शब्दो के साथ मै सरकार से कहूंगा कि रियासत वाली बात जरूर होनी चाहिए । वरना सरकार और पब्लिक के बीच संघर्ष हो जाएगा । एक बात मै और कहूंगा

कि आपने नक्शे मांगे है कि किसने पास कितनी–कितनी सरप्लस जमीन है ।

श्री अध्यक्षः इससे इसका क्या सबंधं है ?

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, मै सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि जितने इंतकाल होनी बाकी पड़े है उनको पूरा किया जाए क्यांकि बगैर उनके पूरे होने के नक्शे कैसे पेश किये जा सकते है । अगर नक्शे पेश किये जाएंगे तो उनमे गल्त सूचना दी जा सकती है । इसलिये मै सरकार से निवेदन करूंगा कि यह इन्तकाल का काम जल्द पूरा कर दिया जाए ।

चौधरी चान्द राम(बवैन–अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, वित्तीय ज्ञापन मे लिया है कि

''पहले यह अधिनियम 30 अगस्त, 1973 से लागू किया गया था परन्तु चूकि भू–राजस्व तथा भूमि के अन्य सभी कर प्रति वर्ष 16 जून से आरम्भ होने वाले कृषि वर्ष से एकत्र किये जाते है अतः भूमि जोत कर पूरे कृषि वर्ग के लिये एकत्र करना अनिवार्य समझा गया ।''

यह बडे हास्त की बात है कि गवर्नमैंट को खुद को यह पता नही कि ऐग्रीकल्चरल ईयर कब से शरू होता है और कब से टैक्स लगाना चाहिये ? यह हमेशा चार–पांच महीने बाद जागते है । ये अगर ढंग से काम करना चाहते है तो इनके अधीन एल0आर0 है उसको पता है कि कब शुरू होता है । जो ब्रांच इस की

जिम्मेवार होती है उस को भी पता नही कि हम ने जो टैक्स लगाना है वह कंहा से लगाना है ।टैक्स लगाने वाला हमेशा इनीशिएट करता है कि टैक्स कहां पर लगाना है, लेकिन न उनका पता है और न ही एल0आर0 को पता है । यानी यह बात स्टेट मे किसी को भी मालूम नही । सरकार अपने अफसरों को डेढ या दो दो हजार रूपये तनखाह देती है, लेकिन उन का कोई ऐक्सपलेनेशन नही । यह इन्होने एक तरह का तमाशा बनाया हुआ है और इनकी जो गलती है उस को बोझ किन पर डाला जा रहा बेचारे गरीब जमींदारो पर । पहले कहते थे कि यह टैक्स 30 अगस्त, 1973 से लगा रहे है और बाद मे आडिनैंस कर दिया कि यह तो गल्ती हो गई है, हम इसको 16 जून, 1973 से लागू करेगे । एक तरफ तो अखबार में निकला है कि डेढ करोड़ के बिकी टैक्स की हम व्यापारियों को छूट दे रहे है और दूसरी तरफ इस बिल मे लिखते है –

''राज्य के वितीय साधनों की वृद्धि के लिए कुटुम्ब जोत के आधार पर, किसी और स्थान पर उपलब्ध भूमि की किस्म के आधार पर भूमि–जोत कर उदग्रहण का पुरस्थापन किया गया ''

यानी ये जमीदारो पर टैक्स लगा कर राज्य की आमदनी बढा रहे है और दूसरी और व्यापारियों को जो पर्ची काटे या न काटे उनको डेढ करोड़ रूपए के बिकी टैक्स की छूट दे रहे है। वैसे तो ये कहते है कि यह किसान ओर मजदूर की सरकार है लेकिन

जो किसा अन्न पैदा करता है उस को कहते है कि तुम अनाज ज्यादा पैदा करते हो इस लिए तेरे उपर टैक्स लगाते है ।

श्री अध्यक्षः चौधरी चांद राम जी टैक्स तो पहले ही लग चुका है वे तो सिर्फ डेट ही बदल रहे है ।

चौधरी चान्द रामः हां जी मै भी यही जिक्र कर रहा हूं । इन्होने आरजी तौर पर अन्दाज लगाया है कि अगर 3 अगस्त, 1973 की बजाए इसे 16 जून 1973 से लागू कर दिया जाए तो उस से चार या पांच करोड़ रूपए की आमदगी होगी । जब यह पिछली डेट से टैक्स लेंगे तो क्या उससे जमीदारों को कोई फर्क नही पड़ता ? एक फसल का तो सरकार उन से और टैक्स लेगी । आप तो छोटे किसानो पर, जो अनाज पैदा करते है, टैक्स लगा रहे है, यह समाजवाद कैसा हुआ ? समाजवाद का मतलब यह होता हे कि जो ऐक्चुअल प्रोड्यूसर होता है, जो लोग हाथ से काम करते है उनके उपर टैक्स न लगाया जाए । लेकिन आज उनकी मेहनत पर आप टैक्स लगा रहे है । आप उनको ऐग्जैम्पट नही करते । जब मै रैवैन्यू मिनिस्टर था तो मैने पांच एकड़ वालो का मामला भी मुआफ कर दिया था लेकिन आज जब जाट चीफ मिनिस्टर आया है तो वह कहता है कि हम तो टैक्स लगा कर किसानो की कमर तोड़ेगे और हरिजानो का जमीन से सम्बन्ध ही क्या है ?

श्री अध्यक्षः यह बात कौन कहता है ? इसमे कोई ऐसी बात नही है ।

चौधरी चान्द रामः मै तो एक बात कह रहा हूं केवल समझाने के लिए लेकिन आप समझते नही है ।

श्री अध्यक्षः मै सब कुछ समझता हूं । आप रैलेवेंट बोले, नही तो फिर आप शिकायत करेंगे कि मुझे बोलने नही दिया जाता । इसलिए मै आप से यह निवेदन करूंगा कि आप रैलेवेंट बोले ।

चौधरी चान्द रामः तो स्पीकर साहब मै यह कर रहा हू कि पांच एकड़ तक जिन की जमीन है उनको मुआफी होनी चाहिए .

Pandit Chiranji Lal Sharma: Mr. Speaker, he is laboring under an illustion. Probably, he thinka he is speaking on the Appropriation Bill. He is not to blame. (Laugter -----)

चौधरी चान्द रामः हां तो मेरे मास्टर भी आप लगेंगे । मै और आप तो एक साथ पढे थे और शायद मै आप से कमजोर भी नही था पढाई लिखाई मे । तो खैर स्पीकर साहब मै कह रहा था कि चार पांच करोड़ रूपए के टैक्स लगा देंगे और फिर उनको बैक डेट से लगाना कैसे मुनासिब है । मै कहता हूं कि बैक डेट से टैक्स लगाना किसी भी तरह से जायज नही है । हमेशा टैक्स आगे की डेट से लगता है, किसी कानून मे टैक्स बैक डेट से नही

लगता । यह हिस्ट्री मे पहला मौका है कि हरियणा स्टेट का जाट चीफ मिनिस्टर काश्तकारों पर टैक्स लगा रहा है और बैक डेट से लगा रहा है और कहने को यह कहते थकते नही कि हम सोशलिज्म ला रहे है।

श्री अध्यक्षः चौधरी चांद राम जी आप रेपीटीशन न करे ं।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, मै आखिर मे इतना कह कर अपनी स्पीच खत्म करता हूं कि यह सरकार प्रोड्यूसर्ज की सरकार नही है, यह नौन प्रोड्यूसर्ज की सरकार है ।

चौधरी शिव राम वर्मा (नीलोखेड़): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, यह लैड टैक्स बिल मे अमैडमैंट करने की जो बात आई है, इस मे पहले 30 अगस्त से टैक्स लगाने की बात हुई थी लेकिन बाद मे आडिंनैस जारी करके इस को जून 1973 से बैक डेट से लगाया गया और उस के लिए आज यह बिल हमारे सामने पेश किया गया है । मै कहता हूं कि महकमें के जो बड़े बड़े अफसर है जब वे इस बात को नही समझते कि टैक्स कैसे लगाना है तो जो पटवारी है वे इस के बारे मे क्या समझगे ? किसी को इस बात का पता नही है कि यह टैक्स किस जमीन पर लगना है और कैसे लगेगा क्योकि अभी तक जमीन के बारे मे ये बातें साफ नही है कि कौन सी जमीन पूरी नहरी है, कौन सी चाही है और कौन सी बरानी है। जब तक यह सारी बाते पहले कलियर नही हो

जाती तब तक टैक्स कैसे लगाया जा सकता है? स्पीकर साहब,मै समझता हूं कि यह टैक्स तो ऐसे है जैसे सैटर का तम्बाकू टैक्स है । वे एक किल्ले पर एक हजार भी लगा देते है और अगर किसी जमींदार ने कुछ रिश्वत दे दी तो कम लगा देते है । तो बिल्कुल उसी तरह से इस केस मे भी पटवारी करेगे। इस जल्दबाजी में मै समझता हूं कि किसानों पर टैक्स का ज्यादा दंड लगेगा और वह बेचारा जमीदार जो हल चलाने वाला है वह कचहरियों मे चक्कर काटता फिरता रहेगा और फिर उसका फैसला पता नहीं कब होगा। इस से किसान को बहुत मुश्किल पेश आएगी क्योकि उस की जमीन भी कुर्क हो सकती है। इसलिए मै कहूंगा कि आप इस को कम्पलीकेटिड न बनांए और बैक डेट की बजाए इसे आप 16 जून, 1974 को लागू करे और उस वक्त तक जमीन की ग्रेडिग का काम मुकम्मल करलें । वरना अगर बैक डेट से आप अन्धाधुन्ध टैक्स किसानों पर लगायेगे क्योंकि वह बेजबान है, तो बिल्कुल नामुनासिब बात होगी । पिछले सारे साल मे सिवाए किसानो के किसी और पर भी टैक्स नही लगाया गया । जितने भ इन्डायरैक्ट टैक्स है वे सब भी किसानों को ही देने पड़ते है और यह पांच करोड़ रूपए के टैक्स तो सीधे किसानों पर ही लगे है । यह ऐसे टैक्स है जिस का हिसाब किताब ही कोई नही है । मुझे पता है कि बाद मे जब मंत्री महोदय जवाब देंगे तो वे कहेंगे कि हम ने बिल्कुल सारा हिसाब किताब कर लिया है। (इस समय सभापतियों की सूची मे से एक सदस्य चौधरी ईश्वर सिंह पदासीन हुए) लेकिन उसके अन्दर कितने मुकदमे कचहरियों से जायेंगे,

कितनी लोगों की दिक्कते तकलीफे होगी और कितनो को इसमे नुकसान पहुचेगा उसका अदांज आज नही लगाया जा सकता है इसलिए इतनी जल्दबाजी नही करनी चाहिए । और इस बात की जिद सरकार मे नही आनी चाहिए कि चुंकि आडिनैस जारी कर दिया इस लिए 16 जून, 1973 से जरूर ही वसूली करनी है बल्कि आप इस सारी बात को ठंडं दिमाग से सारी पेचीदगियों का ध्यान मे रखते हुये सोचे । अव्वल तो यह टैक्स बहुत भारी है, इससे बहुत सी छीके किसानों को आयेगी । और न सिर्फ छींके ही आयेंगी बल्कि चक्कर आयेंगे जब उनके सामने फर्द आयेगी कि इतना टैक्स देना है । फिर अगर फर्द भी ठीक से नही होगी तो आप खुद ही देख ले कि उनके साथ कितनी भरी से इनसाफी होगी इसलिए मै निवेदन करता हूं कि जब त यह सारा हिसाब किताब ठीक नही हो जाता तब तक इसे लागू करना चाहिये । अगर हिसाब साफ हो जाए तो इसे जून, 1973 से लागू किया जाये और अगर हिसाब साफ न होतो फिर इसे और आगे सरकाना चाहिये और जल्दबाजी नही करनी चाहिये ।

राजस्व मन्त्री (पडित चिरजी लाल शर्मा): चैयर मैन साहब, इस अमैडिंग बिल पर बोलने और जवाब देने की कोई खास जरूरत नही थी लेकिन अपोजीशन के मुआजिज मैबरान ने इस पर बहुत कुछ कह दिया और वह कुछ कहा जा तजरूवाकार मैबारान को इस अमैडिग बिल पर कहने की जरूरत नही थी । यह एक फोरम है और बहुत अच्छा फोरम है अपनी दिमागी ख्यालात

और तस्सरात का इजहार करने के लिये लेकिन यह जो एक हरफा अमैडमैंट है कि 16 अगस्त, की जगह 16 जून करना है उसको लेकर उस पर जो दिल के गुबार थे वे सारे निकाल दिये चाहे बात कोई नही बनती थी । गवर्नमैंट को अपोजीशन का क्रिटिसिजम सुनना चाहिये यह मै मानता हूं और गवर्नमैंट अपोजीशन का क्रिटिसिजम सुनना चाहती है और उनके जा अच्छे सुझाव हो उनका मै जाती तौर पर स्वागत करता हूं लेकिन जिस तरीके से हेराफेरी करके बिल कुछ था और बाते कुछ कही गई यह कोई अच्छा क्रिटिसीजम नही कहा जा सकता और इस वजह से मझे इस पर बोलने पड़ रहा है वरना कोई जरूरत नही थी । शायद अपोजीशन के फाजिल मैबरान को इस बात का पता नही कि किसानो को ऐग्रीकल्चरल इन्कम टैक्स से बचाने के लिये यह ऐक्ट पास किया गया था वरना आप राज कमेटी की जो इस बारे मे रिकमैडेशंज है उनको पढे । आप साउथ मे जाये वहां पर ऐग्रीकल्चर इन्कम टैक्स लगा हुआ है । अगर ऐग्रीकल्चर इन्कम टैक्स लगे तो आप देखे कि अनपढ किसानो को इन्कम टैक्स का सारा हिसाब मैनटेन करना पड़ेगा इतने सारे रजिस्टर रखने पडेगे और मुनीमा रखना पडेगा और सारी चीजो का हिसाब रखेगा कि कितनी खाद पड़ी कितना बीज पड़ा कितना पानी का और दूसरे सारे खर्च करने पड़े और कितनी पैदावार हुई । अगर ऐसा करना पड़ता ता`आप समझ सकते है कि किसानों को कितनी दिक्कतों का सामना करना पडता था तो उनको इन सारी परेशानियों से बचाने के लिए राज कमेटी की रिकमैडडेशन को एक तरीके से

अवायड भी कर दिया और उन से किसानो को परेशानिया आनी थी उन से बचा भी दिया और उनको इम्पलीमैट भी कर दिया । साउथ मे आप देखे वहां पर औवर एंड अबव लैड रैवेन्यू ऐग्रीकल्चर इन्कम टैक्स भी लगा हुआ है मै जो बात कहूंगा निहायत जिम्मेदारी से कहूगां क्योंकि मै साउथ मे ही कर आया हूं

चौधरी चान्द रामः अगर वह अपने किसानों को मारते है तो क्या आप भी मारेगे ?

पडित चिरंअी लाल शर्माः हम ने उनको मारने की नही बचाने की बात की है और इसलिए यह ऐक्ट पास किया है

चौधरी चांद रामः आप साउथ की बात कर रहे है साउथ मे मैसूर, केरल, आन्ध्रप्रदेश बगैरा भी है जहां काग्रेसी सरकारे है और तमिलनाडू भ है जहां पर गैर काग्रेसी सरकार है । तो हम तामिलनाडू के बारे मे पूछते है वहां पर क्या है ?

पडित चिरंअी लाल शर्माः I am not wrong. although I am subject to correction, तमिलनाडू मे औवर एंड अबव लैड रैवेन्यू ऐग्रीकल्चर इन्कम टैक्स है यह मै जानता हूं क्योंकि मै उधर बंगलौर की तरफ गया था और मझे वहां के रैवेन्यू मिनिस्टर साहब से मिलने का मौका मिला था । उन्होने मुझे बताया कि वहां पर उनके ऐग्रीकल्चर इन्कम टैक्स लगा हुआ है । ये कहते है कि किसानों पर इतना टैक्स बढा दिया लेकिन मै अर्ज करता हूं कि हम ने इस खूबसूरती मे यह ऐक्ट पास किया कि राज कमेटी की

रिकमैडेशंज पर भी अमल कर दिया और ऐग्रीकल्चर इन्कम टैक्स से जो परेशानियां किसानेा को होनी थी उन से भी उनको निजात दिला दी मगर बजाये गवर्नमैंट की तारीफ करने के यह इस मूरवे इल्जाम ठहारते है और कहते है कि 16 अगस्त की बजाये 16 जून क्यो कर दिया? यह जो मेरे दाये बैठे है यही जमीदारो और किसानो के हमदर्द नही है मैने भी जमींदार घराने मे जन्म लिया है और यह सरकार जमींदारो किसानों की सही हमदर्द है जिसका नमूना आपके सामने है कि इस सरकार ने किसानो की बहबूदी के लिये वे काम किये है जो आज तक किसी सरकार ने नही किये है और उनको ज्यादा से ज्यादा सुविधाये दी है । आप देंखे कि चार करोड़ रूपये आब्याना के मिलते है लेकिन यह सरकार साढे ग्यारह करोड़ रूपये किसानों के लिये रिलीफ नही है ? आप देखें आज यह सरकार किसानो को पैदावार बढाने के लिये खाद,बीज, टयूबबैल्ज, पम्पिंग सैट्स , बिजली बगैरा की कितनी सुविधाये दे रही है जो आज तक किसी सरकार ने नही दी थी ं इन सुविधाए की वजह से जिस जमीन की कीमत पहले सौ रूपये बीघा थी आज उसकी किमत दो हजार रूपये बीघा तक हो गई है और जिस जमीन मे पहले 10/15 मन पैदावार होती थी उसी जमीन मे अब इन सुविधाओ की वहज से गदंम की पैदावार 40/50 एकड़ की हो गई है तो मै अर्ज कर रहा था कि जब यह ऐक्ट पास हुआ था उस वक्त काफी इस पर बहस हो चुकी थी कि माल बढाया जाये या न बढाये जाये और कितना बढाया जाये लेकिन आज फिर इस छोटे से अमैडिंग बिल पर वही बाते घुमा फिरा कर इधर उधर के

इशारे करके की गई जो नही की जानी चाहिए थी जनसंघ के एक माननीय सदस्य ने कह दिया और बड़ा स्ट्रेस किया कि जितनी तरक्की हो रही है वह किसानो के कंधो पर ही हो रही है मै बताना चाहता हूं कि पहले हरियाणा मे 70 लाख रूपये मालगुजारी मिलती थी और फिर उस पर सरचार्ज , स्पैशल सरचार्ज बगैरा दूसरे टैक्स थे जिस से एक करोड़ 62 लाख रूपये मिलते थे और अब इस ऐक्ट के पास हो जाने से यह रकम चार करोड़ रूपये हो गई है । या हो जाने की सम्भावना है । अब आप अन्दाज लगाये कि यह मालगुजारी कब मुकरर्र हुई थी । 1881 मे यह ऐक्ट बना था और 1909–10 मे बंदोस्त हुआ था । उस वक्त से आज तक आप देख ले कितने तरक्ती के काम हुये है और किसानो की कितनी आमदनी सरकार की तरफ से दी सुविधाओ की वजह से बढी है इस सरकार ने जितने तरक्कियाती काम किसानो के लिये किये है और उनको पैदावार बढाने और आमदनी बढाने की जितनी सुविधाये इस सरकार ने दी है उतनी किसी सरकार ने नही दी और सारे हिन्दुस्तान मे किसी ने इतनी सुविधाए नही दी है आप सिंचाई के साधनो को ही देख ले कितने दिए गए है? उनके लिए एक लाख 17 हजार टयूबवैल्ज लगाए गए है, औगमैटशन कैनाल्ज बनाई गई है, सीपेज को रोकने के लिये जिसके रूकने से पानी भी बढा और सेम भी रूकी नहरो को पक्का किया गया है और किया जा रहा है, और भी नहरे बनाई जा रही है जिन से सुखे खेतो को पानी मिलेगा और किसानो की पैदावार बढने से आमदनी बढेगी । आखिर ये जो इतने तरक्की के काम किसान के लिये हुये

है और हो रहे है उनके लिए पैसा भी आना चाहिये । तो अगर किसान अपनी इतनी बढी हुई आमदनी मे से कुछ हिस्तसा तरक्कियाती कामो के लिये दे दे तो कोई बुरी बात नही है। अगर हम ने प्रांत की तरक्की करनी है तो कब तक हम दूसरो के दस्तेनगर रहेंगे और पैसा मागते रहेंगे । किसान को सुविधाओ देने के लिये और उसकी आमदनी बढाने के लिये अगर उस पर थोड़ा बोझ डाल देते है तो इस पर आपति नही होनी चाहिये । हमारा जमीदांर और किसान जहां अपने राइट्स को समझता है वहां उसे अपनी जिम्मेदारियो का भी एहसास है और एस ने इस ऐक्ट बनने पर इस के खिलाफ कभी लबकुशाई नही की ओर सदाये एहतजाज बुलंद नही की । हमारे भाई जिन्होने डिस्ऐप्रूवल का प्रस्ताव पेश किया वह जमींदारो, किसानो के ज्यादा हमदर्द बनते है मै हैरान हूं कि जो भाई मालगुजारी देते नही है वही ज्यादा हमदर्द किसानो के बन रहे है । वैसे खेती बाड़ी से और किसानो से इनका कोई ताल्लुक नही है ।

चौधरी राम लाल वधवाः हमारा ताल्लुक है, हमारे पास जमीन है।

पडित चिरंजी लाल शर्माः मजदूर मेहनकश है, वह खून पसीने की कमाई करता है चेयरमैन साहब, माननीय सदस्य चौधरी दल सिंह ने एक चीज कही, इन्तकाल के बारे मे । इन्तकाल बडी माकूल चीज है मे आपको इस बात का आश्वासन देना चाहता हूं कि हमने रैवेन्यू आफिसर्ज को पहले ही हिदायत कर दी और अब

फिर हिदायत कर दी जाएगी क्योंकि मालगुजारी वसूल करना हमारी जिम्मेदारी है । हमारे अफसरान की यह जिम्मेदारी है और हमे अहसास है कि जब तक रैवेन्यू रिकार्ड कम्पलीट नही होगा तब तक आपति अफसारन को भी होगी और जमीदारो को भी होगी । हमने इसके बारे मे इन्स्ट्रकशन्ज भेज दी है कि जिसकी म्यूटेशन पैडिग है उनका जल्दी से जल्दी फैसला करने तकमील तक पहुचाया जाए । यह सुजैशन उनकी बडी माकूल है ।

चौधरी राम लाल वधवाः तारीख कौन सी फिक्स करेंगे ?

पडित चिरंजी लाल शर्माः जितनी भी ट्रासफर ऐप्लीकेशन पैडिग है उन को जल्दी से जल्दी कम्पलीट किया जाए, ऐसी हिदायते जारी कर दी है । जहां तक तारीख का सवाल है, स्टेटमैंट आफ आब्जैक्ट्स एंड रीजन्ज मे बडा साफ साफ लिखा हुआ है

''According to section I (3) of the Haryana Land Holdings Tax Act, 1973, this Act is to come into force on such date as teh State Government may, by notification , specify, so it was enforced, through notification with the effect from 30th August, 1973. But since the land revenue and other Government dues were colected from tht Agricultural year starting form 16th June every year, it was considered essential to collect the land tax for the complete Agricultural Year. Consequentyl the Haryana land Holdings Act, 1973 was

enforced with effect from 16th june 1973 through Ordinacne, as at that time the Vidhan Sabha was not in session''

चौधरी चान्द रामः क्या भूल हो गइ थी ?

पडित चिरंजी लाल शर्माः यह भूल नही थी । यह ऐसे था जैसे ऐप्रोप्रिएशन बिल पास होने के बाद माननीय सदस्य ऐप्रोप्रिएशन बिल पर बोलते रहे यह तो अमैडिग बिल था लेकिन सब कुछ कह गए । भूल वाली कोई बात नही है, यह मामूली सी बात है लेकिन आपने इसका अफसाना बना दिया। मै सदन का ज्यादा टाईम नही लेना चाहता, इतना ही कहूगां कि जो तजवीजे हमारे पास आई है उन के बारे मे हिदायत जरूर कर देगे।

Mr. Chairman: Question is

That this House disapproves the Hayana land Haoldings Tax (Amendment) Ordinance, (Haryana Ordinace No, 4 of 1973) [भूमि जोत कर (संशोधन) अध्यादेश (1973 का हरियाणा अध्यादेश सं0 4)

The motion was lost.

Mr Chariman: Question is

That the haryan Land Holdings Tax (Amendment) Bill [हरियाणा भूमि जोत कर (संशोधन) विधेयक]

The motion was carried.

Mr Chariman: The House will now take up the Bill clause by clause.

Sub Class (2) of Clause 1

Mr Chariman: Question is

That sub clause (2) of clause 1 stand part of Bill.

The motion was carried.

Clause 2

Mr Chariman: Question is

That clause 2 stands part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr Chariman: Question is

That Clause 3 stands part of the Bill.

The motion was carried.

Sub Class (2) of Clause 1

Mr Chariman: Question is

That sub clause (1) of clasue 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enactin Formula

Mr Chariman: Question is

That encting formula be the enacting fromula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr Chariman: Question is

That title be the title of the bill.

The motion was carried.

Pandit Chiranji Lal Sharma: Sir, I be to move-

That the Haryana Land Holdings Tax (Amendment) Bill [हरियाणा भूमि जोत कर (संशोधन) विधेयक] be passed.

Mr. Chariman: Motion moved—

That the Haryana Land Holdings Tax (Amendment) Bill [हरियाणा भूमि जोत कर (संशोधन) विधेयक] be passed.

चौधरी दल सिंहः चेयरमैन साहब, मै मंत्री महोदय के नोटिस मे एक बात लान चाहता हूं । खेतो मे नहर का पानी लगता है और कुओ का पानी भी लगता हे कुंए का पानी वहां लगता है जहां नहर का पानी कम लगता है और ट्यूबवैल का पानी भी वहां लगता है जहां नहर का पानी कम लगता है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जहां पर कुंए और ट्यूबवैल का पानी लगता है उसको क्या नहरी करार देगे या चाही करार देगे ताकि टैक्स ठीक हिसाब से लगे? कृपया इस चीज का ध्यान रखे ।

चौधरी राम लाल वधवा: जो केसिज पैडिग पडे हुए है उन को पूरा करने के लिये आर्डर कर दिए जाऐगे, यह बात तो ठीक है इसके साथ ही साथ आप यह विश्वास दिलाए कि टैक्स भी उस तिथि से लेगे जिस तिथि को म्यूटेशन मुकम्मल हों। यह न हो कि चार पांच साल का टैक्स उन पर आयद कर दिया जाए और इतना बडा बोझ बरदाश्त न कर सके ।

Pandit Chiranji Lal Sharma: Mr. Chariman, perhaps my hon friend does not know that mutation does not vreat rights. it is sumply completion of revenue revord.

जहां तक प्रोप्राइटरी राईट का सवाल है, वह तो बाई रजिस्टर्ड डीड ट्रास्फर हो जाते है जहां तक गिरदवारी का ताल्लुक है, हमने सारे हरियणा के डिप्टी कमिश्र्ज की मिटिग बुलाकर उन्हे यह हिदायत जारी कर दी गई कि स्पैशल गिरदावरी करवाई जाए । हालांकि गिरदवारी इस महीने मे होनी थी लेकिन लैड टैक्स के लिए स्पैशल गिरदवारी करवाई है और उसकी हड्रैर्ड परसैट चैकिग कानूनी करेगे। तहसीलदार नायब तहसलीदार सभी इसी काम पर लगाए गए है ऐसी चीज नही होगी जिससे किसी को शिकायत करने का मौका मिले । (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

Mr. Speaker: : Question is

That the Haryana Land Holdings Tax (Amendment) Bill [हरियाणा भूमि जोत कर (संशोधन) विधेयक] be passed.

The motion was carried.

दी पजांब शुगरकेन (रैगुलेशन आफ परचेज एण्ड सप्लाई) हरियणा अमैडमैंट बिल, 1973

Agriculture Minister(Chaudhri Bhajan Lal): Sir, I beg to inroduce the Punjab Sugarcane (Regulation of purchase and Supply) Haryana Amendment Bill [पजांब गन्ना (क्रय तथा प्रदाय का विनियमन) हरियाणा संशोधन विधेयक] 1973.

Sir, I also be to move

That the Punjab Sugarcane (Regulation of puchase and Supply) Haryana Amendment Bill [पजांब गन्ना (क्रय तथा प्रदाय का विनियमन) हरियाणा संशोधन विधेयक] be taken into consideration at once.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ––

कि पजांब गन्ना (क्रय तथा प्रदाय का विनियमन) हरियाणा संशोधन विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

चौधरी दल सिंहः आदराणीय स्पीकर साहब, पजांग शुगरकेन(रैगलेशन आफ परचेज एण्ड सप्लाई) बिल तरमीम करने के लिए सदन मे पेश किया गया है बिल के उदेश्य और कारणो के विवरण मे यह कहा गया है कि अगर कोई किसान या सोसाइटी, शुगर मिल का गन्ना नही देती तो केन–कमिश्नर की ऐप्रूवल पर एजैट गन्ना बाहर से खरीद सकता है एक तरफ तो ये इस सैक्शन मे तरमीम कर रहे है ओर दूसरी तरफ पाबन्दी लगाई

है कि ऐसा करने से पहले सरकार की इजाजत ले । यहां तक तो यह तरमीर ठीक है लेकिन इसके आगे एक नया सैक्शन जोड दिया है जो सैक्शन 15 है ओर उसमे लिखा है कि–

"As soon as canc is supplied to a factory, the occupier of such factory shall be liable to pay the price of cane so supplied"

इसमे कोई पीरियड फिक्स नही किया कि कब गन्ने की कीमत देगे । इसके सब सैक्शन 3 मे यही बात है कि अगर 14 दिन तक फैक्टरी का मालिक पैसे न दे तो इन्ट्रैस्ट देना पड़ेगा लेकिन इसमे पीरियड मुकरर्र नही किया । एक किसान जो अपना गन्ना बेचता है वह अपनी जरूरत के लिये बेचता है, उनको पैसा चाहिए और अगर साहूकार पैसा न दे और उसके बदले मे सूद देता रहे तो किसान को अपनी रकम नही मिलेगी । इस रकम को अदा करने के लिये डैफिनिट डेट होनी चाहिए कि फलां दिन तक गन्ने की कीमत जरूर देनी पड़गी । अगर इस पीरियड के अन्दर अन्दर साहूकार पैसा न दे तो उस पर पैनल्टी होनी चाहिए कि इतना जुर्माना देना पड़ेगा । फैक्टरी के औनर पर पैनल्टी होनी चाहिए । अगर इसी हालत मे बिल सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। गन्ने की किमत दिलाने के लिए लाजमी तौर पर कोई न कोई वायदा किया जाए ताकि किसानो को ठीक वक्त पर गन्ने की कीमत मिल सके । अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि इसमे सूद का प्रोविजन रखा है लेकिन इसमे भी लकूना है । इसमे यह तो कह दिया है कि सूद 12 परसैट से ज्यादा नही होगा लेकिन

यह नही कहा कि कम से कम सूद कितने परसैट होगा । इस बात का गवर्नमैट अभी डिटरमिन करेगी कि सूद कितना होगा। यह तो लिगर आन करने की बता है । इसमे यह बात भी साफ तौर पर आ जानी चाहिए थी कि इससे कम सूद नही होगा। इसके साथ साथ इसमे पीरियड का न देना कि कितने दिन के अन्दर फैक्टरी औरनर किसान को सूद के साथ साफ पेमैट देगा यह जाहिर करता है कि गवर्नमैंट कहेगी कि जैसे सरकार प्रैसक्राइब करेगी । वैसे कीमत मिलेगी । यह पीरियड भी स्पैसिफिकली यहां आ जाना चाहिए था जैसे कि 14 रोज का पीरियड रखा है कही ऐसा न हो कि ब्याज से ही काम चलता रहे और किसान को कीमत न मिले । इसलिये मै गुजारिश करूगा कि इन सारी बातो का कानून बनना चाहिए कि अगर फैक्टरी के मालिक लाजमी तौर पर किसान को स्पैसिफिक पीरियड मे कीमत न दे तो जुर्माना भी दे और सूद भी दे। फिर तो मतलब पूरा हो सकता है वरना इस तरमीम का कोई फायदा नही है बस, मै इतना ही कहना चाहता हूं ।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हुए)

श्री अध्यक्षः चौधरी शिव राम वर्मा ।

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः स्पीकर साहब, मै पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन के लिए वक्त चाहता हूं । चाहे आज दे दे कल देना चाहे कल दे दे या परसों दे दे ।

श्री अध्यक्षः पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन किस बात का ?

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः करैक्टर असैसीनेशन के जवाब मे कि फला चीज बन जाए तो रिश्वत लेंगे और फंला चीज बन जाए तो यह करेगे ।

श्री अध्यक्षः छोडिए अब तो गई आई हुई बाते ।

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः छोडिए क्यो, पसर्नल ऐक्सप्लेनेशन देना मेरा हक है ।

श्री अध्यक्षः आप बैठिये । मै शिव राम जी का नाम बोल चुका हूं ।

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः मुझे कल समय दे दे परसो दे दे। जब आपको कबिनियंट हो तब दे दे ।

श्री अध्यक्षः बैठिए आप ।

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः आप सैकैटरी साहब से पूछिए । इसका दस्तूर यह है कि जैसे ही हाउस मे एन्टर होता हूं मुझे आपके नोटिस मे लाना चाहिए । उसके बाद आपकी डिसक्रिशन है कि आप अपनी कविनियस के मुताबिक मुझे टाईम दे।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाईए । इनको बोलने दीजिए । मै इनका नाम पुकार चुका हूं ।

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः मै भी अपने राईट की मांग कर रहां हूं । मेरा प्रिवलेज है रिक्वैस्ट करना कि मुझे पर्सनल ऐक्सपलेनेशन के लिए समय दिया जाए ।

श्री अध्यक्षः मै कोई टाईम नही देता ।

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः दूसरो का आप क्रेक्टर असैसीनेशन होने देत है । जब मै पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन के लिए टाईम मांग रहा हूं तो दे नही रहे है

श्री अध्यक्षः आपने मेरी रूलिग चाही थी वह मै दे चुका हूं ।

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः मुझे आपी रूलिग नही चाहिए, मुझे पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन देने के लिए टाईम चाहिए ।

श्री अध्यक्षः आप बोलिए वर्मा साहब ।

चौधरी शिव राम वर्मा (नीलोखेड़ी): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, इस वक्त गन्ना अधिनियम मे सशोधन की बात हमारे सामने है इसमे जहां मिल के साथ किसान या किसाने को कोआप्रटिव सोसाइटीज यह ऐग्रीमैंट करने की पाबन्द है कि मिल एरिया के अन्दर जो गन्ना हो वह उन्हे मिल को देना पड़ेगा, इसी तरह से इसमे साथ ही यह भी संशोधन होना चाहिए कि मिल भी पाबन्द होगा किसानों का सारा गन्ना लेने को जितना कि वे देना चाहे क्योकि कई बार ऐसा होता है कि यदि गन्ना कम होतो मिल

वाले लोगो के कोल्हू भी बंद करवा देते है, सारा गन्ना ले लेते है और वे बेचारे अपने खने के लिए भी गुड नही बना पाते लेकिन गन्ना यदि ज्यादा हो तो फिर मिल उनका गन्ना नही लेती, वह गन्ना खेत मे खड़ा रहता है कई बार अगले साल तक खड़ा रहता है और उनकी सारी मेहनत जाया जाती है । इसलिए इसमे भी जरूर संशोधन आना चाहिए । तभी समस्या हल होगी वरना हर साल मुश्किल आती रहेगी ।

इसके अलावा, अध्यक्ष महोदय चौधरी दल सिंह जी ने एक बात कही कि गन्ने की कीमत देने की कोई तिथि निश्चित नही की गई । उन्होने कहा कि यह ठीक है कि यदि 14 दिन के अन्दर अन्दर मिल वाले किसान को कीमत न दे पाऐ तो 12 पसैट तक का सूद देगे लेकिन कम से कम कितना सूद देगे यह भी निश्चित हो जाना चाहिए था । फिर उन्होने कहा कि कुछ दिन मुफरर्र होने चाहिए जिसके बाद पैनल्टी और सूद दोनो लिए जाएं । लेकिन मै कहूगा कि भले ही सूद भी हो और कुछ दिनो के बाद पैनल्टी भी हो लेकिन फिर भी तिथि निश्चित हो कि इतने दिनो के अन्दर अन्दर गन्ने की कीमत देनी ही पड़ेगी । कही ऐसा न हो कि पेनल्टी भी होती रहे और सूद भी पड़ता रहे मगर किसानेा को उनके गन्ने की कीमत न मिले । किसानो मे मुकदमाबाजी करने की हिमम्त नही है । इसलिए इसमे कोई न कोई तिथि चाहे 14 दिन की हो,20 दिन की हो,25 दिन की हो या एक महीने के बाद की हो जरूर होना चाहिए और इसमे लिखा

होना चाहिए कि इतने दिन मे जरूर मिल को पैसा देना पड़ेगा सूद के साथ और पैनल्टी के साथ । इसके साथ एक बात जो बहुत जरूरी मै समझता हूं वह भी इसमे आनी चाहिए । यह संशोधन भी अगर सरकार आज कर से तो आज कर ले वरना बाद मे जब कर सके तक कर ले । यह बात यह है कि गन्ने की कीमत सीजन से पहले बाजार मे जिस भाव से खुली चीनी बिकती है उसके हिसाब से पहले से निश्चित की जानी चाहिए । केन्द्रीय सरकार तो कम से कम कीमत मुकर्रर करती है लेकिन उसके बाद प्रान्तिय सरकार का `अपने यहां काी परिस्थियो को देखते हुए कीमत मुकर्रर करती है लेकन उसके बाद प्रान्तीय सरकार को अपने यहां की परिस्थियो को देखते हुए कीमत मुकरर्र करनी चाहिए । केन्द्रीय सरकार ने तो मिनिमम कीमत 8 रूपए मुकरर्र कर रखी है लेकिन गन्ना 18–19 रूपए क्विटल भी बिका है और 10–12 रूपये बिका है । तो इसके लिए सरकार को चाहिए कि हर वर्ष गन्ना पिलाई का समय आने से पहले ही चीनी के बाजार के खुले भाव को ध्यान मे रखते हुये उसके तथा महंगाई के साथ गन्ने का भाव जोड़कर निश्चित किया जावे । इस प्रकार न करने के कारण ही तो सरकार से बातचीत करके पहले ही यह घोषणा कर दे कि मेरी स्टेट की जो मिले है वे कम से कम इस भाव से गन्ना खरीदेंगी यह किमत मै फिर एक बार कह दू कि बाजारी भाव से बिकने वाले चीनी से तालमेल बिठाकर किसान को चाहिए । यही दो तीन बाते स्पीकर साहब मै सरकार के नोटिस मे लाना

चाहता था। आशा है कि सरकार इन पर ध्यान देगी और इस तरह का संशोधन जरूर लाएगी ।

श्री ओमप्रकाश वर्मा: आदरणीय स्पीकर साहब, मै आपको मार्फत एक दो बाते सदन से कहना चाहता हूं ।

श्री अध्यक्ष: जो बाते कही जा चुकी है उनके अलावा यदि कहना चाहते है तो ठीक है ।

श्री ओमप्रकाश वर्मा: स्पीकर साहब, ये जो गन्ना लेने के सैटज्र बनें हुय है ये बहुत पुराने बने हुए है । जब हरियाणा मे सड़के ही नही थी तब ये सैटर्ज पक्की सड़को के आस पास बनाए गए थे । अब हरियाणा मे ज्यादातर गांव मे भी सड़के पहुच गई है। इसलिए सैटर्ज को भी नए तरीके से बनाया जाना चाहिए । कहां कहां और सैटर्ज बनने चाहिएं इस और सरकार का कदम उठाना चाहिए ।मिसाल के तौर पर लाडवा के आस पास मेहरा, गुड़ा या धान्धला इनमे से किसी एक जगह सैटर अवश्य बनना चाहिए । मिल भी जल्दी से जल्दी चलने चाहिए और अप्रैल तक सारा काम खत्म हो जाना चाहिए, क्योकि उसके बाद गन्ना खेतो मे रह नही सकता। गन्ने की कन्ट्रोल करना, इकट्ठा करना और भेजना बहुत कठिन होता है । पिछले साल 28 अक्तूबर को मिल्ज चल पड़े थे और इसकी वजह से गन्दम की सोईग बहुत अधिक हुई थी। हजारो टन गन्दम बिका था। अग के मिल्ज लेट चल रही है । ये भी जल्दी चलनी चाहिए । बस मै यही कहना चाहता हू।

चौधरी चान्द राम (बबैन अनूसूचित जाति): स्पीकर साहब, मै ज्यादा समय नही लेना चाहता लेकिन दो चार बाते इस सम्बन्ध मे करना मै जरूरी समझता हूं । एक बार एक सवाल हमने किया था और कृषि मंत्री ने जवाब दिया था कि शुगर मिल्ज की तरफ कोई एरियर नही है उस वक्त भी हमने सवाल इसलिए किया था क्योकि जमींदार ही एक ऐसी क्लाज है जिसमी चीज उधार मे ली जाती है चाहे उसे कोई भी ले। अगर वे मंडी मे अपनी चीज ले जात है तो दयाल उसे उधार मे ले लेते है, नकदी मे नही लेते है अगर शुगर मिल्ज को वह गन्ना दे तो वे 14 दिन तक पेमैट नही देगे ं ये इस बात को नही सोचते कि इन जमीदारो के बीच मे कुछ जमीदार ऐसे भी होगे जो केवल एक किल्ले या दो किल्ले के मालिक होगे और वे गन्ना इसलिए पैदा करते है क्योकि उनका गुजारा उसी पर निर्भर होगा । आज कोई आदमी बाजार से दो पैसे की चीज उधार लाकर देख ले ।कोई उधार नही देता है । सिर्फ यही एक क्लास है जिसको एक्सप्लायट किया जाता है और एक्सप्लायट करने वालो मे सबसे बड़ी एजेंसी सरकार है । आज हमारी स्टेट मे तीन शुगर मिल्ज है । रोहतक और पानीपत वाली मिले कोआप्रेटिव मिल्ज है ।इन दोनो मे कंज्यूमर्ज के भी हिस्से है । तीसरी जो मिल है वह प्राईवेट मिल है । यह हर साल डेढ दो करोड़ मन गन्ना पेलती है । स्पीकर साहब काग्रेस पार्टी का रैजोल्यूशन है और यह बम्बई मे काग्रेस ने पास किया था कि सब शुगर मिलो का राष्ट्रीयकरण हो । मेरी समझ मे नही आता कि वह क्यो नही किया जा रहा है? यहां पर राग अलाप रहे है कि

हरियणा प्रागैसिव स्टेट है । यहां यह भी कहते है हमारे चीफ मिनिस्टर साहब बड़े अच्छे है।

श्री अध्यक्षः चौधरी चांद राम जी आप हमेशा इररैलैवैन्ट बोलते है आप जो कुछ बोलते रहे है यह बिल्कुल इररैलेवैन्ट है । यहां पर नेशनेलाईजेशन का तो कोई सवाल ही नही है।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, मै तो यही कहना चाहता हूं कि अगर इस मिल का राष्ट्रीयकरण हो जाता तो जो किसानो का एरियर पड़ा हुआ है वह कम से कम गवर्नमैंट के पास तो होता । वह तो अब एक खून चूसने वाले के पास है ।

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः स्पकीर साहब, आंख के बारे मे बोले तो रैलेवैन्सी हो सकती है उसको तो आप रोकते नही और इनको रोक रहे है।

श्री अध्यक्षः आप तशरीफ रखिए ।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, हमारे समर्थक तो आत ही है मै समझता हूं कि एक मिनट ओर दें दे । हमारे हरियाणा मे दो कोआप्रेटिव मिल्ज है एक मिल एक ही आदमी के पास है और उसी आदमी को छ साल के लिए फिर राज्य सभा का मैम्ब्र बना दिया । उस आदमी की और भी ज्यादा ताकत दे रहे है । (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप तशरीफ रखिए, आप बैठिए । मै आपको बोलने की इजाजत नही देता हूं । आप तशरीफ रखिए ।

चौधरी चान्द रामः स्पीकर साहब, मै तो यही निवेदन करना चाहता हूं यह सरस्वती शुगर मिल जो है इसका जल्दी से जल्दी राष्ट्रीयकरण कर दिया जाये ।

कृषि मंत्री (चोधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, कुछ अपोजीशन के साथियो ने इस बिल की मुखालिफत की है । वे साथी इस अमैडमैंट को जो हमने की है, समझ नही सके । एक तरफ तो ये जमीदारो के हमदर्दी के ठेकेदार बन हुए है और दूसरी तरफ ये कहते है कि इसमे जापे अमैडमैंट की है यह ठीक नही है । स्पकीर साहब, जो बिल पहले बना हुआ था उसमे कुछ कमियां थी इस अमैडमैट से हमने उन कमियो को दूर किया है । इसमे पहले यह था कि था कोई भी मिल, उस मिल के एरिया के बाहर से गन्ना लाये तो उस पर कोई पाबन्दी नही थी, उस पर अब हमने पाबन्दी लगायी है। यदि कोई मिल अब बाहर से गन्ना लायेगा तो उसको बाकयदा केन कमिश्नर से इजाजत लेनी पड़गी । ऐसा कर देने से उस एरिया के किसानो को किसी भी किस्म की तकलीफ नही होगी । दूसरो हमने जो सशोधन किया है वह यह है कि पहले यह था कि किसान का गन्ना जो मिल लेता था उसके पैसे का कोई सूद नही देता था । किसान का पैसा मिलों मे चार चार और छः छः महीने खड़ा रहता था परन्तु किसान मिल से कोई सूद नही ले सकता था अब जो हमने कानून बनाया है

उसमे यह पाबन्दी लगायी है कि किसी भी मिल की तरफ किसान का पैसा खड़ा होगा, यानी बकाया होगा तो उसको 12 परसैन्ट सूद किसान को देना पड़गा । इसलिए हमने यह जो अमैडमैट की है यह किसान के फायदे के लिए की है।

तीसरी बात यहां यह कही गयी है मिल किसानो का सारा गन्ना नही लेते है । ऐसी शिकायते हमारे नोटिस मे कोई नही आयी और हमे कोई ऐसी शिकायत नही मिली ।तीनों ही मिल हमारे ठीक चलते है । ऐसी शिकायत नही है । एक साल जरूर शिकायत थी वह भी तीन साल पहले की है अब की नही कि मिल गन्ना उठा नही रहे ।

एक बात चौधरी शिव राम वर्मा जी ने यंहा पर यह भी कही कि गन्ने की कीमत जो साढे आठ रूपये क्विटल रखी है, यह बहुत कम है । हमने तो पिछले साल भी गन्ने की कीमत बारह और साढे बारह रूपये क्विटल किसानों को दी है गन्ने की कीमत घोषित करने से पहले सारी चीजे देखते है चीनी का भाव भी देखते है और चीजे भी देखी जाती है इन सारी की सारी चीजो का हिसाब रख कर ही गन्ने का भाव हमने इस साल भी तय करना है हमेना हमेशा ही रिजनेबल रेट किसानों का दिया है किसानो को हमने शिकायत का मौका नही दिया, न ही किसी को शिकायत हो सकती है।

स्पीकर साहब, एक बात चौधरी चान्द राम जी ने एरियर के बारे मे कही । इसके लिए ही हमने सूद का प्राविजन रखा है अब किसानो के एरिचर्ज कोई खास नही है। सरस्वती मिल की तरफ केवल 81,400 रूपया खड़ा है उस मिल ने बार बार किसानों की चिट्ठी लिखी है कि आप अपना पैसा ले जाइये लेकिन बहुत से किसान ले नही जाते । अब हमने आगे के लिए यह प्रोविजन ही कर दिया है कि कोई बाकी पैसा किसान का मिल के पास होगा तो सूद देना पड़ेगा ।

चौधरी चान्द राम जी ने यहां यह कहा कि सरस्वती मिल का राष्ट्रीयकरण नही किया। जहां तक राष्ट्रीयकरण का ताल्लुक है यह तो गवर्नमैंट आफ इडिया ने करना है, उसका काम है । यह प्रान्तीय सरकार का काम नही । जहां तक इस मिल का सम्बन्ध है इस मिल के बारे मे आज तक सरकार के पास कोई शिकायत नही आयी कि उसने सरकार के साथ कभी कोआप्रेट न किया हो । जहां हमारे दो कोआप्रेटिव मिल्ज चलते है और जो भाव हम उन मिलों के लिए तय करते है । वही भाव यह प्राईवेट मिल भी गन्ने का देता है ।

एक बात श्री औमप्रकाश जी गर्ग ने कही कि जो गन्ना लेने के सैन्टर्ज है वे बहुत पुराने है । अब नयी नयी जगहो पर सड़के चली गयी है या बन रही है वहां पर भी सैन्टर्ज खोल जाये । हम इस बात को ऐग्जामिन करेंगे और जहां पर भी सैन्टर खोलने जरूरी है वहां जरूर सैन्टर खोले जायेंगे । यह तकलीफ

किसानों की दूर जरूर की जायेगी । अध्यक्ष महोदय मेरी आप द्वारा सदन से यह प्रार्थना है कि इस बिल को पास किया जाये।

श्री अध्यक्षः प्रशन यह है

कि पजांब गन्ना (क्रय तथा प्रदाय का विनियमन) हरियाणा सशांधन विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाये ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्षः अब सदन विधेयक पर क्लाज बाई क्लाज विचार करेगा ।

क्लाज 2

श्री अध्यक्षः प्रशन यह है

कि क्लाज 2 विधेयक का अंग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लाज 3

श्री अध्यक्षः प्रशन यह है

कि क्लाज 3 विधेयक का अंग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लाज 4

श्री अध्यक्षः प्रश्न यह है

कि क्लाज 4 विधेयक का अंग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लाज 1

श्री अध्यक्षः प्रश्न यह है

कि क्लाज 1 विधेयक का अंग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

अधिनियम सूत्र

श्री अध्यक्षः प्रश्न यह है

कि अधिनियम सुत्र विधेयक का अधिनियम सुत्र बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

शीर्षक

श्री अध्यक्षः प्रश्न यह है

कि शीर्षक विधेयक का शीर्षक बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

Chaudhri Bhajan Lal: Sir, I beg to move

That the Punjab Sugarcane (Regulation of Puchase and Supply)Hayana Amedment Bill पजांब गन्ना (क्रय तथा प्रदाय का विनियमन) हरियाणा सशांधन विधेयक be passed

श्री अध्यश्रः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ

कि पजांब गन्ना (क्रय तथा प्रदाय का विनियमन) हरियाणा सशांधन विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि पजांब गन्ना (क्रय तथा प्रदाय का विनियमन) हरियाणा सशांधन विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

दी पजांब ऐन्टरटेनमैट्स टैक्स (सनेमैटोग्राफ शोज) हरियाणा अमैडमैट बिल, 1973

Develppmetn Minister (Shri Shyam Chand): Sir, I beg to introduce the Punjab Entertainments Tax (Cinematograph Shows) Haryana Amendment Bill, पजाब मनोरजन कर (सिनेमैटोग्राफ प्रदर्शन) हरियाणा सशोधन विधेयक 1973,

Sir I also beg to move-

That the Punjab Entertainments Tax (Cinematograph Shows) Haryana Amendment Bill, पजाब

मनोरजन कर (सिनेमैटोग्राफ प्रदर्शन) हरियाणा सशोधन विधेयक to be taken into consideration at once.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि पजाब मनोरजन कर (सिनेमैटोग्राफ प्रदर्शन) हरियाणा सशोधन विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्षः समय कम है और सदस्य बोलना भी चाहते है । अगर सदन का समय आधा धन्टा बढा दिया जाये तो ठीक रहेगा । अभी दो विधेयक और रहते है ।

कई सदस्यः इसी समय मे ही पास हो जायेग । समय न बढाया जाए ।

श्री गुलाब सिंह जैन हिसारः स्पीकर साहब, इस बिल के द्धारा इस परसैन्ट शौ टैक्स लगाया है । इससे पहले शो की सीट्स के हिसाब से लगता था । मै यह समझता हूं कि यह जो शो टैक्स लगाया है यह ज्यादा कमाने के लिए नही है बल्कि रेशनेलाइज रकने के लिए लगाया है इन्डस्ट्री भी स्टेट मे पनपनी चाहिए, इसे भी प्रोत्साहन मिलना चाहिए । इसलिए मेरी सरकार से गुजारिश है कि इस टैक्स को ऐग्जामिन कर लें । इसके अलावा शौ टैक्स से इन्कम तो होती है लेकिन ज्यादा बोझा इस इन्डस्ट्री पर नही डालना चाहिए ।

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः स्पीकर साहब, मै भी सरकार को एक सुझाव देना चाहता हूं । जो एन्टरटैनमैंट यानी सिनेमा देखते है एक आख वाले उनकी आधी टिकट होनी चाहिए । आधा उन पर टैक्स होना चाहिए, वरना सी0एम0 साहब को ऐसी बात नही कहनी चाहिए । इतना तो मिलना चाहिए आदमी को एक आदमी एक आंख से एल0एल0बी0 भी करले, वकील भी हो जाए (हंसी)

श्री अध्यक्षः बस हो गई आपकी बात....

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः मेरा टैक्स तो माफ करवा दो आप इस .... से (हंसी)

गृह मंत्री श्री के0एल0 पीसवालः स्पीकर साहब यह.... शब्द कार्यवाही से ऐक्सपन्ज कर दिया जाए ।

श्री अध्यक्षः दौलता साहब ने शब्द जो कहा है उसको ऐक्सपन्ज कर दिया जाए ।

चौधरी प्रताप सिंह दौलताः वह तो मैने प्यार से कहा है मै इस आदमी को राजी नही कर सकता पर यह मुझे नाराज नही कर सकता यह मेरा चैलेन्ज है

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि पजाब मनोरजन कर (सिनेमैटोग्राफ प्रदर्शन) हरियाणा सशोधन विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यश्रः अब सदन विधेयक पर क्लाज बाई क्लाज विचार करेगा ।

क्लाज 2

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि क्लाज 2 विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

क्लाज 3

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि क्लाज 3 विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

क्लाज 4

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि क्लाज 4 विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

क्लाज 1

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि क्लाज 1 विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

अधिनियम सूत्र

श्री अध्यक्षः प्रशन यह है

कि अधिनियम सुत्र विधेयक का अधिनियम सुत्र बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

शीर्षक

श्री अध्यक्षः प्रशन यह है

कि शीर्षक विधेयक का शीर्षक बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

Shri Shyam Chand: Sir, I beg to move

That the Punjab Sugarcane (Cinematograph Shows)Hayana Amedment Bill पजांब मनोरजन कर (सिनेमैटोग्राफ प्रदर्शन) हरियाणा सशोंधन विधेयक be passed

श्री अध्यश्रः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ

कि पजांब मनोरजन कर (सिनेमैटोग्राफ प्रदर्शन) हरियाणा सशांधन विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि पजांब मनोरजन कर (सिनेमैटोग्राफ प्रदर्शन) हरियाणा सशांधन विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

दी पजांब ऐन्टरटेनमैट्स टैक्स (वैस्टिंग आफ राईटस) बिल, 1973

Industries Minister (Shir Harpal Singh): Sir, I beg to introduce the Haryana Minerats (Vesting of Rights) Bill हरियाणा खनिज (अधिकार निधान) विधेयक 1973,

Sir, I also beg to move

That the Haryana Minerals (Vesting of Rights) Bill हरियाणा खनिज (अधिकार निधान) विधेयक be taken into consideration at once.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ ।

कि हरियाणा खनिज (अधिकार निधान) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि हरियाणा खनिज (अधिकार निधान) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाये।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यश्रः अब सदन विधेयक पर क्लाज बाई क्लाज विचार करेगा ।

क्लाजिज 2 से 8

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि क्लाज 2 से 8 विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

क्लाज 1

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि क्लाज 1 विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

अधिनियम सूत्र

श्री अध्यक्षः प्रशन यह है

कि अधिनियम सुत्र विधेयक का अधिनियम सुत्र बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

शीर्षक

श्री अध्यक्षः प्रशन यह है

कि शीर्षक विधेयक का शीर्षक बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

Shri Harpal Singh: Sir, I beg to move

That the Haryana Minerals (Vesting of Rights) Bill हरियाणा खनिज (अधिकार निधान) विधेयक be paseed.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ ।

कि हरियाणा खनिज (अधिकार निधान) विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि हरियाणा खनिज (अधिकार निधान) विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

दी पजांब लेड रैवेन्यू (हरियाणा अमैडमैंट) बिल, 1973

Revenue Minister (Pandit Chiranji Lal): Sir, I beg to introduce the Punjab Land Revenue Haryana Amendment Bill पजांब भू राजस्व हरियाणा सशोधन विधेयक 1973

Sir, I also beg to move

That the Punjab Land Revenue Haryana Amendment Bill पजांब भू राजस्व हरियाणा सशोधन विधेयक 1973 be taken into consideration at once.

श्री अध्यश्रः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ ।

कि पजांब भू राजस्व हरियाणा सशोधन विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाये।

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है –

कि पजांब भू राजस्व हरियाणा सशोधन विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाये।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

श्री अध्यश्रः अब सदन विधेयक पर क्लाज बाई क्लाज विचार करेगा ।

क्लाज 1 की सब क्लाज (2)

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि क्लाज 1 की सब क्लाज 2 विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

क्लाज 2

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि क्लाज 2 विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

क्लाज 3

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि क्लाज 3 विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

क्लाज 1 की सब क्लाज (1)

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि क्लाज 1 की सब क्लाज (1) विधेयक का अग बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

अधिनियम सूत्र

श्री अध्यक्षः प्रशन यह है

कि अधिनियम सुत्र विधेयक का अधिनियम सुत्र बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

शीर्षक

श्री अध्यक्षः प्रशन यह है

कि शीर्षक विधेयक का शीर्षक बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

Pandit Chiranji Lal: Sir, I beg to move

That the Punjab Land Revenue Haryana Amendment Bill पजांब भू राजस्व हरियाणा सशोधन विधेयक be passed.

श्री अध्यश्रः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ ।

कि पजांब भू राजस्व हरियाणा सशोधन विधेयक पारित किया जाए ।

चौधरी चांद राम बबैन अनूसूचित जातिः स्पीकर साहब, यह बिल अब पास होने जा रहे है इसमे कई ऐसी बाते है जो इस महकमे के बारे मे मै कहना चाहता था । इस महकमे मे जो रिकवरी तहसीलदार करता है उसे कई दफा इस महकमे का चपड़ासी वसूल कर लेता है और वह जमा नही करवाता । मैने ऐसे कुछ केसिज रैवून्यू मिनिस्टर साहब के नोटिस मे भी लाए थे जिस मे लोगो ने खुद यह बताया था कि यही वह चपड़ासी है लेकिन इसके बावजूद भी उसको रिटेन किया गया और दौबारा उनसे ब्याज समेत रिकवरी की गई । आज तक वे लोग पर्ची लिये फिरते है यह चीज है जो मै समझता हू ठीक नही है । इसके बारे मे कुछ करना चाहिए ।

पंडित चिरजी लाल शर्माः स्पीकर साहब, कुछ अर्सा हुआ कुछ शिकायते आई थी मुझे जबानी याद नही कि किसके बारे मे थी लेकिन इस किस्म की शिकायते हम होने नही देंगे । यह अमैडमैंट तो सिर्फ इसलिए कर रहे है क्यो कि 3 केसिज हाई कोर्ट मे चले गये थे ।

श्री अध्यश्रः प्रशन यह है ।

कि पजांब भू राजस्व हरियाणा सशोधन विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्षः सदन कल प्रातः काल साढे नौ बजे तक के लिए स्थगित किया जाता है ।

12:59

बजे (इस समय सभा बृहस्पतिवार दिनांक 15 नवम्बर 1973 के 9:30 बजे प्राप्त तक के लिए स्थगित हुई)